FOCUS NEWS
फोकस न्यूज

...आपका अपना अखबार

राष्ट्रीय संस्करण। नई दिल्ली। गुरुवार 23 अक्टूबर 2025। द्वितीया, कार्तिक माह, शुक्ल पक्ष। 2081 विक्रम संवत । पेज – 12 । मूल्य 2 रु । वर्ष : 13। अंक : 98

दिल्ली अब भी बहुत दूर, 2029 तक महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बना रहूंगा : फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि वह 2029 तक अपने वर्तमान पद पर बने रहेंगे और सत्तारूढ़ गठबंधन के घटकों में कोई बदलाव नहीं होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगा भारत

भारतीय टीम पिछले तीन मैच में हार से सबक लेकर गुरुवार को यहां महिला विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल जैसे मुकाबले में जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह पक्की करने की कोशिश करेगी।

दिल्ली में कृत्रिम बारिश का पहला परीक्षण अनुकूल 'बादल' नहीं होने से रुका

दिल्ली में बहुप्रतीक्षित कृत्रिम बारिश के प्रयोग को अब तक अमली जामा नहीं पहनाया जा सका है और दिवाली के बाद प्रस्तावित परीक्षण को अब तक हरी झंडी नहीं मिली है।

यम द्वितीया: भगवान चित्रगुप्त का पूजा दिवस

भारतीय समाज में कायस्थ एक बुद्धिजीवी एवं चतुर जाति मानी जाती है। मध्यकाल में तो यह मान्यता थी कि राज–काज के संचालन में इससे कुशल एवं प्रवीण कोई अन्य जाति नहीं है।

'शोले' फिल्म में जेलर की भूमिका शायद असरानी के लिए ही थी: सिप्पी

रमेश सिप्पी ने कहा है कि दिग्गज अभिनेता असरानी को "शोले" फिल्म में सनकी जेलर की भूमिका निभाने के लिए हमेशा याद रखा जाएगा और ऐसा लगता है कि यह भूमिका केवल उन्हीं के लिए थी।

छठ पूजा को लेकर रांची में तैयारियां तेज, यातायात व्यवस्था में भी बदलाव

झारखंड की राजधानी रांची प्रशासन ने 25 अक्टूबर से शुरू हो रहे छठ पर्व के मद्देनजर घाटों पर तैयारियां तेज कर दी हैं।

हिम्मत मत खोना अभी बहुत आगे जाना है
जिन्होंने कहा था तेरे बस का नहीं है
उनको भी करके दिखाना है

टीचर- बेटा अगर सच्चे दिल से प्रार्थना की जाए तो वो सफल जरूर होती है.
छात्र- रहने दीजिए सर, अगर ऐसा होता तो आज आप मेरे सर नहीं, ससुर होते...

पवित्र अवशेष 'जोड़े साहिब' को पटना ले जाया जाएगा, प्रधानमंत्री ने लोगों से 'दर्शन' करने की अपील की

। कृष्णा अग्रवाल ।

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, पवित्र 'जोड़े साहिब' (गुरु गोबिंद सिंह और उनकी धर्मपत्नी माता साहिब कौर की पादुकाएं) को बृहस्पतिवार को एक धार्मिक शोभायात्रा के साथ पटना स्थित 'तख्त पटना साहिब' ले जाया जाएगा, जहां इन अवशेषों को स्थायी रूप से रखा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को लोगों से 'जोड़े साहिब' के 'दर्शन' करने का आग्रह किया क्योंकि 'गुरु चरण यात्रा' हरियाणा और उत्तर प्रदेश से होकर दसवें सिख गुरु (गुरु गोबिंद सिंह) के जन्मस्थान तख्त पटना साहिब पहुंचने वाली है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह गुरु चरण यात्रा श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और माता साहिब कौर जी के महान आदर्शों के साथ हमारे जुड़ाव को और गहरा बनाए। जहां–जहां से यह यात्रा गुजरेगी उन क्षेत्रों के लोगों से मैं आग्रह करता हूं कि वे पवित्र 'जोड़े साहिब' के दर्शन करें। ये पवित्र अवशेष 300 से अधिक वर्षों से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के परिवार के पास हैं। बुधवार को यहां गुरुद्वारा मोती बाग में एक विशेष 'कीर्तन समागम' आयोजित किया गया, जहां श्रद्धालुओं ने पवित्र अवशेषों के 'दर्शन' किए। पुरी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज मुझे बेहद खुशी है (शेष पेज दो पर)

सरकार यमुना किनारे 17 आदर्श छठ घाट विकसित करेगी : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार दिल्ली में यमुना के किनारे 17 आदर्श छठ घाट विकसित करेगी और पूर्व के वर्षों में नदी के किनारे त्योहार मनाने की वजह से श्रद्धालुओं के खिलाफ दर्ज सभी मामले वापस लेगी। मुख्यमंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली में छठ पूजा दिवाली की ही तरह स्वच्छ, सुरक्षित और पवित्र वातावरण में उसी श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाई जाए। उन्होंने कहा, ''पहले यमुना तट पर छठ पूजा की अनुमति नहीं थी, लेकिन इस साल हमने श्रद्धालुओं के लिए इसकी अनुमति दे दी है। हम पुरानी शिकायतों को रद्द करेंगे और अपनी ओर से ऐसे मामले वापस लेंगे।'' गुप्ता ने बताया कि पिछले वर्ष 929 (शेष पेज दो पर)

20000 किलोमीटर हाईवे पर NHAI करेगा AI सर्वे गाड़ियां तैनात, हादसों और टूट–फूट पर होगी कड़ी नजर

नई दिल्ली। फोकस न्यूज। देश की राष्ट्रीय राजमार्गों की निगरानी और रखरखाव में अब बड़ा बदलाव आने वाला है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने 23 राज्यों में कुल 20,933 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की रियल–टाइम निगरानी के लिए AI–सक्षम सर्वे गाड़ियां तैनात करने की प्लनिंग बनाई है। इसका मकसद यात्रियों का सफर सुरक्षित और आरामदायक बनाना, सड़क की क्वालिटी सुधारना और रखरखाव की योजना को और सटीक बनाना है।

AI और हाई–टेक सर्वे गाड़ियां : ये खास सर्वे वाहन हाई–टेक तकनीक से लैस होंगे। इनमें 3डी लेजर इमेजिंग, 360 डिग्री कैमरे, GPS और कई उन्नत (शेष पेज दो पर)

पाकिस्तान अब भी 'करारे प्रहार' से उबर नहीं पाया : राजनाथ ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा

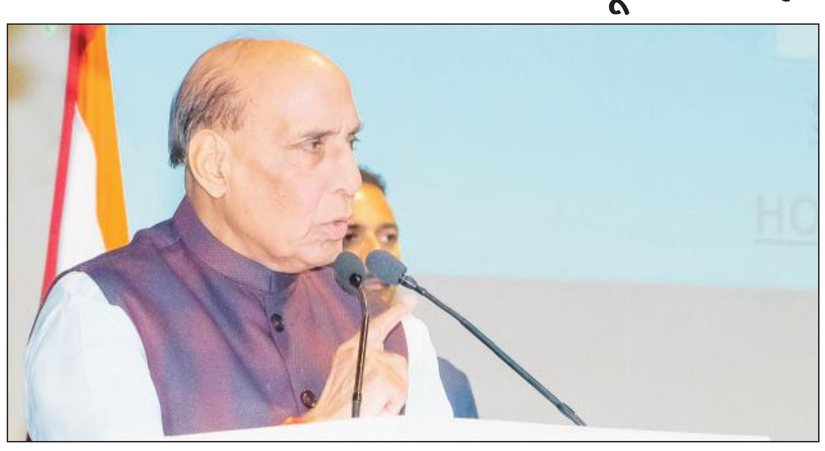

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' तीनों सेनाओं के तालमेल का एक ''असाधारण'' प्रदर्शन था और पाकिस्तान भारतीय सेना द्वारा किए गए ''करारे प्रहार'' से अभी तक उबर रहा है। सिंह ने कहा कि इस ऑपरेशन ने उभरती राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वित, अनुकूलनशील और स्थिति को पहले ही भांपकर रणनीति तैयार करने के भारत के संकल्प की पुष्टि की। सिंह ने एक पुस्तक के विमोचन समारोह में कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तीनों सेनाओं के बीच असाधारण एकजुटता एवं एकीकरण नजर आया और बदलती वैश्विक व्यवस्था और युद्ध के विकसित होते तरीकों से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए (शेष पेज दो पर)

भारत और श्रीलंका के बीच पर्यावरण सहयोग अस्तित्व का सवाल : न्यायमूर्ति सूर्यकांत

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने बुधवार को कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच पर्यावरण सहयोग दान या कूटनीति का मामला नहीं है, बल्कि अस्तित्व का सवाल है। कोलंबो विश्वविद्यालय के विधि संकाय में 'भारत–श्रीलंका नीति वार्ता: पर्यावरणीय स्थिरता और क्षेत्रीय सहयोग को आगे बढ़ाना' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि बंगाल की खाड़ी ''हमें विभाजित नहीं करती, बल्कि साझा पारिस्थितिक नियति के माध्यम से दोनों देशों को बांधती है।'' उन्होंने कहा कि पाल्क खाड़ी और मन्नार की खाड़ी जैव विविधता के प्रमुख स्थान हैं, जहां प्रवाल भित्तियां, समुद्री घास के मैदान और लुप्तप्राय प्रजातियां पाई जाती हैं, लेकिन ये क्षेत्र अत्यधिक मछली पकड़ने (शेष पेज दो पर)

घर पर काजू उगाने का बेहद आसान तरीका, अब पैसे खर्च करके नहीं खरीदना पड़ेगा ये ड्राई फ्रूट

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि थोड़ी सी जगह में आसानी से काजू के पेड़ को उगाया जा सकता है। सही देखभाल से आप घर पर ही काजू उगा सकते हैं। सबसे पहले आपको किसी भी नर्सरी से काजू के बीज को खरीद लेना है। ध्यान रहे कि बीज ताजा और अंकुरित होना चाहिए। आइए काजू के पेड़ को उगाने के पूरे प्रोसेस के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

ऐसे तैयार करें मिट्टी? : काजू के पेड़ को उगाने के लिए आपको रेतीली मिट्टी की जरूरत पड़ेगी। मिट्टी में लगभग 10 सेंटीमीटर तक की गहराई रखिए। काजू के एक से ज्यादा पेड़ लगाने के लिए आपको उन्हें कम से कम 30 फीट की दूरी पर लगाना चाहिए। ध्यान रहे कि आपको काजू के बीज को छूते समय दस्ताने जरूर पहनने चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि काजू के पेड़ को हॉट क्लाइमेट की जरूरत होती है।

देखभाल करने का सही तरीका : काजू के पेड़ को ऐसी जगह पर उगाएं, जहां पर हर रोज 5–6 घंटे की धूप पड़ती हो। शुरुआत में आपको काजू के पेड़ में एक हफ्ते में एक बार पानी देना चाहिए। गर्मियों के मौसम में आपको इस पेड़ को हफ्ते भर में एक बार पानी देना है लेकिन सर्दियों में आप कम पानी दे सकते हैं। (शेष पेज दो पर)

स्वाद से भरपूर चुकंदर का चीला मिनटों में होगा तैयार, अच्छी सेहत के लिए डाइट में ज़रूर करें शामिल, नोट करें विधि

अगर, आप दिवाली में मिठाई और तेल से बनी चीजें खाकार बोर हो गए हैं और अब कुछ हेल्दी और टेस्टी खाना चाहते हैं तो सुबह के समय बीटरूट का चीला बना लें। बीटरूट कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है जो स्वाद के साथ आपको सेहत को भी डोज़ देगा। तो चलिए जानते हैं कैसे बनाएँ बीटरूट चीला की स्वाद से भरपूर चीला रेसिपी?

बीटरूट चीला बनाने की सामग्री– 1 बीटरूट, आधा कप बेसन, 1 प्याज़, 1 टमाटर, 1 हरी मिर्च, 2 लहसुन की कलियाँ, 1 चम्मच धनिया पाउडर, 1 चम्मच मैगी मसाला, नमक स्वाद अनुसार

बीटरूट चीला कैसे बनाएं?: बीटरूट चीला बनाने के लिए सबसे पहले एक बीटरूट लें. उसे धोने के बाद अच्छी तरह से छीलकर बारीक काट लें.

अब, कटे हुए बीटरूट के साथ 1 प्याज, 1 टमाटर, 1 हरी मिर्च और 2 लहसुन को मिक्सर जार में डालें और बारीक पीस लें। इस मिश्रण को एक बाउल में निकालें।

अब बेसन का घोल बना लें। बेसन के घोल में बीटरूट का मिश्रण डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। अब बैटर में 1 चम्मच धनिया पाउडर, 1 चम्मच मैगी मसाला और स्वाद अनुसार नमक मिलाएं। अब इसको 10 मिनट के लिए ढककर रखें (शेष पेज दो पर)

संतरे के छिलके का ऐसे किया इस्तेमाल तो खिल जाएगा चेहरे का पोर पोर, दाग धब्बे होंगे छू–मंतर

संतरा खाने के बाद लोग लोग इसके छिलके को कूड़े में फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं इसका छिलका स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है।इसके छिलके में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं,जो त्वचा से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में आपकी मदद कर सकते हैं। दरअसल, संतरे के छिलके में विटामिन सी ,फोलेट, एंटीऑक्सीडेंट, पॉलीफेनॉल जैसे (शेष पेज दो पर)

त्वचा के लिए कौन सा तेल सबसे अच्छा है, नहाने के बाद लगाने से मक्खन जैसी चिकनी हो जाएगी स्किन

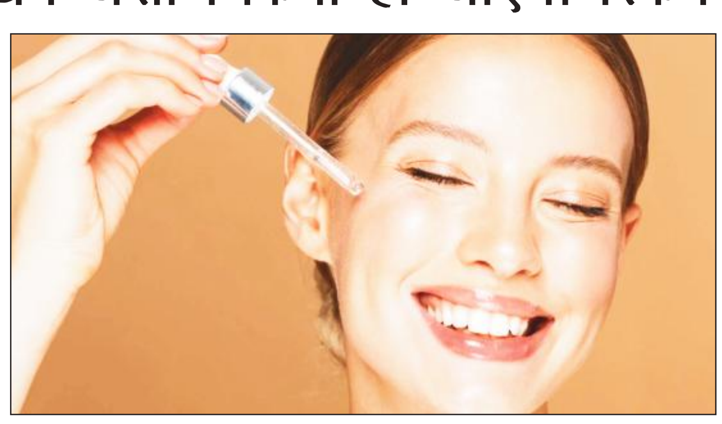

ठंड आते ही हर कोई ड्राई स्किन को लेकर काफी परेशान रहता है। रूखी बेजान त्वचा चेहरे की चमक को फीका बना देती है। स्किन का ग्लो कम होने लगता है। इसके लिए जरूरी है कि आप त्वचा का खास ख्याल रखें। भरपूर पानी पीएं और गर्म पानी की जगह ठंडे पानी से नहाएं। इसके तुरंत बाद हाथ पैर और पूरी बॉडी पर तेल से मालिश करें। क्रीम और लोशन से कहीं ज्यादा असरदार तेल होता है। इससे त्वचा लंबे समय तक हाइड्रेट रहती है और मुलायम बनती है। जानिए त्वचा पर लगाने के लिए कौन सा तेल अच्छा है।

त्वचा के लिए सबसे अच्छा तेल कौन सा है? : नारियल का तेल– जिन लोगों की त्वचा बहुत ज्यादा ड्राई रहती है उन्हें क्रीम या लोशन की बजाय चेहरे और पूरी त्वचा पर नारियल के तेल से मालिश करनी चाहिए। इसके लिए ऑर्गेनिक वर्जिन नारियल तेल का इस्तेमाल करें। नहाने के बाद नारियल का तेल लगाने से स्किन ग्लो करने लगेगी। (शेष पेज दो पर)

पवित्र अवशेष... (पेज एक का शेष) कि मेरा परिवार पवित्र अवशेषों की अभिरक्षा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को सौंप देगा।'' उन्होंने कहा कि पवित्र 'जोड़े साहिब' को 'गुरु चरण यात्रा' के साथ ले जाया जाएगा और तख्त श्री पटना साहिब में 'दशम पिता' के जन्मस्थान पर स्थायी रूप से स्थापित किया जाएगा, जहां श्रद्धालु अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर सकेंगे और 'दर्शन' कर सकेंगे। पुरी ने कहा, ''गुरु चरण यात्रा 23 अक्टूबर को गुरुद्वारा मोती बाग से शुरू होगी और रात तक फरीदाबाद पहुंचेगी।'' उन्होंने कहा कि 24 अक्टूबर को पवित्र अवशेष फरीदाबाद से आगरा, फिर बरेली (25 अक्टूबर), महंगापुर (26 अक्टूबर), लखनऊ (27 अक्टूबर), कानपुर (28 अक्टूबर) और प्रयागराज (29 अक्टूबर) पहुंचेंगे। पवित्र अवशेषों को वाराणसी होते हुए सासाराम ले जाया जाएगा और 30 अक्टूबर को गुरुद्वारा गुरु का बाग,पटना साहिब पहुंचाया जाएगा। 'जोड़े साहिब' को एक नवंबर को तख्त श्री पटना साहिब लाया जाएगा जिसके साथ इस यात्रा का समापन होगा। पुरी के एक पूर्वज, जिन्होंने गुरु गोविंद सिंह की सेवा की थी, को उनकी सराहनीय 'सेवा' के बदले में ये पादुकाएं दी गई थीं। एक किंवदंती के अनुसार, जब गुरु ने उन्हें कोई इनाम मांगने के लिए कहा, तो उन्होंने यह अनुरोध किया और अनुमति प्राप्त की कि वह पवित्र 'जोड़े साहिब' को अपने पास रख सकें, ताकि गुरु और माता के आशीर्वाद को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचा सकें। 'जोड़े साहिब' के अंतिम संरक्षक मंत्री के दिवंगत चचेरे भाई जसमीत सिंह पुरी थे, जो दिल्ली में करोल बाग में एक सड़क किनारे स्थित मकान में रहते थे। इस सड़क को बाद में बहुमूल्य पवित्र अवशेषों की पवित्रता के सम्मान में गुरु गोबिंद सिंह मार्ग नाम दिया गया।

सरकार यमुना... (पेज एक का शेष) घाट बनाए गए थे, जबकि अब शहर भर में इनकी संख्या बढ़कर 1,000 से अधिक हो गई है, जिनमें यमुना के किनारे 17 बड़े आदर्श घाट और प्रत्येक उप–मंडल में कम से कम एक आदर्श घाट शामिल हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पल्ला से कालिंदी कुंज तक आदर्श घाटों की लंबाई स्थानीय आबादी के आधार पर आधा किलोमीटर से डेढ़ किलोमीटर तक होगी। बयान के मुताबिक प्रत्येक घाट पर तंबू, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता, अस्थायी शौचालय और चिकित्सा वैन की व्यवस्था होगी, जबकि पुष्प वर्षा और भव्य प्रवेश द्वार श्रद्धालुओं का स्वागत करेंगे। इसमें कहा गया कि छठ पूजा की भावना का जश्न मनाने के लिए 200 से अधिक घाटों पर भोजपुरी और मैथिली में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। गुप्ता ने कहा कि सभी सांसदों, विधायकों और पार्षदों को अपने–अपने निर्वाचन क्षेत्रों में घाटों पर स्वच्छता अभियान में भाग लेने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, ''पिछली सरकार ने लोगों की आस्था पर प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन हमारी सरकार इसका सम्मान करती है।'' फरवरी में हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों में यमुना का पुनरुद्धार भाजपा के प्रमुख वादों में से एक था। इन चुनावों में, भाजपा ने 10 साल से दिल्ली पर राज कर रही आम आदमी पार्टी को हराकर 27 साल बाद राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता में वापसी की। सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित चार दिवसीय पर्व छठ पूजा इस वर्ष 25 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। यह पर्व पूर्वांचली (पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड के लोगों को संयुक्त रूप से संबोधित किया जाता है) समुदाय के लिए विशेष महत्व रखता है, जो दिल्ली की आबादी का एक बड़ा हिस्सा हैं। गुप्ता ने कहा, ''जिस तरह दिल्ली ने इस दिवाली शानदार दीपोत्सव और ड्रोन शो के साथ इतिहास रचा, उसी तरह इस साल छठ भी दिव्य और भव्य होगा।'' उन्होंने कहा, ''दिल्ली अब केवल भारत की राजनीतिक राजधानी नहीं है; यह आस्था की राजधानी बन रही है।''

20000 किलोमीटर... (पेज एक का शेष) सेंसर होंगे। ये वाहन बिना इंसानों की मदद के सड़कों की हालत और उनके डेटा को रियल–टाइम में इकट्ठा करेंगे। सर्वे के दौरान सड़क पर दरारें, गड्ढे और टूट–फूट जैसी समस्याओं को पहचानकर NHAI जल्दी सुधार कर सकेगा। **डेटा लेक और रोड एसेट मैनेजमेंट सिस्टम** : सर्वे के दौरान एकत्र किए गए सभी डेटा को NHAI के एआई–पावर्ड "Data Lake" प्लेटफॉर्म में भेजा जाएगा। यहां एक्सपर्ट इसे देखकर जरूरी जानकारी में बदलेंगे, जिसे रोड एसेट मैनेजमेंट सिस्टम में इस्तेमाल किया जाएगा और लंबे समय तक सुरक्षित रखा जाएगा। **हर प्रोजेक्ट पर नियमित निगरानी** : NSV पहल 2, 4, 6 और 8 लेन वाली सभी हाईवे परियोजनाओं पर लागू होगी। इस सर्वे को हर प्रोजेक्ट की शुरुआत में और उसके बाद हर छह महीने में दोहराया जाएगा। छभ।ष् ने इसके लिए योग्य कंपनियों से बोलियां आमंत्रित कर ली हैं। **सड़क सुरक्षा और सफर की क्वालिटी में सुधार** : डेटा–ड्रिवन निगरानी और रखरखाव की इस योजना से न केवल सड़क सुरक्षा में सुधार होगा, बल्कि यात्रियों को सुगम और आरामदायक सफर का अनुभव मिलेगा। इसके अलावा, सड़क की मरम्मत और रखरखाव की प्रक्रिया भी तेजी और प्रभावशीलता के साथ पूरी होगी।

घर पर... (पेज एक का शेष) इसके अलावा आप नाइट्रोजन, जिंक और फॉस्फोरस वाली खाद यूज कर सकते हैं। काजू का पेड़ सीधा रहे, इसके लिए आप स्टिक की मदद ले सकते हैं। **सेहत के लिए वरदान काजू** : इस ड्राई फ्रूट में मौजूद तमाम पोषक तत्व आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकते हैं। काजू का सेवन करके थकान–कमजोरी को दूर कर एनर्जी लेवल्स को बूस्ट किया जा सकता है। हड्डियों और हार्ट हेल्थ की मजबूती के लिए भी काजू फायदेमंद साबित हो सकता है। ब्रेन हेल्थ के लिए भी काजू का सेवन करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से इस ड्राई फ्रूट को कंज्यूम करना बेहद जरूरी है।

स्वाद से... (पेज एक का शेष) अब गैस ऑन करें और उस पर पैन रखें। ज़ब पैन गर्म हो जाए तब उसपर हल्का बटर लगाएं। उसके बाद करछी की मदद से बैटर लें और उसे पैन पर डालें और गोलाई में फैलाएं। अब ऊपर से थोड़ा बटर डालें और ब्राउन होने तक दोनों साइड से चीला को पकाएं। आपका गरमगरम बीटरूट चीला तैयार है, आप इसे चटनी के साथ खाएं। चुकंदर कई तरह से फायदेमंद है, जैसे यह एनीमिया को दूर करता है, रक्तचाप को नियंत्रित करता है, दिल को स्वस्थ रखता है, और पाचन में सुधार करता है। इसके अलावा, यह वजन घटाने में मदद करता है, त्वचा और बालों के लिए अच्छा है, और सहनशक्ति बढ़ाता है। तो अगर आपके शरीर में खून की कमी हो गयी है तो आयरन से भरपूर बीटरूट का सेवन करें।

त्वचा के... (पेज एक का शेष) आप चाहें को रात में नारियल तेल से मसाज करके सो जाएं। आर्गन ऑयल– सर्दियों में रूखी त्वचा से परेशान रहते हैं तो नहाने के बाद आर्गन ऑयल का इस्तेमाल करें। इसे आप चेहरे और पूरे शरीर पर आसानी से लगा सकते हैं। ऑर्गन ऑयल से मालिश करने से स्किन हाइड्रेट और मॉइश्चराइज रहती है। इस तेल को लगाने से त्वचा हेल्दी और ग्लोइंग बनाती है। आर्गन ऑयल विटामिन ई और फैटी एडिस होते हैं जो त्वचा को रूखा बनाने से बचाते हैं।
बादाम तेल– ठंड में जब त्वचा फटने लगती है तो फेस पर और पूरे शरीर पर बादाम का तेल लगाएं। बादाम का तेल ठंड के दिनों में किसी औषधी से कम नहीं है। बादाम के तेल में विटामिन ई ज्यादा होता है। जो आपकी त्वचा की ड्राईनेस को दूर करता है। नहाने के बाद पूरी बॉडी पर बादाम के तेल की मालिश करने से रूखापन कम होगा। बादाम का तेल लगाने से झुर्रियां और फाइन लाइन्स भी कम हो जाती हैं। ऑलिव ऑयल– जैतून का तेल यानि ऑलिव ऑयल थोड़ा हैवी होता है जो त्वचा की नमी बनाए रखने और सर्दियों में ड्राईनेस से बचाने के लिए एकदम सही है। ऑलिव ऑयल त्वचा पर एक सेफ्टी लेयर तैयार करता है। खासतौर से कोहनी, घुटने और पैरों को सॉफ्ट रखता है।ऑलिव ऑयल में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स फाइन लाइन्स को भी कम करते हैं।

संतरे के... (पेज एक का शेष) पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। और ये सारे पोषक तत्व आपके चेहरे का ग्लो बढ़ाने के लिए जाने जाते हैं।
इन दो तरीकों से करें संतरे का इस्तेमाल : संतरे का टोनरः संतरे के कुछ छिलके को एक गिलास पानी में उबालें। जब ये हल्का उबलने लगे तो इसमें पुदीने की पत्तियां भी डाल दें। लगभग 10 मिनट तक उबालने के बाद गैस बंद कर दें। अब इस पानी को ठंडा होने दें और फिर इसे छान लें। इसमें गुलाब जल और विटामिन ई ऑयल भी मिला लें। फिर इसे स्प्रे बोतल में भरकर रेफ्रिजरेट करें, तैयार है संतरे के छिलके से बना टोनर। टोनर इस्तेमाल करने से पहले बोतल को अच्छी तरह से हिलाएं। रात में सोने से पहले चेहरा वॉश करें और इसे स्प्रे करके सो जाएं। इसके नियमित इस्तेमाल से आपके चेहरे पर जबरदस्त निखार आएगा, पिगमेंटेशन और दाग धब्बे दूर सकते हैं।
संतरे का स्क्रबरः सबसे पहले संतरे के छिलके को धूप में अच्छी तरह सूखा लें। ये जब सुखकर एकदम कड़क हो जाएँ तब इन्हें पीस लें। इन्हें हल्का दरदरा पीसें। अब इस पाउडर को एक कंटेनर में भरकर रख लें। इसका स्क्रबर डेड स्किन को हटाने में बेहद असरदार होता है। इसके नियमित इस्तेमाल से आपकी स्किन हमेशा जवां और खिली खिली नज़र आएगी। साथ ही डेड स्किन, पिगमेंटेशन और दाग धब्बे से छुटकारा मिलेगा। जब भी स्किन स्क्रब करनी हो तब इस पाउडर को लें और उसमे थोड़ा शहद और दूध मिलाकर पेस्ट तैयार करें और स्किन पर लगाएं। संतरे के इस स्क्रबर का इस्तेमाल आप हफ्ते में 3 बार कर सकते हैं।

भारत और... (पेज एक का शेष) और अनियमित तटीय निर्माण के कारण गंभीर संकट में हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि इसके कारण इस समुद्री पर्यावरण के कुछ हिस्सों में पारिस्थितिकी तंत्र ध्वस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न ज्वलंत मुद्दों के मद्देनजर, भारतीय और श्रीलंकाई न्यायपालिकाओं के लिए यह उपयुक्त समय है कि वे क्षेत्रीय पर्यावरणीय संवैधानिकता के एक मॉडल को आगे बढ़ाएं तथा यह स्वीकार करें कि कुछ पर्यावरणीय अधिकार और कर्तव्य सीमाओं से परे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और श्रीलंका सदियों से न केवल संस्कृति और व्यापार से, बल्कि हिंद महासागर की पारिस्थितिकी से भी घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं और जैसे–जैसे पर्यावरणीय क्षरण तेज होता जा रहा है, इससे निपटने की जिम्मेदारी भी सामूहिक है।

पाकिस्तान अब... (पेज एक का शेष) समन्वित, अनुकूलनशील और स्थिति को पहले ही भांपकर रक्षा रणनीति तैयार करने के सरकार के संकल्प की पुष्टि की।'' रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आज के समय में रक्षा का पारंपरिक दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं है क्योंकि युद्ध केवल सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि वे अब 'हाइब्रिड' और विषम रूप ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ–साथ देश की रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित करने हेतु भविष्य के लिए तैयार सेना बनाने के मकसद से कई ''साहसिक और निर्णायक'' सुधार किए हैं। उन्होंने कहा, '' इन ऐतिहासिक कदमों में से एक कदम प्रमुख रक्षा अध्यक्ष के पद का सृजन था, जो तीनों सेनाओं के बीच समन्वय और तालमेल को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित हुआ।'' सिंह ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एकजुटता और एकीकरण का परिणाम पूरी दुनिया ने देखा। पाकिस्तान हमारे सशस्त्र बलों द्वारा किए गए करारे प्रहार से अब भी उबर रहा है।''

सेना ने 380 इंफेंट्री बटालियनों को 'अश्नि' ड्रोन प्लाटून से लैस किया

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय सेना की 380 इंफेंट्री बटालियनों को ड्रोन प्लाटून से सुसज्जित किया गया है, जबकि उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर सेना की युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आधुनिकीकरण अभियान के तहत विशिष्ट कमांडो इकाइयों का गठन किया जा रहा है। इंफेंट्री के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार ने पैदल सेना इकाइयों की हमला करने की क्षमता बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि सेना इंफेंट्री आधुनिकीकरण योजना के तहत 2,770 करोड़ रुपये की लागत से 4.25 लाख युद्धक कार्बाइन भी खरीद रही है। लेफ्टिनेंट जनरल कुमार ने कहा कि 380 पैदल सेना बटालियनों में से प्रत्येक के पास अब एक अश्नि ड्रोन प्लाटून है जिसमें कम से कम चार निगरानी ड्रोन शामिल हैं और छह सशस्त्र श्रेणी के हैं। उन्होंने बताया कि सशस्त्र ड्रोनों में कामिकेज ड्रोन और सटीक गोला–बारूद गिराने वाले मानवरहित हवाई वाहन शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि किस प्रकार सेना इंफेंट्री बटालियनों की लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कदम उठा रही है। सेना ने पहले ही लगभग 250 सैनिकों वाली पांच उत्कृष्ट भैरव बटालियन गठित कर ली हैं तथा अगले छह महीनों में ऐसी कुल 25 बटालियन बनाने की योजना है।
इन बटालियनों का गठन विशेष अभियानों के लिए किया जा रहा है और संभवतः ये नियमित पैदल सेना और विशिष्ट पैरा–स्पेशन बलों के बीच सेतु का काम करेंगी। महानिदेशक ने कहा, "भैरव की पांच बटालियनें पहले ही गठित की जा चुकी हैं। उन्हें पहले ही इच्छित अभियानों के क्षेत्र में तैनात किया जा चुका है और एक अक्टूबर से उनका प्रशिक्षण चल रहा है।"
उन्होंने कहा कि पांचों बटालियनों का प्रशिक्षण 30 अक्टूबर को समाप्त होगा और उसके बाद वे पूरी तरह से क्रियाशील हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि चार और बटालियन बनाने की प्रक्रिया पूरी होने वाली है और अगले छह महीनों में हमारे पास ऐसी 25 बटालियन होंगी। लेफ्टिनेंट जनरल कुमार ने कहा कि भैरव बटालियनों के साथ–साथ विशेष बल बटालियनों में भी अश्नि ड्रोन प्लाटून होंगे। नये जमाने की कार्बाइनों की खरीद के बारे में उन्होंने कहा कि इनमें से 60 प्रतिशत की आपूर्ति भारत फोर्ज लिमिटेड द्वारा की जाएगी, जबकि शेष 40 प्रतिशत की आपूर्ति पीएलआर सिस्टम्स द्वारा की जाएगी। लेफ्टिनेंट जनरल कुमार ने कहा कि कार्बाइनों की आपूर्ति एक वर्ष के भीतर शुरू हो जाएगी और आपूर्ति दो वर्षों के भीतर पूरी कर ली जाएगी।

उद्धव ने राज से मुलाकात की, चचेरे भाइयों के बीच इस महीने की यह चौथी मुलाकात

मुंबई, (भाषा) संभावित गठबंधन की अटकलों के बीच शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे के आवास पर जाकर बुधवार को उनसे मुलाकात की। यह इस महीने उनकी चौथी मुलाकात थी। शिवसेना (उबाठा) के एक पदाधिकारी ने बताया कि उद्धव अपनी चाची और राज की मां कुंदा ठाकरे को उनके जन्मदिन पर बधाई देने के लिए 'शिवतीर्थ' गए। कभी कट्टर प्रतिद्वंद्वी रहे ठाकरे भाइयों के बीच तब से यह आठवीं मुलाकात है जब वे जुलाई में महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शामिल करने के फैसले का विरोध करने के लिए एक साथ आए थे। दोनों चचेरे भाई और उनके परिवार पिछले सप्ताह शिवाजी पार्क में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना द्वारा आयोजित 'दीपोत्सव' कार्यक्रम के अवसर पर मिले थे।

Although every possible care and caution has been taken to avoid errors or omissions, this publication is being sold on the condition and understanding that information given in this publication is merely for reference and must not be taken as having the authority of or binding in any way on the writers, editors, publishers, and printers and sellers who do not owe any responsibility for any damage or loss to any person, a purchaser of this publication or not for the result of any action taken on the basis of this work. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent court and forums in Delhi/New Delhi only
Published, Printed, Edited and Owned by Krishna Aggarwal Published from New Delhi, Tel- 011-43560023 E-mail- info@focusnews.in, focusnews9@gmail.com
RNI NUMBER - DELBIL/2013/56173, Printed from Vibha Publication Pvt Ltd- D-160 B, Noida Phase - I, Uttar Pradesh - 201301

डम्पा उपचुनाव प्रचार के लिए मिजोरम के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे रीजीजू

आइजोल, केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू विधानसभा की डम्पा सीट पर 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए भाजपा के प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करने के वास्ते बुधवार को मिजोरम के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी। भाजपा की मिजोरम इकाई के मीडिया संयोजक जॉनी ललथनपुइया ने बताया कि आइजोल पहुंचने के तुरंत बाद केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री भाजपा उम्मीदवार लालहमंगइहा के पक्ष में प्रचार करने के लिए ममित जिले के डम्पा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पश्चिम फैलेंग रवाना हो गए। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता बृहस्पतिवार को रीएक में एक जनसभा को संबोधित करेंगे और उसी दिन दिल्ली के लिए रवाना होंगे। जॉनी ने बताया कि केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह सहित भाजपा के अन्य केंद्रीय नेता भी पार्टी उम्मीदवार के लिए प्रचार करने मिजोरम आएंगे। डम्पा उपचुनाव के लिए प्रचार जोर पकड़ रहा है और सभी प्रतियोगी दल मतदाताओं को लुभाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने मंगलवार को विश्वास जताया कि उनकी पार्टी 'जोरम पीपुल्स मूवमेंट' आगामी उपचुनाव जीतेगी।

उन्होंने दावा किया कि राज्य में विधानसभा उपचुनावों के नतीजे हमेशा से सत्तारूढ़ पार्टी के पक्ष में रहे हैं। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष लाल थंजारा ने कंघमुंग गांव में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ जोरम पीपुल्स मूवमेंट और विपक्षी मिजो नेशनल फ्रंट दोनों पर अपने चुनावी वादे पूरा न करने का आरोप लगाया। डम्पा उपचुनाव, 21 जुलाई को मिजो नेशनल फ्रंट के विधायक लालरिंटलुआंगा सैलो के निधन के कारण जरूरी हो गया है। अंतिम मतदाता सूची के अनुसार, डम्पा विधानसभा क्षेत्र में कुल 20,790 मतदाता हैं, जिनमें 10,185 महिला मतदाता शामिल हैं।

दिल्ली अब भी बहुत दूर, 2029 तक महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बना रहूंगा : देवेंद्र फडणवीस

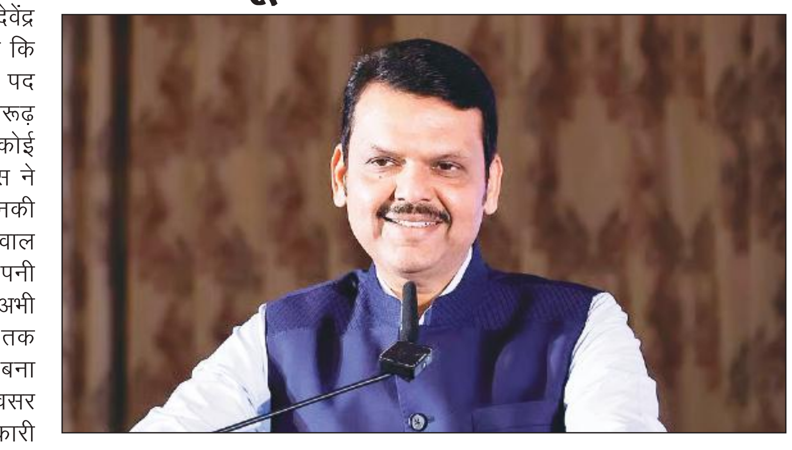

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि वह 2029 तक अपने वर्तमान पद पर बने रहेंगे और सत्तारूढ़ गठबंधन के घटकों में कोई बदलाव नहीं होगा। फडणवीस ने राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका के बारे में पूछे गए सवाल पर कहा, ''जहां तक मैं अपनी पार्टी को जानता हूं...दिल्ली अभी बहुत दूर है। मैं 2029 तक महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बना रहूंगा।'' वह दिवाली के अवसर पर मुंबई स्थित अपने सरकारी आवास 'वर्षा' में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। फडणवीस ने स्पष्ट किया कि मौजूदा सत्तारूढ़ गठबंधन में कोई बदलाव नहीं होगा, जिसमें भाजपा, एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''न तो कोई नया साझेदार बनेगा और न ही साझेदारों की अदला–बदली होगी।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने स्थानीय निकाय चुनावों से पहले राज्य की मतदाता सूची में विसंगतियों का आरोप लगाने के लिए विपक्ष को आड़े हाथ लिया। स्थानीय निकाय चुनाव 31 जनवरी, 2026 तक पूरे होने हैं। फडणवीस 2019 में पांच साल का कार्यकाल पूरा करने वाले पहले गैर–कांग्रेसी मुख्यमंत्री हैं। पिछले साल विधानसभा चुनाव के बाद उनकी राज्य के शीर्ष पद पर वापसी हुई थी। इस साल की शुरुआत में मुख्यमंत्री आधिकारिक बंगले में रहने आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके मन में राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के प्रति कोई कटुता नहीं है। फडणवीस ने कहा, ''2024 के विधानसभा चुनावों के बाद राजनीतिक स्थिरता को देखते हुए, मुझे विश्वास है कि (नेताओं के बीच) सौहार्द्र वापस आएगा। इससे पहले, 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद राजनीतिक अस्थिरता के कारण, राजनीतिक नेताओं के बीच दुश्मनी जैसी स्थिति थी। मेरे 99 प्रतिशत राजनीतिक नेताओं के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध हैं।'' महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे के स्थानीय निकाय चुनावों के लिए एक साथ आने की अटकलों पर फडणवीस ने कहा, ''अगर राज ठाकरे कहते हैं कि मैं मराठी के मुद्दे पर दोनों भाइयों को करीब लाया, तो मैं इसे एक प्रशंसा के रूप में लेता हूं।'' उन्होंने कहा, ''पहले, दलों को तोड़ने के लिए मेरी आलोचना की जाती थी। कोई तीसरा व्यक्ति किसी राजनीतिक दल को नहीं तोड़ सकता। केवल महत्वाकांक्षाएं और अन्याय ही पार्टियों को तोड़ सकते हैं।'' फडणवीस ने उम्मीद जताई की कि स्थानीय निकाय चुनाव के बाद भी ठाकरे बंधु साथ बने रहेंगे। उन्होंने साथ ही कहा कि 'ठाकरे ब्रांड' का अभिप्राय केवल शिवसेना संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे हैं और कोई नहीं है। एकनाथ शिंदे को परेशान करने के लिए राज और उद्धव ठाकरे के बीच समझौता कराने के आरोपों के बारे में पूछे गए सवाल पर फडणवीस ने कहा, ''जैसे मेरे राज के साथ संबंध हैं, वैसे ही शिंदे से भी संबंध हैं।'' भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए फडणवीस को अपना स्टार प्रचारक बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए माहौल अच्छा दिख रहा है। उन्होंने दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं है। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में फेरबदल के सवाल पर फडणवीस ने कहा कि कोई मंत्री अक्षम नहीं है। उन्होंने कहा, ''हम जल्द सरकार का एक साल पूरे करेंगे और प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी।'' फडणवीस ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव के लिए 'महायुति' राजनीतिक रूप से समझदारी भरा गठबंधन करेगा।

महागठबंधन उम्मीदवार शशि भूषण सिंह का नॉमिकेशन कैंसिल, इससे पहले एनडीए भी गंवा चुका है एक सीट

नई दिल्ली। बिहार में विपक्ष महागठबंधन के हाथ से भी एक सीट बिना चुनाव लड़े ही निकल गई। दरअसल सुगौली सीट से मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी की उम्मीदवार शशि भूषण सिंह का नामांकन रद्द हो गया है। चुनाव आयोग से जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक फॉर्म में कुछ तकनीकी कमियों के चलते शशि भूषण का नॉमिनेशन खारिज हुआ है। सुगौली सीट पर दूसरे चरण में चुनाव होना है और दोनों ही चरणों के चुनाव के नामांकन की अंतिम तारीख पहले ही निकल चुकी है इसलिए अब इस सीट पर महागठबंधन का कोई प्रत्याशी चुनाव नहीं लड़ पाएगा। चुनाव आयोग के अनुसार सुगौली विधानसभा से कुल 10 उम्मीदवारों के नामांकन दर्ज हुए थे जिसमें से पांच लोगों का पर्चा तकनीकी वजह से रद्द कर दिया गया है। वीआईपी उम्मीदवार शशि भूषण सिंह के अलावा आम आदमी पार्टी के गयासुद्दीन सामनि, अपनी जनता पार्टी के उम्मीदवार सदरे आलम और दो निर्दलीय उम्मीदवारों प्रकाश चौधरी तथा कृष्ण मोहन झा का नॉमिनेशन कैंसिल हुआ है। वैसे शशि भूषण सिंह का पर्चा खारिज होने से इस सीट पर चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। अब यहां से एनडीए उम्मीदवार और जनसुराज पार्टी के बीच मुकाबला है। एनडीए की ओर से सुगौली सीट चिराग पासवान की एलजेपी (रामविलास) के हिस्से में आई है। चिराग पासवान ने यहां से राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता को चुनाव मैदान में उतारा है जबकि प्रशांत किशोर ने अपनी जन सुराज पार्टी से अजय झा को टिकट दी है। 2020 के विधानसभा चुनाव में आरजेडी उम्मीदवार के तौर पर शशि भूषण सिंह ने वीआईपी पार्टी के रामचंद्र सहनी को हराया था। वीआईपी उस चुनाव में एनडीए का हिस्सा थी। इससे पहले मढ़ौरा विधानसभा क्षेत्र से एनडीए के घटक दल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की प्रत्याशी सीमा सिंह का भी नामांकन रद्द हो चुका है। इस प्रकार से एनडीए और महागठबंधन दोनों को ही बिना चुनाव लड़े एक एक सीट का नुकसान हो चुका है।

एमसीडी ने दिवाली के बाद सफाई अभियान के तहत तीन मीट्रिक टन इस्तेमाल किए हुए दीये एकत्र किए

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने त्योहारी सीजन के बाद सफाई अभियान के तहत लगभग तीन मीट्रिक टन इस्तेमाल किए गए मिट्टी के दीये एकत्र किए हैं। महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत नगर निकाय राष्ट्रीय राजधानी में टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों के तहत ऐसे दीये शहर भर से एकत्र कर रहा है जो इस्तेमाल किए जा चुके हैं। यह काम टीडब्ल्यूईपीएल की सीएसआर परियोजना स्वच्छ वाहिनी के माध्यम से 'व्हाई वेस्ट वेडनसडे फाउंडेशन' के सहयोग से किया जा रहा है और इसमें विभिन्न निवासी कल्याण संघों की सक्रिय भागीदारी शामिल है।

स्टालिन ने सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारों को 175 नियुक्ति आदेश जारी किए

चेन्नई, (भाषा) तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिस कर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर 175 नियुक्ति आदेश मंगलवार को प्रदान किए और शोक संतप्त परिवारों को कुल 5.70 करोड़ रुपये के चेक सौंपे। सरकार ने यह जानकारी दी। प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस 1959 में लद्दाख में चीनी सैनिकों द्वारा अचानक किए गए हमले के दौरान जान गंवाने वाले केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 जवानों, तथा कर्तव्य निर्वहन के दौरान मारे गए अन्य पुलिस अधिकारियों की स्मृति में मनाया जाता है। यहां पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए स्टालिन ने वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और शीर्ष पुलिस अधिकारियों के साथ पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में, मुख्यमंत्री ने ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर 175 नियुक्ति आदेश वितरित किए। उन्होंने कर्तव्य का पालन करते हुए जान देने वाले छह पुलिस अधिकारियों के परिवारों को बीमा लाभ और 5.70 करोड़ रुपये अनुग्रह राशि भी प्रदान की। स्टालिन ने दिवंगत विशेष उपनिरीक्षक एम शानमुगावेल और हेड कांस्टेबल एस जैस्मीन मिल्टन राज के परिजन को व्यक्तिगत रूप से एक–एक करोड़ रुपये के चेक सौंपे। दोनों की ड्यूटी के दौरान मृत्यु हो गई थी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस अवसर पर मुख्य सचिव एन. मुरुगनंधम, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज कुमार, प्रभारी डीजीपी जी वेंकटरमण और ग्रेटर चेन्नई के पुलिस आयुक्त ए. अरुण भी मौजूद थे।

जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करेगी एआईएमआईएम

हैदराबाद, एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को कहा कि पार्टी 11 नवंबर को होने वाले जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव का समर्थन करेगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करने का फैसला किया है क्योंकि परिणाम से मौजूदा सरकार को कोई नफा या नुकसान नहीं होगा और यादव के नेतृत्व में विकास संभव है। ओवैसी ने कहा, "जुबली हिल्स के लोगों से हमारी अपील है कि चुनाव के नतीजों से सरकार नहीं बदलेगी। हम लगभग चार लाख मतदाताओं से अपील करते हैं जिन्होंने पिछले दस सालों से बीआरएस का समर्थन किया है। अब, मैं आपसे नवीन यादव को वोट देने का अनुरोध करता हूं, जो युवा हैं और जुबली हिल्स में विकास ला सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पिछले दस वर्षों से इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के बावजूद कोई विकास कार्य कराने में विफल रही है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) अगले आम चुनावों में अलग रणनीति अपना सकती है। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव 11 नवंबर को होगा और मतगणना 14 नवंबर को होगी। इस वर्ष जून में बीआरएस विधायक मगंती गोपीनाथ की हृदयाघात से मृत्यु के कारण इस सीट पर उपचुनाव आवश्यक हो गया था। बीआरएस ने गोपीनाथ की पत्नी मगंती सुनीता को उम्मीदवार बनाया, जबकि भाजपा ने लंकला दीपक रेड्डी को मैदान में उतारा है। एक सवाल के जवाब में ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद और उनके बेटे तेजस्वी यादव को पत्र लिखकर कहा था कि वह इस बार विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दल के रूप में चुनाव लड़ने को तैयार है। लेकिन पत्रों का कोई जवाब नहीं आया।रविवार को एआईएमआईएम ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए दो गैर–मुस्लिमों सहित 25 उम्मीदवारों की घोषणा की।

सिद्धरमैया ने पुलिसबल के भीतर अनैतिक प्रथाओं पर अंकुश लगाने का श्रेय पुलिस को दिया

बेंगलुरु, (भाषा) कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मंगलवार को कहा कि राज्य का विकास कानून–व्यवस्था के रखरखाव पर निर्भर करता है तथा उन्होंने पुलिसबल के भीतर अनैतिक प्रथाओं पर अंकुश लगाने का श्रेय पुलिस को दिया। पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सर्वोच्च बलिदान देने वाले अधिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उन्होंने कहा कि यदि पुलिस विभाग शांति और व्यवस्था बनाए रखे तो राज्य का विकास संभव है। सिद्धरमैया ने पुलिस विभाग की सराहना करते हुए कहा, ''अनैतिक पुलिसिंग पर अंकुश लगाना एक अच्छी उपलब्धि है। इसी तरह मादक पदार्थ की समस्या पर भी लगाम लगाई गयी है तथा इसे और भी प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जाना चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति के समुदायों के खिलाफ अत्याचारों को रोकने के लिए नागरिक अधिकार प्रवर्तन निदेशालय (डीसीआरई) पुलिस थानों को कार्यात्मक बनाया गया है और इस बात पर जोर दिया कि इन थानों को संवैधानिक अधिकारों व मूल्यों की रक्षा के लिए प्रभावी ढंग से काम करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश में शांति और व्यवस्था बनाए रखने में पुलिसकर्मियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''सांप्रदायिक और बुरी ताकतों को नियंत्रित करने में आपकी (पुलिसबल की) भूमिका महत्वपूर्ण है।'' सिद्धरमैया ने कर्नाटक के आठ और देश भर के 191 पुलिसकर्मियों को भी श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपनी जान दे दी और उनके बलिदान को अमूल्य बताया। उन्होंने कुछ प्रमुख घोषणाएं कीं, जैसे 116 व्यक्तियों के लिए अनुकंपा के आधार पर नौकरियां स्वीकृत करना, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति को एक लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये करना और वार्षिक स्वास्थ्य जांच भत्ता 1,000 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये करना।

रेवंत रेड्डी ने माओवादियों से आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल होने का आह्वान किया

हैदराबाद, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने माओवादियों से आत्मसमर्पण करने और मुख्यधारा में शामिल होकर देश के विकास में योगदान देने तथा राज्य के पुनर्निर्माण के लिए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की अपील की। रेड्डी ने यहां पुलिस झंडा दिवस परेड को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना में पुलिस विभाग को राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए पूरी छूट दी गई है। मुख्यमंत्री रेड्डरी ने कहा, ''तेलंगाना में पहले माओवादी गतिविधियां हुआ करती थीं। लेकिन पुलिस के विभिन्न कदमों से शांति है। मैं फिलहाल भूमिगत माओवादी नेताओं से सामने आकर मुख्यधारा में शामिल होने का अनुरोध करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''आप सभी जानते हैं कि हाल में कुछ प्रमुख माओवादी नेताओं ने आत्मसमर्पण किया है। मैं शेष माओवादियों से मुख्यधारा में शामिल होकर देश के विकास का हिस्सा बनने का अनुरोध करता हूं। मैं माओवादियों से तेलंगाना के पुनर्निर्माण का हिस्सा बनने की अपील करता हूं।'' उन्होंने कहा कि निवेश आना और रोजगार सृजन तभी संभव होगा जब राज्य में कानून–व्यवस्था बेहतर होगी। रेड्डी ने कहा कि राज्य में नशीले पदार्थ की समस्या को खत्म करने के लिए नवगठित ईगल (एलीट एक्शन ग्रुप फॉर ड्रग लॉ एनफोर्समेंट) बल अपने कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर रहा है। मुख्यमंत्री रेड्डी ने कहा कि सरकार कांस्टेबल प्रमोद के परिवार के साथ है, जिनकी हाल ही में निजामाबाद में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए मृत्यु हो गई। रेड्डी ने कहा कि कांस्टेबल के परिवार को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि, उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक का अंतिम वेतन, परिवार के एक पात्र सदस्य को सरकारी नौकरी और 300 वर्ग गज का एक आवासीय भूखंड स्वीकृत किया जा रहा है। इसके अलावा, पुलिस विभाग की ओर से प्रमोद के परिवार को सहायता के रूप में 24 लाख रुपये की अतिरिक्त धनराशि दी जाएगी। पुलिस ने 18 अक्टूबर को बताया कि 42 वर्षीय कांस्टेबल की कथित तौर पर एक आदतन अपराधी ने चाकू मारकर हत्या कर दी, जब उसे निजामाबाद शहर के एक पुलिस थाने ले जाया जा रहा था। पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, मुख्यमंत्री रेड्डी ने कहा कि देश में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए 191 पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी, जिनमें तेलंगाना के छह पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने प्रमुख विभागों में महिला पुलिस अधिकारियों की नियुक्ति के सरकार के संकल्प पर भी प्रकाश डाला। तेलंगाना ने पुलिस विभाग के कई प्रमुख विभागों में योग्य महिला आईपीएस अधिकारियों को नियुक्त करके देश के लिए एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि आज, महिला आईपीएस अधिकारी तेलंगाना पुलिस अकादमी, कारागार विभाग, एसआईबी, एसीबी, सीआईडी, सतर्कता, सशस्त्र रिजर्व, सीसीएस और साइबर सुरक्षा ब्यूरो का नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने बताया कि सात महिला अधिकारी हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा पुलिस आयुक्तालयों में डीसीपी के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रही हैं। रेड्डी ने कहा कि अपराध मामलों से निपटने, जांच, यातायात नियंत्रण, दिन में गश्त, रात्रि गश्त, सुरक्षा और वीआईपी सुरक्षा में बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए, सरकार ने पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए कई कल्याणकारी कदम भी उठाए हैं।

दिल्ली:पिछले चार साल में 'एनआईओएस प्रोजेक्ट' के तहत 10वीं कक्षा के 70 फीसदी बच्चे हुए फेल

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली सरकार द्वारा 2017 में शुरू किये गये 'एनआईओएस प्रोजेक्ट' के तहत पिछले चार साल में 10वीं कक्षा की परीक्षा देने वाले औसत 70 फीसदी बच्चे फेल हुए हैं। 'पीटीआई–भाषा' द्वारा सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत दायर एक आवेदन के जवाब में दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने यह जानकारी दी। दिल्ली सरकार ने नौवीं व 10वीं कक्षा में फेल होने वाले विद्यार्थियों और स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की दर को कम करने के लिए यह योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत नौवीं व 10वीं कक्षा में फेल होने वाले विद्यार्थियों और पढ़ाई में कमजोर बच्चों का पंजीकरण राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) में कराया जाता है और स्कूल में ही अलग से कक्षाएं होती हैं। शिक्षा निदेशालय से मिली जानकारी के मुताबिक, 2024 में 'एनआईओएस प्रोजेक्ट' के तहत 10वीं में 7794 बच्चों का पंजीकरण कराया गया था जिनमें से 37 फीसदी यानी 2842 बच्चे ही परीक्षा उत्तीर्ण कर सके। निदेशालय ने बताया कि 2017 में 8563, 2018 में 18,344, 2019 में 18,624, 2020 में 15,061, 2021 में 11,322, 2022 में 10,598 और 2023 में 29,436 बच्चों का पंजीकरण 'एनआईओएस प्रोजेक्ट' के तहत कराया गया था। आरटीआई से मिली जानकारी के मुताबिक, 2017 में 3748, 2018 में 12,096, 2019 में 17,737, 2020 में 14,995, 2021 में 2760, 2022 में 3480 और 2023 में 7658 विद्यार्थी ही परीक्षा उत्तीर्ण कर सके। पिछले चार साल के आंकड़ों के हिसाब से 'एनआईओएस प्रोजेक्ट'के तहत पढ़ने वाले सिर्फ 30 फीसदी छात्र–छात्राएं ही परीक्षा पास कर सके और 70 फीसदी विद्यार्थी फेल हो गये। इस योजना के तहत विद्यार्थियों के पंजीकरण की जिम्मेदारी संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य की होती है। 'एनआईओएस प्रोजेक्ट' के तहत पंजीकरण कराने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रति विषय 500 रुपये का परीक्षा शुल्क निर्धारित किया गया है और अगर किसी विषय में प्रैक्टिकल शामिल है जैसे कि पेंटिंग, होम साइंस या कंप्यूटर साइंस तो प्रत्येक प्रैक्टिकल विषय के लिए 120 रुपये अतिरिक्त देने होते हैं। इसके अलावा पांच विषयों के लिए पंजीकरण शुल्क 500 रुपये निर्धारित है और अतिरिक्त विषय के लिए 200 रुपये प्रति विषय शुल्क देना होता है तथा क्रेडिट ट्रांसफर (टीओसी) के लिए अलग से 230 रुपये प्रति विषय शुल्क लिया जाता है। दिल्ली के एक सरकारी स्कूल के शिक्षक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, "बच्चों के फेल होने के पीछे मुख्यतः दो कारण हैं। पहला है समन्वय।'' उन्होंने बताया कि 'एनआईओएस प्रोजेक्ट'से जुड़े शिक्षक पंजीकृत बच्चों के परिजनों से संपर्क ही नहीं करते और न ही उन्हें बताते हैं कि बच्चा स्कूल आ रहा है या नहीं।" उन्होंने दूसरा कारण बताते हुए कहा कि 'एनआईओएस प्रोजेक्ट'से जुड़े बच्चों को स्कूल में वह वातावरण नहीं मिला पाता जो दूसरे बच्चों का मिलता है। उनका आरोप था कि शिक्षक कक्षाओं में नहीं जाते।" उन्होंने बताया कि इन सबके अलावा महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानाचार्य अपने स्कूल की 10वीं कक्षा का परिणाम सुधारने के मकसद से पढ़ाई में कमजोर बच्चों का पंजीकरण एनआईओएस में करा देते हैं, जिसकी वजह से ये बच्चे दूसरे विद्यार्थियों से पढ़ाई में अलग हो जाते हैं। 'ऑल इंडिया पेरेंट्स एसोसिएशन'के अध्यक्ष एवं दिल्ली उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक अग्रवाल ने 'पीटीआई–भाषा'को बताया, "गरीब वर्ग के कमजोर बच्चे स्कूल में नियमित शिक्षा के लिए आते हैं लेकिन सरकारी विद्यालय अपने 10वीं के नतीजों को बेहतर करने के लिए बच्चों को छांटकर एनआईओएस भेज देते हैं, जहां केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के पाठ्यक्रम के विपरीत बेहद दोयम दर्जे का पाठ्यक्रम होता है।'' अग्रवाल ने कहा कि बच्चे परीक्षा उत्तीर्ण कर भी लें तो उन्हें 11वीं में दाखिला केवल कला संकाय में ही मिलेगा। उन्होंने कहा कि 'एनआईओए प्रोजेक्ट' बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।" दिल्ली शिक्षा निदेशालय के 'एनआईओएस प्रोजेक्ट' के उप निदेशक(डीडीई) हरि राम शर्मा से कई बार प्रयास किए जाने के बावजूद संपर्क नहीं हो सका।

पंजाब के बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए उप्र से 1000 क्विंटल गेहूं का बीज भेजा गया

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास से पंजाब के बाढ़ प्रभावित किसानों की सहायता हेतु गेहूं के बीज लदे वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि दीपावली का पर्व पूरे उत्साह, उमंग और शांतिपूर्वक वातावरण में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व पूरे उत्साह, उमंग और शांतिपूर्वक वातावरण में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्सव का वास्तविक आनंद तभी है, जब हम किसी पीड़ित को जोड़कर उसकी सहायता के लिए खड़े हों। उन्होंने कहा कि इसी भावना के साथ आज इस कठिन समय में उत्तर प्रदेश सरकार पंजाब के अन्नदाता किसानों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि आपदा का सामना पंजाब के किसान अकेले नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'डबल–इंजन) की सरकार (केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार) हर आपदा–पीड़ित नागरिक के साथ खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि चाहे वह राहत सामग्री के रूप में सहायता हो, आर्थिक सहयोग हो या पुनर्वास का प्रयास। उन्होंने कहा, ''हम सब मिलकर किसानों को सशक्त, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाएंगे।'' जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, ''पंजाब हमारे देश का एक प्रमुख राज्य है, जिसने स्वतंत्र भारत में कृषि आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने में ऐतिहासिक भूमिका निभायी है। लेकिन इस वर्ष वहां हुई अतिवृष्टि के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यहां तक कि किसानों द्वारा सुरक्षित रखे गए बीज भंडार भी बाढ़ की चपेट में आने से नष्ट हो गए, जिससे आगामी फसलों पर गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका है।'' मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा, ''इसी भावना के साथ आज कृषि विभाग एवं उत्तर प्रदेश बीज एवं विकास निगम की ओर से ढाई हजार बोरे यानी 1000 क्विंटल गेहूं का बीज पंजाब भेजा जा रहा है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पंजाब, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बाढ़ आई थी, तब उत्तर प्रदेश सरकार ने इन राज्यों के लिए राहत सामग्री भेजी थी और साथ ही मुख्यमंत्री राहत कोष से धनराशि भी उपलब्ध कराई थी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्राकृतिक आपदा की घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी रही है और आगे भी खड़ी रहेगी। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि पंजाब के किसानों के लिए भेजा जा रहा 1000 क्विंटल गेहूं बीज "बीबी–327" प्रजाति का है, जिसे करण शिवानी के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि यह रोग–प्रतिरोधी, बायो–फोर्टीफाइड और पोषणयुक्त प्रजाति है, जो केवल 155 दिनों में तैयार होती है और लगभग 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक की उपज देने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि यह बीज न केवल पंजाब के किसानों के लिए सहायक सिद्ध होगा, बल्कि उत्तर प्रदेश बीज एवं विकास निगम की प्रगति और दक्षता का भी प्रतीक है।

भारतीय सेना ने 1962 के युद्ध नायकों को श्रद्धांजलि देने के लिए 'जिरो ऑनर रन' का आयोजन किया

ईटानगर, (भाषा) अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) के टी परनाइक ने शनिवार को 'जिरो ऑनर रन' को हरी झंडी दिखाई। यह दौड़ 1962 के भारत–चीन युद्ध के नायकों को श्रद्धांजलि देने के लिए सेना द्वारा आयोजित की गई थी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, लोअर सुबनसिरी जिले के जिरो स्थित सेंट्रल ड्री मैदान से दौड़ को रवाना करते हुए परनाइक ने कहा कि यह दौड़ एकता, धैर्य और देशभक्ति की भावना का प्रतीक है। वर्ष 1962 के युद्ध नायकों को श्रद्धांजलि देते हुए, उन्होंने राइफलमैन नीलम तेबी को याद किया, जो उस युद्ध में शहीद हो गए थे। अरुणाचल प्रदेश के युवाओं को सपने देखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारत 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा और 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी की आकांक्षा रखेगा। उन्होंने युवा एथलीटों से वैश्विक उत्कृष्टता का लक्ष्य रखने का आह्वान किया। परनाइक ने इस बात पर जोर दिया कि खेल राष्ट्र निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं तथा ये विनम्रता और साहस सिखाते हैं। बाद में, राज्यपाल ने 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और पांच किलोमीटर दौड़ के विजेताओं को पदक और चेक प्रदान किए। इस आयोजन में राज्य और देश के विभिन्न हिस्सों से सेना, वायु सेना और भारत–तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों, एनसीसी कैडेट, छात्रों और नागरिकों सहित 800 से अधिक धावकों ने भाग लिया।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान हीली इंग्लैंड के खिलाफ मैच से बाहर, मैकग्रा करेंगी कप्तानी

इंदौर, (भाषा) आस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली पिंडली की चोट के कारण बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले महिला विश्व कप मैच में नहीं खेल पाएंगी। उनकी अनुपस्थिति में ताहलिया मैकग्रा कप्तानी करेंगी। पिछले दो मैचों में शतक लगाने वाली ऑस्ट्रेलियाई कप्तान को शनिवार को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगी। आस्ट्रेलिया की मुख्य कोच शेली निश्चेके ने मंगलवार को मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाताओं से कहा, ''हां, यह निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसकी पिंडली में हल्का खिंचाव है।'' यह 35 वर्ष की खिलाड़ी हाल में चोटों से जूझती रही है। उनके पास अगले सप्ताह होने वाले सेमी फाइनल तक पूरी तरह फिट होने के लिए बहुत कम समय है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया शनिवार को अपने अंतिम लीग मैच में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा। हीली पांव में चोट लगने के कारण पिछले साल टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में भी नहीं खेल पाई थी। निश्चेके ने कहा, '' हम हर दिन उनकी फिटनेस का आकलन करेंगे। अगर उनका रिहैबिलिटेशन सही रहा तो हम उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले मैच में खेलने का मौका देंगे। हमें उम्मीद है कि वह जल्द ही फिट हो जाएगी।'' ऑस्ट्रेलिया के लिए पारी की शुरुआत करने वाली हीली चार पारियों में 294 रन बनाकर इस समय टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड के खिलाफ उनकी जगह जॉर्जिया वोल फ़ोबे लिचफील्ड के साथ पारी की शुरुआत कर सकती है। कोच ने कहा, ''हमारे पास कुछ विकल्प हैं। एक विकल्प जॉर्जिया वोल है जो पहले भी यह भूमिका निभा चुकी है, लेकिन हमने अभी इस पर फैसला नहीं किया है।''

भारत की 23 सदस्यीय मुक्केबाजी टीम एशियाई युवा खेलों के लिए बहरीन रवाना

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत की 23 सदस्यीय मुक्केबाजी टीम 23 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीसरे एशियाई युवा खेलों में भाग लेने के लिए मनामा, बहरीन के लिए रवाना हो गई है। टीम में ध्रुव खरब, उधम सिंह राघव, खुशी चंद, अहाना शर्मा और चंद्रिका भोरशी पुजारी जैसे मुक्केबाज शामिल हैं जिन्होंने हाल में भारत की तरफ से अच्छा प्रदर्शन किया था। टीम में कई ऐसे मुक्केबाज भी शामिल हैं जिन्होंने जुलाई 2025 में एशियाई अंडर–17 चैंपियनशिप में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था, जहां भारत ने 43 पदक जीते थे और कुल मिलाकर दूसरा स्थान हासिल किया था। टीम का चयन इस वर्ष की शुरुआत में आयोजित छठी अंडर–17 जूनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर किया गया था, जहां स्वर्ण पदक विजेताओं का सीधा चयन हुआ था, जबकि रजत पदक विजेताओं को रिजर्व के रूप में चुना गया था। भारतीय टीम अंडर–17 आयु वर्ग में 14 भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेगी। इसमें लड़कों और लड़कियों के लिए सात–सात भार वर्ग शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पता चलेगा कि रोहित और कोहली 2027 विश्व कप तक खेल सकते हैं या नहीं: पोंटिंग

दुबई, (भाषा) आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा वनडे श्रृंखला में प्रदर्शन यह निर्धारित करेगा कि यह स्टार भारतीय जोड़ी 2027 विश्व कप तक खेल सकती है या नहीं। अब केवल वनडे प्रारूप में खेलने वाले कोहली और रोहित मार्च के बाद जब अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए उतरे तो उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और वे पर्थ की उछाल भरी पिच पर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के सामने ज़्यादा देर तक नहीं टिक पाए। भारत यह मैच सात विकेट से हार गया था। तीन मैचों की श्रृंखला का दूसरा एकदिवसीय मैच गुरुवार को एडिलेड में होगा, जहां की परिस्थितियां पर्थ की तुलना में भारतीय बल्लेबाजों के लिए अधिक अनुकूल होंगी। पोंटिंग ने पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री के साथ 'आईसीसी रिव्यू' पर बात करते हुए कहा कि इस दिग्गज जोड़ी को केवल 2027 वनडे विश्व कप के बारे में सोचने के बजाय अपने लिए अल्पकालिक लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। पोंटिंग ने कहा, ''एक बात जो मुझे किसी से सुनना पसंद नहीं है, वह यह है कि 'मैंने खेल में सब कुछ हासिल कर लिया है', क्योंकि मुझे लगता है कि आपके पास अब भी कुछ अल्पकालिक लक्ष्य होने चाहिए। आपको केवल 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के बारे में नहीं सोचना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''विराट शुरू से ही एक बेहद प्रेरणादायी इंसान रहे हैं और मुझे लगता है कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला के लिए कुछ लक्ष्य तय कर लिए होंगे। वह अगले विश्व कप के बारे में सोच कर अपना समय बर्बाद नहीं कर रहे होंगे। यह देखना होगा कि क्या वे विश्व कप तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रख पाएंगे। जैसा कि रवि ने कहा, हमें इस श्रृंखला के दौरान इसका जवाब मिल जाएगा।'' पहले वनडे में रोहित और कोहली का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा लेकिन शास्त्री का मानना है कि सीमित ओवरों के इन दो महान खिलाड़ियों को अधिक समय दिया जाना चाहिए क्योंकि आईपीएल के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहने के बाद उन्हें लय हासिल करने में समय लगेगा। उन्होंने कहा, ''जब आप लंबे समय के बाद वापसी करते हैं तो ज़ाहिर है कि आप लय में नहीं होंगे।

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगा भारत

नवी मुंबई, (भाषा) भारतीय टीम पिछले तीन मैच में हार से सबक लेकर गुरुवार को यहां महिला विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल जैसे मुकाबले में जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह पक्की करने की कोशिश करेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम यदि डीवाई पाटिल स्टेडियम के अपने चिर परिचित विकेट पर न्यूज़ीलैंड की टीम को हरा देती है तो वह सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली चौथी टीम बन जाएगी। लेकिन अगर वह पिछले तीन मैच की तरह गलतियां करती है तो फिर वह अगर मगर के भंवर में फंस जाएगी। यदि भारत न्यूजीलैंड से हार जाता है, तो उसे सेमी फाइनल में जगह बनाने के लिए इंग्लैंड की न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले मैच में जीत के लिए दुआ करनी होगी और फिर बांग्लादेश के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप लीग मैच में भी जीत हासिल करनी होगी। न्यूजीलैंड को अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने होंगे। टीम एक और मुकाबले में बारिश के खतरे के बीच उतर रही है क्योंकि शाम या रात में 'बारिश या गरज के साथ बौछारें' पड़ने की भविष्यवाणी की गई है। मैच बारिश की भेंट चढ़ने की स्थिति में चौथे सेमीफाइनलिस्ट की पहचान के लिए जब आकलन किया जाएगा तो अधिक जीत और बेहतर नेट रन रेट के कारण भारत फायदे की स्थिति में होगा। ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। भारत भी सेमीफाइनल में पहुंचने का प्रबल दावेदार था लेकिन लगातार तीन मैच में हार का सामना करने के कारण उसके समीकरण बिगड़ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों ने भारत की गेंदबाजी में कमजोरी को खुलकर उजागर किया लेकिन उसे सबसे बड़ा झटका इंदौर में इंग्लैंड के खिलाफ लगा जहां उसे एक समय 54 गेंद पर 56 रन की जरूरत थी लेकिन वह लक्ष्य तक पहुंचने में नाकाम रहा। भारत की समस्या छठे गेंदबाजी विकल्प तक ही सीमित नहीं है। उसकी टीम घरेलू धरती पर खेलने के दबाव से निपटने के लिए भी संघर्ष कर रही है। दबाव में भारत की कमजोरी और विशिष्ट कौशल की कमी कप्तान हरमनप्रीत और मुख्य कोच अमोल मजूमदार के लिए सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है। अब तक भारत का कोई भी शीर्ष बल्लेबाज मैच खत्म करने के लिए लंबे समय तक नहीं टिक सका है। यही नहीं उसके गेंदबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव स्पष्ट नजर आ रहा है।ऐसी स्थिति में भारतीय बल्लेबाजी की मुख्य आधार रही हरमनप्रीत और फॉर्म में चल रही स्मृति मंधाना की अनुभवी जोड़ी को जिम्मेदारी लेनी होगी। भारत ने अपनी गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए पिछले मैच में जेमिमा रोड्रिग्स को बाहर करके स्विंग गेंदबाजी में माहिर रेणुका ठाकुर को टीम में रखा था लेकिन उसकी यह रणनीति भी कारगर साबित नहीं हुई। भारत अगर इसी संयोजन के साथ उतरता है तो दबाव तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली हरलीन देओल पर होगा, जो अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाई हैं। यहां की पिच पारंपरिक रूप से बल्लेबाजों के अनुकूल रही है, लेकिन पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को दूसरी पारी में ओस के प्रभाव को लेकर सतर्क रहना होगा। सोफी डिवाइन और सूजी बेट्स की अनुभवी जोड़ी भारत के लिए कड़ी चुनौती पेश करेगी। न्यूजीलैंड की टीम पूर्ण मैच खेलने के लिए उत्सुक होगी, क्योंकि कोलंबो में उसके दो मैच बारिश के कारण रद्द कर दिए गए थे। टीम इस प्रकार हैं: भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव और उमा छेत्री।

न्यूजीलैंडः सोफी डिवाइन (कप्तान), इसाबेला गेज (विकेट कीपर), मैडी ग्रीन, पॉली इंगलिस (विकेट कीपर), बेला जेम्स, जॉर्जिया प्लिमर, सूजी बेट्स, ब्रुक हॉलिडे, अमेलिया केर, ईडन कार्सन, ब्री इलिंग, जेस केर, रोजमेरी मैयर, हन्ना रोवे और ली ताहुहु।

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर बाद 3:00 बजे शुरू होगा।

अभिनव बिंद्रा 2026 शीतकालीन ओलंपिक के मशालवाहक होंगे

नयी दिल्ली, (भाषा) ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा को बुधवार को अगले साल होने वाले शीतकालीन खेलों के लिए मशालवाहक चुना गया। शीतकालीन ओलंपिक 2026, छह से 22 फरवरी के बीच इटली के मिलान और कॉर्टिना डी'अम्पेजो में आयोजित किए जाएंगे। बिंद्रा ने अपने 'एक्स' पर साझा पोस्ट में लिखा,'' मिलानो कॉर्टिना 2026 ओलंपिक मशाल रिले के लिए मशालवाहक चुने जाने पर मैं सचमुच बहुत खुश हूं। ओलंपिक मशाल का मेरे दिल में हमेशा एक खास स्थान रहा है। यह सपनों, दृढ़ता और खेल द्वारा हमारी दुनिया में लाई गई एकता का प्रतीक है।'' बीजिंग ओलंपिक (2008) में 10 मीटर एयर–राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ने कहा, '' एक बार फिर से ऐसा मौका मिलना सम्मान की बात है और यह इस बात की खूबसूरत याद दिलाता है कि खेल क्या संभव बनाते हैं। इस अविश्वसनीय सम्मान के लिए 'मिलानकोर्टिना2026' का धन्यवाद।'' यह इटली द्वारा आयोजित चौथा शीतकालीन ओलंपिक होगा। इस ओलंपिक सत्र में 16 खेलों में 116 पदक स्पर्धाएं होंगी, जो बीजिंग 2022 की तुलना में सात स्पर्धाएं अधिक है।

स्पिनरों के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने महिला विश्व कप में इंग्लैंड को नौ विकेट पर 244 रन पर रोका

इंदौर, (भाषा) टैमी ब्यूमोंट की 78 रन की पारी के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने अलाना किंग की किफायती गेंदबाजी से महिला वनडे विश्व कप मैच में बुधवार को यहां इंग्लैंड की पारी को नौ विकेट पर 244 रन पर रोक दिया। किंग ने अपने 10 ओवर के कोटे में सिर्फ 20 रन खर्च कर इंग्लैंड की कप्तान नैट–सिवर ब्रंट (सात) को आउट किया। किंग को सोफी मोलिनक्स (52 रन पर दो विकेट) और एशले गार्डनर (39 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। एनाबेल सदरलैंड ने सबसे ज्यादा तीन विकेट चटकाये लेकिन उन्होंने अपने 10 ओवर में 60 रन खर्च किये। इंग्लैंड के लिए ब्यूमोंट ने 105 गेंद की पारी में 10 चौके और एक छक्का लगा एक छोर से विकेट गिरने के बावजूद रन बनाना जारी रखा लेकिन टीम की रन गति को आखिरी ओवरों में एलिस कैप्सी (32 गेंद में 38 रन) और चार्ली डीन (27 गेंद में 26 रन) ने सातवें विकेट के लिए 52 गेंद में 61 रन की साझेदारी के साथ तेज किया। ब्यूमोंट ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर अपनी पहली ही गेंद को स्क्वायर लेग पर चौका लगाने के बाद किम गार्थ की गेंद पर मिड–विकेट पर शानदार छक्का जड़कर लय में होने का संकेत दिया। दूसरी तरफ एमी जोन्स (18) ने मेगन शट की गेंद पर तीन चौके जड़ ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों को परेशान किया। आत्मविश्वास से भरी ब्यूमोंट ने गार्थ को निशाना बनाना जारी रखते हुए एक ही ओवर में तीन और चौके जड़े। सदरलैंड ने अपनी धीमी गेंद पर जोन्स को चकमा देकर बोल्ड किया और ब्यूमोंट के साथ 55 गेंद में 55 रन की साझेदारी को तोड़ा। ब्यूमोंट ने हालांकि 44 गेंदों में मौजूदा टूर्नामेंट का अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। लेकिन इसके बाद स्पिनरों ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर नकेल कसना शुरू कर दिया।

शीर्ष क्रम का स्ट्राइक रेट चिंता का विषय नहीं लेकिन अगले मुकाबलों में बड़े स्कोर की उम्मीद: मजूमदार

मुंबई, (भाषा) मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने बुधवार को आलोचनाओं से घिरी भारतीय बल्लेबाजों का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें बल्लेबाजों से बड़ी पारी की उम्मीद है। बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए जूझ रही है। भारत को अंतिम चार में पहुंचने के लिए न्यूजीलैंड पर जीत की जरूरत है लेकिन इसके लिए मेजबान टीम को बृहस्पतिवार को यहां अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मौजूदा टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों को पहले शतक का इंतजार है जबकि सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल (70.99) और हरलीन देओल (75.11) के स्ट्राइक रेट ने भी शीर्ष क्रम की धीमी बल्लेबाजी की समस्या को उजागर किया है। अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने के बारे में पूछे जाने पर मजूमदार ने जवाब दिया, ''हम अच्छी तरह जानते हैं कि इस विश्व कप में तीन अंक का आंकड़ा नहीं छू पाए हैं।'' उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, '' अगर आप पिछले डेढ़ साल, यानी विश्व कप से पूर्व 18 महीनों पर नजर डालें तो मुझे लगता है कि हमने पहले से कहीं अधिक शतक लगाए हैं। हां, तिहरे अंक तक नहीं पहुंचे हैं (मौजूदा विश्व कप में)।'' मजूमदार ने हालांकि इस बात को खारिज कर दिया कि व्यक्तिगत बड़े स्कोर नहीं बनने के कारण भारतीय बल्लेबाज दबाव में हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि किसी पर अधिक दबाव है। हमने इस बारे में ईमानदारी से चर्चा की है और खिलाड़ी भी ईमानदार रहे हैं कि हम अर्धशतक की बजाय उसे शतक में बदल सकते थे। वे इस बात से वाकिफ हैं और मुझे उम्मीद है कि अगले कुछ मैच में ऐसा होगा।'' मजूमदार ने प्रतियोगिता में प्रतिका और हरलीन के 80 से कम के स्ट्राइक रेट को अधिक तूल नहीं दिया। इन दोनों ने मिलकर 10 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है।

हम जिस तरह खेले उससे बहुत खुश नहीं हैं, चमत्कार का इंतजार करेंगे: चमारी अटापट्टू

नवी मुंबई, (भाषा) श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ सात रन की जीत से महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद को जीवंत रखा है लेकिन उसकी कप्तान चमारी अटापट्टू अपनी टीम के प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। अटापट्टू ने कहा कि उनकी टीम किसी चमत्कार का इंतजार करेगी और 24 अक्टूबर को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ अपने अंतिम लीग मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। श्रीलंका अंक तालिका में सातवें स्थान पर था, लेकिन बांग्लादेश को हराकर उसने तालिका में छठा स्थान प्राप्त कर लिया। इससे वह सेमीफाइनल के अंतिम स्थान के लिए भारत और न्यूजीलैंड के साथ दौड़ में शामिल हो गया है। अटापट्टू ने रविवार को यहां मीडिया से कहा, ''जिस तरह से हमने बल्लेबाजी की, मैं उससे खुश नहीं हूं क्योंकि हमने अच्छी शुरुआत की थी लेकिन हम इसे जारी नहीं रख सके। एक कप्तान के रूप में मैं हमारे खेलने के तरीके से खुश नहीं हूं। हमारी टीम वास्तव में बहुत अच्छी है लेकिन हम अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।'' उन्होंने कहा, 'हम अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। हम अपने अगले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके जीत हासिल करने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा हम किसी चमत्कार की उम्मीद भी करेंगे।''

अभय सिंह अमेरिकी ओपन में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी माकिन से हारे

फिलाडेल्फिया, (भाषा) भारत के अग्रणी खिलाड़ी अभय सिंह यहां 226,000 डॉलर इनामी पीएसए प्लेटिनम प्रतियोगिता अमेरिकी ओपन स्क्वाश के राउंड ऑफ16 में वेल्स के तीसरे वरीय जोएल माकिन से हार गए। एशियाई खेलों में कई पदक जीतने वाले और विश्व में 30वें नंबर के खिलाड़ी 27 वर्षीय अभय को सोमवार को विश्व में चौथे नंबर के खिलाड़ी से 2–11, 5–11, 4–11 से हार का सामना करना पड़ा। अभय ने पिछले महीने दोहा में खेली गई प्रतियोगिता में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी करीम गवाद को हरा कर अपने कौशल का शानदार परिचय दिया था लेकिन वेल्स के खिलाड़ी के खिलाफ उनकी एक नहीं चली और वह किसी तरह की खास चुनौती दिए बिना हार गए।

डेविस कप में नहीं खेलेंगे सिनर, अल्काराज़ स्पेन की टीम में शामिल

बोलोग्ना (इटली), (एपी) दुनिया में दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर अगले महीने होने वाले डेविस कप फ़ाइनल आठ में मेज़बान और पिछली दो बार के चैंपियन इटली की तरफ से नहीं खेल पाएंगे लेकिन विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ को सोमवार को स्पेन की टीम में शामिल कर लिया गया। इसके अलावा 18 से 23 नवंबर तक बोलोग्ना में होने वाली प्रतियोगिता के लिए जर्मनी के विश्व में तीसरे नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव और इटली के आठवें नंबर के लोरेंजो मुसेट्टी को अपनी अपनी टीमों में शामिल किया गया है। इतालवी टेनिस महासंघ के अध्यक्ष एंजेलो बिनाघी ने कहा, ''यह निराशाजनक है लेकिन हम यानिक के फैसले का सम्मान करते हैं। उनका इस सत्र में कार्यक्रम काफी व्यस्त रहा है। हमें यकीन है कि वह जल्द ही फिर से राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनेंगे।'' सिनर ने इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन और विंबलडन के रूप में दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते लेकिन साथ ही उन पर तीन महीने का डोपिंग प्रतिबंध भी लगाया गया।

मोरे कांस्य पदक की दौड़ में, तीन महिला पहलवानों को पहले दौर में मिली शिकस्त

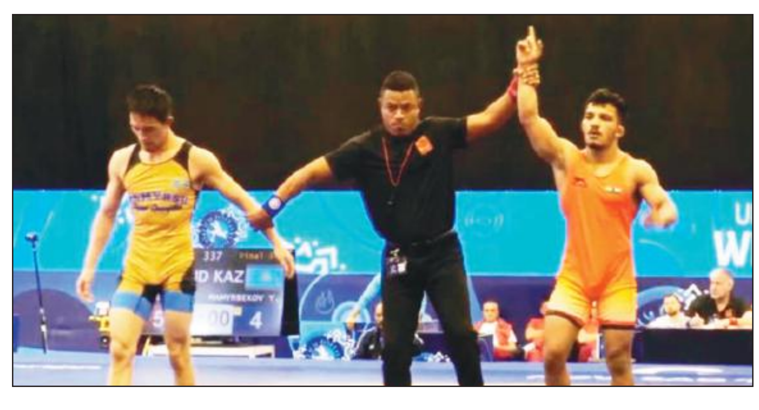

नोवी साद (सर्बिया), (भाषा) ग्रीको रोमन पहलवान विश्वजीत मोरे ने कांस्य पदक के प्ले–ऑफ में जगह बनाकर भारत की पदक की उम्मीदों को बनाये रखा जबकि तीन भारतीय महिला पहलवान बुधवार को अपने–अपने पहले दौर के मुकाबले हार गईं। हन्नी कुमारी (50 किग्रा) यूडब्ल्यूडब्ल्यू ध्वज तले प्रतिस्पर्धा कर रही स्वियातलाना कटेंका के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में पटखनी खाने से हार गईं। कटेंका ने जब भारतीय पहलवान के खिलाफ पिन मूव हासिल किया तो स्कोर 4–6 था। दीक्षा मलिक (72 किग्रा) क्वालीफिकेशन दौर से आगे नहीं बढ़ सकीं और चीन की युकी लियू से 3–9 से हार गईं। इसके बाद लियू को भी हार का सामना करना पड़ा जिससे इस भारतीय पहलवान के लिए प्रतियोगिता में बने रहने का रास्ता बंद हो गया। प्रिया मलिक (76 किग्रा) को भी क्वालीफिकेशन में हार का सामना करना पड़ा। अमेरिका की काइली रेनी वेल्कर ने उन्हें तकनीकी श्रेष्ठता (10–0) से करारी शिकस्त दी। अमेरिकी पहलवान सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं और अगर वह अगला मुकाबला जीत जाती हैं तो प्रिया के लिए रेपेचेज का रास्ता खुल जाएगा। विश्वजीत मोरे ने ग्रीको रोमन में जॉर्जिया के जियोर्जी कोचालिड्ज़े के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता (9–1) से मुकाबला जीतकर रेपेचेज में अपने मौके का पूरा फायदा उठाया। अब उनका मुकाबला कजाकिस्तान के येरासिल ममायर्बेकोव से होगा। कुणाल हालांकि 60 किग्रा वर्ग में क्वार्टर फाइनल में इजराइल के मेलकामु फेटेने से 2–4 से हारकर बाहर हो गए। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत सर्बिया के रोलैंड वर्गा पर तकनीकी श्रेष्ठता (8–0) से प्रभावशाली जीत के साथ की थी। प्रिंस 82 किग्रा में अपना क्वालीफिकेशन मुकाबला उज़्बेकिस्तान के समंदर बोबोनाजारोव से हार गए।

फिटनेस बनाए रखने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलें कोहली और रोहित: जगदाले

इंदौर, (भाषा) पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता संजय जगदाले का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिर्फ एक प्रारूप खेल रहे भारत के महान बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को मैच फिटनेस बरकरार रखने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। बीसीसीआई के पूर्व सचिव जगदाले ने कहा कि दोनों की 2027 विश्व कप में खेलने की उम्मीद उनके फॉर्म और फिटनेस पर निर्भर करेंगी। जगदाले ने 'पीटीआई' से कहा, ''उन्होंने सिर्फ एक प्रारूप में खेलने का फैसला लिया है और यह उनके लिए कठिन है।''

उन्होंने कहा, ''वे दोनों सफेद गेंद वाले क्रिकेट में शानदार रहे हैं लेकिन अगर आप नियमित रूप से नहीं खेल रहे हैं तो इससे आपका खेल प्रभावित होगा जैसा कि आईपीएल में धोनी के साथ हुआ। ब्रायन लारा और मैथ्यू हेडन के साथ भी ऐसा ही हुआ था।'' जगदाले ने कहा, ''बहुत से क्रिकेटर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, पहले जैसे नहीं रहते, यह स्वाभाविक है'' दोनों ने पिछले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में लगभग छह महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की, लेकिन कोई ख़ास प्रभाव नहीं छोड़ पाए।

रोहित 14 गेंदों पर सिर्फ आठ रन बना पाए, जबकि कोहली आठ गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए। जगदाले ने कहा, ''अभी तो 50 ओवरों का क्रिकेट कम खेला जाएगा।''

उन्होंने कहा, ''मैं उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलते देखना पसंद करूंगा। मैं नहीं जानता कि उनके दिमाग में क्या है लेकिन घरेलू टूर्नामेंटों में प्रतिस्पर्धा करना निश्चित रूप से उनके लिए अच्छा रहेगा।''

सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप से विश्व भर में प्रदर्शित होगी झारखंड की खेल क्षमता: हेमंत सोरेन

रांची, (भाषा) झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को अधिकारियों को चौथी दक्षिण एशियाई (सैफ) सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 का सफल आयोजन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया ताकि वैश्विक मंच पर राज्य की खेल क्षमता का प्रदर्शन हो सके। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता की मेजबानी करना पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। झारखंड 24 से 26 अक्टूबर तक रांची के मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। राज्य के पर्यटन, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार, सचिव मनोज कुमार एवं निदेशक शेखर जमुआर ने मुख्यमंत्री से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात की तथा उन्हें 24 अक्टूबर को होने वाले उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। कुमार ने मुख्यमंत्री को कार्यक्रम की तैयारियों के बारे में भी जानकारी दी। सोरेन ने कहा, ''झारखंड राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी करता रहा है। रांची में अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करना राज्य के लिए गौरव की बात है। इसके सफल आयोजन से राज्य खेल के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना सकता है।''

न्यायपालिका में दृष्टिबाधित लोगों पर आदेश लागू करने के लिए मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय को मिला समय

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने दृष्टिबाधित लोगों को न्यायिक सेवाओं में रोजगार के अवसर प्रदान करने के अपने फैसले को लागू करने के लिए मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय को चार महीने का समय दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि दृष्टिबाधित लोगों को न्यायिक सेवाओं में रोजगार के अवसर से वंचित नहीं किया जा सकता।न्यायालय ने मध्यप्रदेश न्यायिक सेवा नियमों के उन प्रावधानों को भी रद्द कर दिया, जो दृष्टिबाधित लोगों को न्यायापालिका से जुड़ने से वंचित रखते थे। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने उच्च न्यायालय की ओर से पेश हुए वकील की दलील को भी स्वीकार किया कि राज्य सरकार के परामर्श से नियमों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया जारी है। पीठ ने कहा, "फैसले को लागू करने के लिए समय बढ़ाने की अर्जी दायर की गयी थी, अर्जी स्वीकार की जाती है। अनुपालन और प्रगति रिपोर्ट देने के लिए मामले को चार महीने बाद सूचीबद्ध किया जाता है।" शीर्ष अदालत ने तीन मार्च को कुछ राज्यों में न्यायिक सेवाओं में दृष्टिबाधित और अल्पदृष्टि वाले उम्मीदवारों को आरक्षण देने से इनकार करने से संबंधित याचिकाओं पर फैसला सुनाया, जिनमें एक स्वतः संज्ञान मामला भी शामिल था। न्यायालय ने कहा था, "अब समय आ गया है कि हम दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत दिव्यांगता–आधारित भेदभाव के विरुद्ध अधिकार को मौलिक अधिकार के समान दर्जा दें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसी भी उम्मीदवार को केवल उसकी दिव्यांगता के कारण वंचित न रहना पड़े।" शीर्ष अदालत ने 122 पृष्ठों के फैसले में कहा, "दृष्टिबाधित उम्मीदवारों को न्यायिक सेवा के लिए 'अनुपयुक्त' नहीं करार दिया जा सकता और वे न्यायिक सेवा में पदों के लिए चयन प्रक्रिया में भाग लेने के पात्र हैं।" न्यायालय ने फैसले में कहा कि मध्यप्रदेश न्यायिक सेवा (भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम, 1994 के नियम 6ए में किया गया संशोधन संविधान के विरुद्ध है और इसलिए इसे रद्द किया जाता है। नियम में दृष्टिबाधित व्यक्ति शामिल नहीं थे, जो पद के लिए आवेदन करने हेतु शैक्षणिक रूप से योग्य हैं।

धर्मशाला अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2025 का आयोजन 30 अक्टूबर से दो नवंबर तक किया जाएगा

धर्मशाला, (भाषा) धर्मशाला अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (डीआईएफएफ) का 14वां संस्करण 30 अक्टूबर से दो नवंबर तक ऊपरी धर्मशाला स्थित तिब्बती बाल ग्राम में आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने बुधवार को इसकी घोषणा की। भारत के अग्रणी सिनेमा मंचों में से एक डीआईएफएफ 2025 की शुरुआत फिल्म निर्माता नीरज घायवान की "होमबाउंड" से होगी। इस फिल्म में ईशान खट्टर, जान्हवी कपूर और विशाल जेठवा मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म ऑस्कर 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। इस महोत्सव में वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित फिल्में शामिल होंगी, जिनमें आस्ट्रेलियाई फिल्में "लेस्बियन स्पेस प्रिंसेस" और "द वोल्फ्स ऑलवेज कम एट नाइट" शामिल हैं। ''द वोल्फ्स...'' फिल्म अकादमी पुरस्कार के लिए आस्ट्रेलिया की प्रविष्टि है। अन्य मुख्य आकर्षणों में रोहन परशुराम कनावड़े की "सबर बोंडा" और तनिष्ठा चटर्जी की "फुल प्लेट" के साथ–साथ "आई, द सॉन्ग", "नीकैप" और "ऑरवेल 2+2=5" शामिल हैं। इस महोत्सव का समापन अनुपर्णा रॉय की "सॉन्ग्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज" से होगा जिसने वेनिस 2025 में ओरिजोंटी सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता है। महोत्सव की निदेशक रितु सरीन और तेनजिंग सोनम ने एक बयान में कहा, "हमने कभी देश के सबसे प्रमुख स्वतंत्र महोत्सवों में से एक बनने का लक्ष्य नहीं रखा था। हमारा मानना था कि सार्थक सिनेमा को एक जगह मिलनी चाहिए।" उन्होंने आगे कहा, "डीआईएफएफ पिछले 14 सालों में किसी दिखावे या प्रचार से नहीं, बल्कि फिल्म निर्माताओं के जुनून, दर्शकों के विश्वास और साल–दर–साल लौटने वाले समुदाय के दम पर स्वाभाविक रूप से विकसित हुआ है।" अपने गैर–प्रतिस्पर्धी प्रारूप के लिए जाना जाने वाला डीआईएफएफ पुरस्कारों के बजाय संवाद और आदान–प्रदान पर ध्यान केंद्रित करता है, तथा एक ऐसा स्थान तैयार करता है जहां फिल्म निर्माता और दर्शक फिल्मों के साथ गहराई से जुड़ सकते हैं।

त्योहार पर भीड़ के मद्देनजर एक अक्टूबर से 30 नवंबर तक करीब 200 ट्रेन 12000 से अधिक फेरे लगायेंगी

नयी दिल्ली, (भाषा) रेल मंत्रालय ने एक अक्टूबर से 30 नवंबर, 2025 तक निर्धारित 12,011 रेल यात्राओं (रेलगाड़ियों के फेरों) की सूची जारी की है। इसमें बताया गया है कि त्योहारों के दौरान भारी भीड़ को देखते हुए देश के विभिन्न स्थानों से प्रतिदिन औसतन 196 विशेष रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं। अब तक एक दिन में संचालित विशेष रेलगाड़ियों की सबसे अधिक संख्या 18 अक्टूबर को लगभग 280 थी, जबकि सबसे कम आठ अक्टूबर को लगभग 166 थी। अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय ने सभी उपलब्ध डिब्बों की पहचान करने और उनका उपयोग करने के लिए सभी क्षेत्रों और मंडलों के साथ महीनों तक दिन–रात काम किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यात्री त्योहार मनाने के लिए समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। एक रेलवे अधिकारी ने कहा, ''मरम्मत के लिए भेजे गए डिब्बों समेत लगभग सभी डिब्बों को देश भर के सभी 70 रेलवे मंडलों से उनकी फिटनेस सुनिश्चित करते हुए वापस ले लिया गया, जिससे यात्रियों की आवाजाही के आधार पर 12,011 यात्राएं संभव हो सकें।'' हालांकि, अधिकारियों और रेलवे कार्यकर्ताओं के एक वर्ग ने दावा किया कि सूची में न केवल कुछ कम दूरी की लोकल ट्रेन शामिल हैं, बल्कि कुछ नियमित ट्रेन का नाम बदलकर पूजा स्पेशल कर दिया गया है ताकि कथित तौर पर आंकड़े बढ़ा–चढ़ाकर पेश किए जा सकें। मध्यप्रदेश के नीमच के एक आरटीआई कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ ने बताया, '''अप' ट्रेन संख्या 09721 और 'डाउन' ट्रेन संख्या 09722 कई वर्षों से सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के रूप में प्रतिदिन चलती रही हैं, जो जयपुर और उदयपुर के बीच लगभग 400 किलोमीटर की दूरी तय करती हैं। सूची में अब इस नियमित ट्रेन का नाम बदलकर पूजा स्पेशल कर दिया गया है और इसके 122 फेरे गिने गए हैं।'' रेलवे ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि पूर्व में स्पेशल के रूप में चलने वाली या त्योहारी सीजन के लिए नई शुरू की गई सभी ट्रेन यात्रियों की सुविधा के लिए चलाई गई हैं। एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने कहा, ''मुझे लगता है कि छिटपुट घटनाओं की ओर इशारा करने के बजाय, लोगों को 12 लाख रेलवे कर्मचारियों द्वारा दिन–रात काम किए जा रहे इस विशाल कार्य की सराहना करनी चाहिए।'' कोलकाता से प्राप्त समाचार के अनुसार पूर्वी रेलवे (ईआर) दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की भारी मांग को पूरा करने के लिए विशेष ट्रेनों के 1,300 से अधिक फेरे सुनिश्चित कर रहा है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। ईआर अधिकारी ने एक बयान में कहा कि विशेष ट्रेनों के 1,300 फेरे में से 329 फेरे हावड़ा, सियालदह, कोलकाता, आसनसोल, भागलपुर और मालदा टाउन स्टेशनों से विभिन्न गंतव्यों के लिए संचालित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रीय रेलवे से विशेष रेलगाड़ियों की 663 यात्राएं भी पूर्व रेलवे क्षेत्राधिकार में समाप्त और आरंभ हो रही हैं तथा विशेष रेलगाड़ियों की 320 यात्राएं नेटवर्क से गुजर रही हैं।

सीआईएसएफ ने भाखड़ा बांध परियोजना का कार्यभार संभाला

नयी दिल्ली, (भाषा) केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने बुधवार को पंजाब के नांगल में भाखड़ा बांध परियोजना की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल ली। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पंजाब–हिमाचल प्रदेश सीमा पर स्थित इस प्रतिष्ठान में संभावित तोड़फोड़ और आतंकवादी खतरों को ध्यान में रखते हुए मई में इस कार्य के लिए केंद्रीय बल के 296 सशस्त्र सुरक्षा कर्मियों की एक टुकड़ी को मंजूरी दी थी। इस परियोजना में सीआईएसएफ को शामिल करने के लिए आज नांगल में एक समारोह आयोजित किया गया। सीआईएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में बल और भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए और उन्होंने इस परियोजना के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला। यह बांध सतलुज नदी पर बनाया गया है और 225.55 मीटर ऊंचा यह बांध 261 मीटर ऊंचे टिहरी बांध के बाद एशिया का दूसरा सबसे ऊंचा बांध है। जल भंडारण की दृष्टि से यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा जलाशय है। इस श्रेणी में पहला मध्य प्रदेश में इंदिरा सागर बांध है। जुलाई में पंजाब विधानसभा ने भाखड़ा–नांगल बांध परियोजना में सीआईएसएफ कर्मियों की तैनाती के खिलाफ सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था। अब तक बांध की सुरक्षा पंजाब पुलिस द्वारा की जा रही थी।

त्रिपुरा सरकार आदिवासियों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार लाना चाहती है: साहा

अगरतला, (भाषा) त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बुधवार को कहा कि भाजपा नीत सरकार आदिवासी लोगों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार लाना चाहती है, न कि उन्हें वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करना चाहती है। सिपाहीजाला जिले के तकरजाला में पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कई पार्टियों ने चुनाव से पहले आदिवासियों को रैली और जुलूसों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया है। साहा ने दावा किया, ''राजनीतिक दलों द्वारा इस्तेमाल किए जाने के बावजूद आदिवासी समुदाय का वास्तविक विकास नहीं हुआ। इसकी शुरुआत तब हुई जब 2018 में भाजपा राज्य में सत्ता में आई।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार आदिवासी लोगों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार करना चाहती है क्योंकि पार्टी जानती है कि राज्य का विकास तब तक संभव नहीं होगा जब तक कि मूल निवासियों का कल्याण सुनिश्चित नहीं किया जाता।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने राज्य के 12 आदिवासी बहुल ब्लॉक के विकास को गति देने के लिए उन्हें ''महत्वाकांक्षी'' घोषित किया है। खोवाई जिले के आश्रमबाड़ी में 27 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' सुन रहे भाजपा कार्यकर्ताओं पर उसके सहयोगी दल टिपरा मोथा के समर्थकों द्वारा कथित तौर पर किए गए हमले का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ''बाहुबल'' के आगे नहीं झुकेगी। उन्होंने कहा, ''भाजपा ने दशकों तक राज्य पर शासन करने वाले कम्युनिस्टों से सत्ता छीन ली। अगर कोई कुछ हासिल करने के लिए हमें आतंकित करने की कोशिश करता है, तो उन्हें पता होना चाहिए कि भाजपा को तोड़ना मुश्किल है... हम देश के कानून के अनुसार जवाब देंगे।''

दिल्ली में कृत्रिम बारिश का पहला परीक्षण अनुकूल 'बादल' नहीं होने से रुका

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली में बहुप्रतीक्षित कृत्रिम बारिश के प्रयोग को अब तक अमली जामा नहीं पहनाया जा सका है और दिवाली के बाद प्रस्तावित परीक्षण को अब तक हरी झंडी नहीं मिली है। यह प्रयोग को शुरू में जुलाई में किया जाना था। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, परीक्षण के लिए अनुकूल बादल नहीं हैं और 25 अक्टूबर तक कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा, ''जिस दिन हमें उपयुक्त बादल दिखेंगे, हम तुरंत परीक्षण करेंगे, क्योंकि अनुमति से लेकर उड़ान व्यवस्था तक सभी तैयारियां पहले ही की जा चुकी हैं।' पिछले सप्ताह यह संकेत दिया गया था कि दिवाली के बाद किसी भी दिन परीक्षण हो सकता है। दिल्ली सरकार की कृत्रिम बारिश परियोजना विभिन्न कारणों से कई बार स्थगित हो चुकी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार के प्रमुख वादों में प्रदूषण होने की स्थिति में राष्ट्रीय राजधानी में कृत्रिम बारिश के विकल्प का परीक्षण भी शामिल है। कृत्रिम बारिश का परीक्षण पहले जुलाई में आयोजित किया जाना था, लेकिन मानसून, बदलते मौसम, गड़बड़ी और अब उपयुक्त बादल की कमी के कारण इसमें देरी हो रही है। परीक्षण के लिए अबतक कोई तारीख तय नहीं की गई है। कृत्रिम वर्षा प्रयोग के रसायनों का छिड़काव करने के लिए उपकरणों से सुसज्जित एक विमान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर की एक टीम की देखरेख में मेरठ में तैनात है। दिल्ली सरकार ने पिछले महीने पांच कृत्रिम बारिश परीक्षणों के लिए आईआईटी कानपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। ये परीक्षण उत्तर–पश्चिम दिल्ली में आयोजित किए जाने की उम्मीद है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) सहित 23 विभागों द्वारा अनुमोदित इस परियोजना का उद्देश्य यह पता लगाना है कि क्या कृत्रिम वर्षा सर्दियों में प्रदूषण से निपटने के लिए एक व्यवहार्य समाधान हो सकती है।

मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में छात्रों के लिए शिक्षा में सुगमता सुनिश्चित की है : जितेंद्र सिंह

जम्मू, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा है कि पिछले 11 वर्षों में, नरेन्द्र मोदी सरकार ने छात्रों की बढ़ती आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए उनके लिए शिक्षा में सुगमता सुनिश्चित की है। सिंह ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र में मेधावी छात्राओं को मुफ्त लैपटॉप वितरित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा को आसान बनाने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सबसे अच्छा दिवाली उपहार है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 ने छात्रों को अपनी रुचि के अनुसार विषय चुनने की आजादी दी है। सिंह ने लैपटॉप वितरित करने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''दिवाली है। इस शुभ अवसर पर, मेधावी छात्राओं के लिए यह सबसे अच्छा उपहार है जिससे उनकी शिक्षा और अध्ययन में आसानी होगी। जैसे हम व्यापार में आसानी और जीवन में आसानी की बात करते हैं, वैसे ही यह शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सुगमता से संबंधित है। ये लड़कियां दूर–दराज के इलाकों से हैं।'' उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने महिलाओं के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं और दिवाली के अवसर पर मेधावी छात्राओं के लिए लैपटॉप एक आदर्श उपहार हो सकता है। सिंह ने अपने लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पांच जिलों की उन छात्राओं को अपने निजी संसाधनों से एक–एक लैपटॉप देकर सम्मानित किया, जिन्होंने 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था।

सबरीमला मंदिर का सोना गायब होने में टीडीबी अध्यक्ष और मंत्री की भी संलिप्तताः सतीशन

पलक्कड़, केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायक वीडी सतीशन ने बुधवार को कहा कि सबरीमला मंदिर का सोना गायब होने के मामले में केरल उच्च न्यायालय की नवीनतम टिप्पणियां यूडीएफ के इस रुख का समर्थन करती हैं कि वर्तमान टीडीबी की भी इस मामले में संलिप्तता थी। सतीशन ने एक बयान में कहा कि उच्च न्यायालय के हालिया आदेश से संकेत मिलता है कि सबरीमला में ''बड़ी डकैती'' हुई है और यदि न्यायपालिका ने हस्तक्षेप नहीं किया होता, तो भगवान अयप्पा की मूर्ति भी चोरी हो सकती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के देवस्वओम मंत्री वी एन वासवन और त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी)के अध्यक्ष पी एस प्रशांत दोनों ही इन अनियमितताओं में संलिप्त हैं। सतीशन ने वसावन से इस्तीफा देने की मांग की और वर्तमान टीडीबी को ''भंग'' करने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि टीडीबी की संलिप्तता स्पष्ट है, क्योंकि इसने बेंगलुरु के व्यवसायी उन्नीकृष्णन पोट्टी को आमंत्रित किया था जिन्होंने 2019 में द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों की तांबे की प्लेटों पर सोने की परत चढ़ाने का काम प्रायोजित किया था और जिनपर धोखाधाड़ी के आरोप लगे थे और फिर 2025 में भी उन्हें उसी काम के लिए आमंत्रित किया गया। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि तिरुवभरणम आयुक्त ने 30 जुलाई को शुरू में कहा था कि सोने की परत चढ़े आवरण को मरम्मत के लिए मंदिर से बाहर नहीं ले जाया जाना चाहिए, लेकिन प्रशांत के हस्तक्षेप के कारण 10 दिनों से भी कम समय में निर्णय को पलट दिया गया। सतीशन ने कहा, ''उच्च न्यायालय ने भी इस पर संज्ञान लिया है।'' उन्होंने मांग की कि सोना गायब होने के संबंध में दर्ज मामलों में वर्तमान टीडीबी के सदस्यों को भी आरोपी बनाया जाए। इस मामले को लेकर दर्ज दो प्राथमिकियों में उन्नीकृष्णन पोट्टी और कई टीडीबी अधिकारियों सहित दस लोगों को आरोपी बनाया गया है।

अरुणाचल प्रदेश में दिसंबर में होंगे पंचायत और नगरपालिका चुनाव

ईटानगर, (भाषा) अरुणाचल प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने कहा है कि ईटानगर और पासीघाट में पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों के चुनाव दिसंबर में होंगे। हाल में एक अधिसूचना में, राज्य निर्वाचन आयोग ने अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया की तैयारी करने और जिला परिषदों, ग्राम पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं के लिए सीट आरक्षित करने का निर्देश दिया। आयोग ने अधिकारियों को 30 अक्टूबर तक चुनाव अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि चांगलांग, ईटानगर, केई पन्योर और कुरुंग कुमे जिलों में आगामी पंचायत चुनावों में महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सीटों का निर्धारण 28 और 29 अक्टूबर को खुले ड्रॉ के माध्यम से किया जाएगा। चांगलांग में ड्रॉ 28 अक्टूबर को होगा।

राजनीतिक हाशिए पर नहीं हूं, 2029 में झांसी से लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं: उमा भारती

भोपाल, (भाषा) मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने बुधवार को इन दावों को खारिज कर दिया कि वह राजनीति में हाशिए पर हैं और एक बार फिर दोहराया कि वह साल 2029 के लोकसभा चुनाव में झांसी संसदीय सीट से ही चुनाव लड़ना चाहती हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''मैं राजनीति में हाशिए पर रत्ती बराबर भी नहीं हूं...मैंने पार्टी को सूचना दे दी है कि मैं 2029 में लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं। पार्टी अगर चाहेगी तो मैं 2029 का चुनाव जरूर लड़ूंगी। लेकिन मैं लोकसभा का चुनाव सिर्फ झांसी से लड़ूंगी। अगर पार्टी कहेगी तो मैं ना नहीं कहूंगी।'' उन्होंने कहा, ''बाकी मुझे और किसी प्रकार की राजनीति में रुचि नहीं है।'' भारती ने कहा कि उनकी राजनीति में मुख्य रुचि गाय और गंगा से जुड़े कार्यों में है और इस सिलसिले में वह 29 अक्टूबर को गोपाष्टमी के अवसर पर 'गौ–संवर्धन अभियान' शुरू करेंगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान डेढ़ साल तक चलेगा और इसमें ग्राम पंचायतों के सहयोग से किसानों को जोड़ा जाएगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार को लाडली बहना योजना की लाभार्थियों को दो गायें देनी चाहिए, जिससे वह उन्हें पाल भी सकेंगी और आत्मनिर्भर भी बन सकेंगी। भारती ने पिछले दिनों सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा था कि यदि पार्टी कहेगी तो वह सिर्फ झांसी लोकसभा सीट से 2029 में चुनाव जरूर लड़ेंगी। भारती 2014 के लोकसभा चुनाव में झांसी संसदीय क्षेत्र से सांसद चुनी गई थीं। उन्होंने इसी साल अगस्त में कहा था कि वह अभी राजनीति से दूर नहीं हुई हैं और समय आने पर चुनावी मैदान में उतरेंगी। भाजपा पिछले तीन लोकसभा चुनावों से लगातार झांसी सीट से विजयी रही है। वर्तमान में भाजपा के अनुराग शर्मा इस सीट से लगातार दूसरी बार सांसद बने हैं।

भारती ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की परिकल्पना की पुरजोर वकालत की और कहा कि इससे विकास से जुड़ी कई सारी अड़चनें दूर हो जाएंगी। उन्होंने कहा, ''मेरी इच्छा है कि 45 दिन में लोकसभा, विधानसभा, नगर पालिका, नगर निगम और नगर पंचायत के चुनाव सब निपटा दिए जाएं।'' भाजपा की वरिष्ठ नेता ने भगवान कृष्ण को 'गोपाल' बोलने पर मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा जताई गई आपत्ति के बारे में कहा कि राजनीतिक नेताओं को धर्मशास्त्र का 'मर्मज्ञ' नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान का गोपाल नाम हजारों साल पहले रखा गया है और उनका नाम गोपाल है तथा यह सभी की जुबान पर है। भारती ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा, ''नेताओं को धर्मशास्त्र के सवाल से परहेज करना चाहिए। गोपाल नाम बहुत पुराना है।... और मोहन (मुख्यमंत्री मोहन यादव) तो गोपाल ही है एक प्रकार से। वह सहज भाव से बोलने वाला व्यक्ति है।

बहुत सरल व्यक्ति है। यह तो... लोगों का काम है कि भगवान को कौन किस नाम से पुकारता है।'' मुख्यमंत्री यादव ने पिछले दिनों गोवर्धन पूजा के कार्यक्रम के मौके पर कहा था कि 'उन्हें (भगवान कृष्ण को) गलती से गोपाल बोलते हैं, ये उनसे थोड़ी जुड़ता है, जो गाय पाले वो गोपाल होता है।' भारती ने कहा कि राजनीतिक नेता शास्त्र के विशेषज्ञ नहीं हैं और उन्हें अपने मनोभाव सार्वजनिक रूप से व्यक्त नहीं करने चाहिए। उन्होंने कहा, ''संतों पर छोड़ दो। भगवान कृष्ण, गोपाल हैं या माखन चोर हैं यह लोगों के व्यक्तिगत आनंद और भक्ति का विषय है। मुझे लगता है कि थोड़ा भोला भंडारी है हमारा मुख्यमंत्री मोहन यादव।'' भाजपा नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री के मुंह से यह बात निकल गई होगी और जब उनको बताया जाएगा तो उनको लगेगा कि उन्हें यह नहीं बोलना चाहिए था।

'व्हाइट नाइट कोर' कमांडर ने एलओसी से सटे क्षेत्रों की सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया

जम्मू, (भाषा) सेना के 'व्हाइट नाइट कोर' के 'जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी)' लेफ्टिनेंट जनरल पी के मिश्रा ने बुधवार को जम्मू–कश्मीर के राजौरी और पुंछ जिलों में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम इलाकों का दौरा किया तथा क्षेत्र में परिचालन तैयारियों एवं सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सैनिकों के साथ भी बातचीत की और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनके पेशेवर अंदाज, धीरज एवं अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की। 'व्हाइट नाइट कोर' ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''व्हाइट नाइट कोर के जीओसी, 'ऐस ऑफ स्पेड्स डिवीजन' के जीओसी के साथ, कृष्णा घाटी (पुंछ) और नौशेरा (राजौरी) सेक्टरों में अग्रिम चौकियों का दौरा किया ताकि परिचालन तैयारियों की समीक्षा की जा सके और नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा का आकलन किया जा सके।'' जीओसी ने सभी सैनिकों को देश की सीमाओं की सुरक्षा में सर्वोच्च परिचालन दक्षता और दृढ़ आक्रामक रुख बनाए रखने का आह्वान किया।

यमुना को स्वच्छ रखने के लिए हथिनीकुंड बैराज से छोड़ा जा रहा है अतिरिक्त पानी

नयी दिल्ली, (भाषा) छठ पर्व के दौरान दिल्ली में यमुना को स्वच्छ रखने के लिए हरियाणा सरकार ने हथिनीकुंड बैराज से अतिरिक्त पानी छोड़ना शुरू कर दिया है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इससे छठ पर्व के दौरान नदी को स्वच्छ और झाग मुक्त रखने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत दिल्ली सरकार के प्रयासों में मदद मिल रही है। दिल्ली जल बोर्ड ने नदी में प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए डी–फोमिंग स्प्रे (झाग हटाने वाला स्प्रे) का भी उपयोग किया है। इससे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कालिंदी कुंज छठ घाट का दौरा कर वहां की तैयारियों का निरीक्षण किया। रेखा गुप्ता ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इन तैयारियों के बारे में जानकारी दी। दिल्ली जल बोर्ड के एक सूत्र ने कहा, ''हथिनीकुंड से यमुना नदी में छोड़े जाने वाले पानी के स्तर में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और पश्चिमी नहर तथा पूर्वी नहर में छोड़े जाने वाले पानी में काफी कमी आई है। इसके कारण अस्थायी रूप से नदी में प्रदूषण का स्तर कम हो गया है।'' केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 21 अक्टूबर से बैराज से नदी की मुख्यधारा में औसतन लगभग 8,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। हर साल छठ पर्व के दौरान यमुना का प्रदूषण चर्चा का विषय बन जाता है। यह त्योहार 25 से 28 अक्टूबर तक मनाया जाएगा।

आर्थिक, राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद वैश्विक स्तर पर प्रबंधन पाठ्यक्रमों के आवेदन बढ़ेः जीएमएसी

नयी दिल्ली, (भाषा) आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता को लेकर चिंताओं के बावजूद दुनिया भर में एमबीए (मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन) कार्यक्रमों के लिए 2025 में आवेदनों में सात प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। स्नातक प्रबंधन प्रवेश परिषद (जीएमएसी) के एक वार्षिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। उल्लेखनीय रूप से कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे प्रमुख स्नातक प्रबंधन शिक्षा (जीएमई) केंद्रों में आवेदनों में कमी देखी गई। दरअसल, इन देशों की सख्त वीजा नीतियों और श्रम बाजार की अनिश्चितता ने अंतरराष्ट्रीय आवेदकों को हतोत्साहित किया। सर्वेक्षण के अनुसार, जहां अमेरिकी कार्यक्रमों में मामूली एक अंक की गिरावट दर्ज की गई, वहीं कनाडा और ब्रिटेन में यह गिरावट स्पष्ट थी।

दिल्ली में हवा की गुणवत्ता लगातार तीसरे दिन 'बेहद खराब' दर्ज की गई

नयी दिल्ली, (भाषा) राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई तथा हवा की गति कम होना इसकी बड़ी वजह रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी दैनिक बुलेटिन के अनुसार, बुधवार शाम चार बजे शहर का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 353 रहा। यह इस मौसम में अब तक का सबसे अधिक दर्ज किया गया एक्यूआई है। एक्यूआई मंगलवार को 351 और सोमवार को 345 था। दिन के समय दिल्ली में धुंध छाई रही और हवा की गति सात किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक नहीं रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आने वाले दिनों में प्रदूषण बढ़ने का अनुमान जताया है। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक कृष्ण मिश्रा ने कहा, ''हवा की दिशा पूर्व से पश्चिमी हो गई है, लेकिन गति कम बनी हुई है।

रात के समय हवा लगभग धीमी बनी हुई है और दिन के समय इसकी गति केवल 5–7 किमी प्रति घंटे तक ही रहती है।'' उन्होंने कहा कि 27 अक्टूबर के आसपास एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव की उम्मीद है, लेकिन इससे भारी बारिश या हवा की गति में वृद्धि होने की संभावना नहीं है। केंद्र की वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (ईडब्ल्यूएस) के पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि दिल्ली का एक्यूआई शनिवार तक 'बेहद खराब' श्रेणी में बना रहेगा, जिसके बाद अगले छह दिनों तक यह 'खराब' और 'बेहद खराब' के बीच रह सकता है। सीपीसीबी के आंकड़ों से पता चला है कि 39 सक्रिय निगरानी केंद्रों में से तीन ने बुधवार शाम चार बजे प्रदूषण का स्तर 'गंभीर' दर्ज किया, जबकि 33 'बेहद खराब' श्रेणी में रहे। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके नेहरू नगर (एक्यूआई 411), पंजाबी बाग (406) और वजीरपुर (406) थे। केवल तीन स्टेशनों – लोधी रोड (230), डीटीयू (216), और आईजीआई एयरपोर्ट (294) – ने 300 से नीचे एक्यूआई दर्ज किया। इस बीच, दिल्ली में बुधवार को अधिकतम तापमान 32.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से थोड़ा कम है, जबकि रात का तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो औसत से तीन डिग्री अधिक है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, 0 से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच को 'मध्यम', 201 से 300 के बीच को 'खराब', 301 से 400 के बीच को 'बहुत खराब' तथा 401 से 500 के बीच को 'गंभीर' माना जाता है।

संपादकीय

भाई दूजः स्नेह, संरक्षण और संबंधों की पुनर्स्थापना का पर्व

भारत एक ऐसा देश है जहाँ हर पर्व अपने भीतर केवल धार्मिक मान्यताएँ ही नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक मूल्यों को भी समेटे हुए होता है। इन्हीं पर्वों में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और भावनाओं से ओतप्रोत पर्व है भाई दूज। यह पर्व भाई और बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है, जहाँ स्नेह, सुरक्षा, कर्तव्य और सौहार्द का अनोखा संगम देखने को मिलता है। भाई दूज न केवल पारंपरिक रूप से महत्त्वपूर्ण है, बल्कि यह आज के सामाजिक और पारिवारिक परिप्रेक्ष्य में भी उतना ही आवश्यक और सामयिक बन गया है। यह पर्व भाई–बहन के रिश्ते को एक बार फिर जीवंत करता है, और हमें रिश्तों के महत्व की याद दिलाता है। भाई दूज का पर्व कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है, और यह दीवाली के ठीक बाद आता है। हालांकि इसे एक त्योहार के रूप में देखा जाता है, पर इसकी जड़ें बहुत गहरी हैं। यह न केवल एक धार्मिक अवसर है, बल्कि यह परिवार के बुनियादी ताने–बाने को मजबूती देने वाला अवसर भी है। जहाँ एक ओर बहन अपने भाई की लंबी उम्र, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना करती है, वहीं भाई इस अवसर पर बहन को सुरक्षा, सम्मान और प्रेम देने का वचन देता है। यह केवल एक दिन का रस्म नहीं, बल्कि एक आजीवन चलने वाले रिश्ते को पोषित करने का माध्यम है। समाज में जहाँ आधुनिकता ने अपने पाँव पसार लिए हैं, और रिश्ते कहीं न कहीं व्यस्तताओं में उलझ कर रह गए हैं, वहाँ भाई दूज जैसे पर्व इस भागती–दौड़ती दुनिया में एक ठहराव का क्षण लेकर आते हैं। यह अवसर हमें यह सोचने पर विवश करता है कि हम अपने जीवन में उन संबंधों को कितना स्थान दे रहे हैं जो हमारे जीवन के सबसे करीब हैं। भाई–बहन का रिश्ता ऐसा ही होता है कृ न तो इसमें कोई औपचारिकता होती है, और न ही कोई शर्तें। यह रिश्ता बचपन की यादों से भरा हुआ होता है, जहाँ नोक–झोंक, लड़ाई, दोस्ती, साझा सपने, और एक–दूसरे के लिए चिंता, सब कुछ शामिल होता है। भाई दूज इसी अनमोल रिश्ते की मिठास को ताजा कर देता है। भाई दूज का महत्व केवल भावनाओं तक सीमित नहीं है, यह सामाजिक एकता और परिवार के ताने–बाने को भी सुदृढ़ करता है। जब भाई अपनी बहन के घर जाता है, तिलक कराता है, भोजन करता है, और बहन को उपहार देता है, तब यह केवल एक परंपरा नहीं निभाई जाती, बल्कि इसके माध्यम से परिवार के भीतर एक जुड़ाव, स्नेह और सामंजस्य की भावना और मजबूत होती है। विशेषकर उन परिवारों में जहाँ भाई–बहन दूर–दराज रहते हैं, यह अवसर पुनः मिलने, समय बिताने और भावनात्मक संबल प्रदान करने का बहाना बन जाता है। आज के युग में जब मोबाइल, सोशल मीडिया, और डिजिटल जीवनशैली ने वास्तविक मुलाकातों को बहुत हद तक सीमित कर दिया है, तब भाई दूज ऐसा अवसर बनता है जब रिश्ते केवल स्क्रीन पर नहीं, बल्कि सजीव रूप से सामने होते हैं।

आज के परिप्रेक्ष्य में इस पर्व की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। संयुक्त परिवारों के विघटन के बाद, रिश्तों में जो दूरी आई है, उसे पाटने का काम भाई दूज करता है। भाई–बहन जो अलग–अलग शहरों, देशों में रहते हैं, उनके लिए यह पर्व एक ऐसा जरिया है जो उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ता है। बहनें साल भर इस दिन की प्रतीक्षा करती हैं, और भाई भी, चाहे कितने ही व्यस्त क्यों न हों, इस दिन मिलने की योजना बनाते हैं। यह बताता है कि परंपराएँ चाहे जितनी भी पुरानी हों, यदि उनमें भावनाएँ सजीव हैं, तो वे कभी अप्रासंगिक नहीं होतीं। भाई दूज केवल एक भाई और बहन के बीच का ही उत्सव नहीं है, यह समाज में स्त्री की स्थिति, सम्मान और सुरक्षा की बात भी करता है। जब भाई अपनी बहन को उपहार देता है, तो वह केवल वस्तु नहीं होती, बल्कि वह एक वादा होता है– उसकी हर परिस्थिति में साथ देने का, उसकी रक्षा करने का, और हर फैसले में उसके साथ खड़े होने का। यही भाव एक आदर्श समाज की नींव है, जहाँ स्त्री को सम्मान, संरक्षण और समर्थन प्राप्त होता है। भाई दूज इस आदर्श को प्रोत्साहित करता है, और हमें यह याद दिलाता है कि समाज की उन्नति तभी संभव है जब रिश्तों में समानता, सद्भाव और समर्थन हो। आधुनिक समय में, जहाँ पारिवारिक मूल्य और संबंध धीरे–धीरे क्षीण हो रहे हैं, भाई दूज एक बार फिर हमें मूल्यों की ओर लौटने का आमंत्रण देता है। आज भाई–बहन चाहे कितनी भी उम्र के हो जाएँ, चाहे वे कितनी भी जिम्मेदारियों में उलझे हों, यह पर्व उन्हें उनके बचपन की ओर ले जाता है, जहाँ भावनाएँ सरल होती थीं और रिश्ते सच्चे। यह पर्व हमें हमारे व्यस्त जीवन से बाहर निकालकर यह याद दिलाता है कि हम किन लोगों के लिए यह सब कर रहे हैं– हमारे अपने, हमारे परिजन, हमारे रिश्ते। भाई दूज की परंपरा यह भी सिखाती है कि रिश्तों को निभाने के लिए केवल औपचारिकता नहीं, समय और भावना की आवश्यकता होती है। जब बहन तिलक करती है, तो वह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रेम, आशीर्वाद और अपनत्व का प्रतीक होता है। जब भाई बहन के लिए उपहार लाता है, तो वह केवल वस्तु नहीं, बल्कि उसकी भावनाओं का सम्मान होता है। जब दोनों साथ बैठकर भोजन करते हैं, हँसते हैं, बातें करते हैं, तो वह केवल एक रीति नहीं बल्कि जीवन के उन क्षणों को पुनः जीने का अवसर होता है जो शायद कहीं पीछे छूट गए थे। यही कारण है कि भाई दूज केवल एक दिन नहीं, एक अनुभव है कृ ऐसा अनुभव जो रिश्तों की गरिमा और गहराई को महसूस कराता है। बदलते समय के साथ–साथ भाई दूज के स्वरूप में भी परिवर्तन आया है। पहले जहाँ भाई और बहन एक ही गाँव, शहर या घर में रहते थे, अब वे विभिन्न स्थानों पर रहते हैं। फिर भी, इस पर्व की महत्ता कम नहीं हुई। यदि भाई नहीं आ पाए तो वीडियो कॉल पर तिलक, उपहार डाक या ऑनलाइन माध्यम से भेजा जाता है। यह तकनीक का उपयोग भी रिश्तों को बनाए रखने के लिए हो रहा है, यह सकारात्मक बदलाव है। इससे स्पष्ट होता है कि भले ही तरीका बदल जाए, भावना नहीं बदलती। भाई दूज की यही खूबी है कि यह हर युग में प्रासंगिक रहता है, क्योंकि इसका आधार ही प्रेम, विश्वास और साथ है। इस पर्व का एक और पहलू है जो समाज में भाई–बहन के रिश्ते के अलावा भी अपनापन और सामंजस्य बढ़ाने का काम करता है। कई बार जिन लोगों की बहन नहीं होती, वे अपने मित्र की बहन को या पड़ोस की बहन को इस दिन तिलक कराने जाते हैं। यह दर्शाता है कि भाई दूज केवल खून के रिश्ते का पर्व नहीं, बल्कि यह सामाजिक रिश्तों को भी जोड़ने वाला पर्व है। यह पर्व हमें सिखाता है कि अपनापन केवल परिवार तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के हर कोने में फैला जा सकता है। यह एक ऐसा संदेश है जो सामाजिक समरसता और भाईचारे को मजबूत करता है।

कृष्णा अग्रवाल

focusnews9@gmail.com

यम द्वितीयाः भगवान चित्रगुप्त का पूजा दिवस

भारतीय समाज में कायस्थ एक बुद्धिजीवी एवं चतुर जाति मानी जाती है। मध्यकाल में तो यह मान्यता थी कि राज–काज के संचालन में इससे कुशल एवं प्रवीण कोई अन्य जाति नहीं है। गुप्त काल से लेकर राजपूत, मुगल एवं मराठा शासकों के काल में कायस्थ न केवल महत्वपूर्ण पदों पर आसीन होते थे, बल्कि राजस्व विभाग विशेषकर 'पटवारियों' के पदों पर कायस्थों का ही अधिकार होता था। कायस्थ जाति अपने आपको भगवान चित्रगुप्त का वंशज मानती है। धर्मग्रंथों के अनुसार भगवान चित्रगुप्त, प्रत्येक प्राणी के पाप पुण्यों का लेखा–जोखा रखने वाले देवता हैं यथा वे धर्मराज के सहायक हैं। भगवान चित्रगुप्त एवं कायस्थों की उत्पत्ति का विवरण कई पुराणों एवं धर्मग्रंथों में मिलता है। इस विवरण के अनुसार ब्रह्मा जी ने अपने मुख से ब्राह्मण, भुजाओं से क्षत्रिय, पेट या जंघा से वैश्य तथा पैरों से शूद्र उत्पन्न किए। उन्होंने सूर्य एवं चन्द्र आदि ग्रहों के साथ ही बिना पैर वाले जीवों से लेकर अनेक पैर वाले जीवों की रचना की। इस सृष्टि की रचना के बाद ब्रह्मा के शरीर (काया) से बड़ी–बड़ी भुजाओं वाले, श्याम वर्ण, कमलवत् नेत्रवान्, शंख के समान गर्दन वाले, तेजस्वी, अति बुद्धिमान, हाथ में लेखनी और दवात धारण किए हुए, अव्यक्त जन्मा चित्रगुप्त जी उत्पन्न हुए। समाधि खुलने के बाद ब्रह्मा जी ने अपने सामने उपस्थित इस पुरुष से पूछा आप कौन हैं? उस पुरुष ने कहा – मैं आपके ही शरीर से उत्पन्न हुआ हूं इसलिए आप मेरा नामकरण कीजिए तथा मेरे कर्तव्य बताईये। ब्रह्मा जी ने यह सुनकर

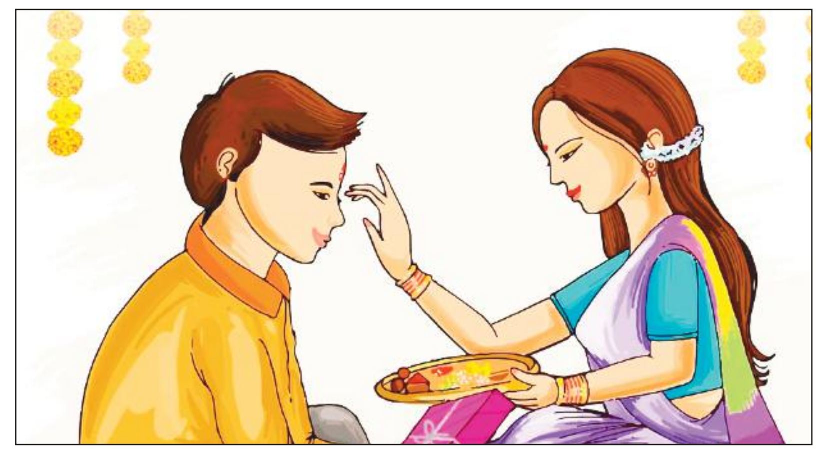

कहा कि तुम मेरी काया (शरीर) से उत्पन्न हुए हो इसलिए तुम्हारी संज्ञा कायस्थ है। तुम्हारी उत्पत्ति के समय मेरा मन विश्रांत स्थिति में था अर्थात् मेरा चित्त गुप्त था इसलिए तुम चित्रगुप्त कहलाओगे। तुम धर्मराज की धर्मपुरी में निवास करो और प्राणियों के धर्माधर्म पर विचार करो। धर्म ग्रंथों के अनुसार चित्रगुप्त जी के दो विवाह हुए। एक सूर्य कन्या से तथा दूसरा नाग कन्या से। इन पत्नियों से उनके बारह पुत्र उत्पन्न हुए। इन पुत्रों के नाम पर ही कायस्थों की बारह उपजातियां हैं। भगवान चित्रगुप्त ने अपने इन पुत्रों को शास्त्रों की शिक्षा दी तथा उनके लिए कर्तव्यों का निर्धारण किया। इन कर्तव्यों के अनुसार कायस्थों को देवताओं का पूजन, पितरों का श्राद्ध तथा अभ्यागतों की सेवा करना चाहिए। चित्रगुप्त जी ने अपनी संतति को महिषासुर मर्दिनी देवी की पूजन एवं उपासना करने का भी आदेश दिया।

कायस्थ जाति में भगवान चित्रगुप्त की वर्ष में कम–से–कम दो बार पूजन होती है। इनमें से पहली पूजन दीपावली की द्वितीया को होती है तथा दूसरी होली की द्वितीया (दौज) को। यह दोनों ही तिथियां भाई दौज या यम द्वितीया के नाम से प्रसिद्ध है। इस दिन प्रत्येक कायस्थ के घर मे चित्रगुप्त जी एवं कलम दवात की पूजा होती है। कई स्थानों पर यह पूजन सामूहिक रूप से भी की जाती है। पूजन के समय भगवान चित्रगुप्त की स्तुति में जो मंत्र कहे जाते हैं, उनका अर्थ है कि दवात–कलम और खल्ली धारण करने वाले भगवान चित्रगुप्त आप लेखकों को अक्षर प्रदान करते हैं। इन धर्मग्रंथो में कहा गया है कि कायस्थों के अतिरिक्त अन्य जाति के लोग भी चित्रगुप्त जी की पूजन करते हैं तो इस पूजन से उन मनुष्यों की आयु बढ़ती है तथा उन्हें नरक के कष्ट नहीं भोगने पडते है और वे स्वर्ग के अधिकारी होते हैं।

गर्भावस्थाः परेशानियां और बचाव

हर महिला के लिए गर्भ धारण करना और स्वस्थ शिशु को जन्म देना गर्व की बात है पर कभी–कभी महिलाएं गर्भावस्था के दौरान होने वाली परेशानियों को जानकर घबरा जाती हैं और सोचती हैं कि वे अपना यह समय किस प्रकार निकालेंगी। इन परेशानियों के बारे में सोच सोचकर मानसिक रूप से डरी रहती हैं। यह तो सच है कि गर्भकाल में सब महिलाओं को कुछ न कुछ शारीरिक परेशानियां तो होती हैं पर उनसे डरना नहीं चाहिए। उनसे कैसे निबटा जाए, आइए जानें:–

उलटियांः– प्रारंभ के कुछ दिनों या तीन चार माह तक कई गर्भवती महिलाओं को उलटियां होती हैं या जी मिचलाता है। इससे घबराएं नहीं। पौष्टिक आहार लें और इसे प्राकृतिक देन समझकर सामान्य रूप से लें। यह समस्या गर्भवती महिलाओं में शरीर में हार्मोन की अधिकता के कारण होती हैं। उलटियां होने से समयपूर्व प्रसव और गर्भपात होने की आशंका कम हो जाती है।

कब्जः– गर्भवती महिलाओं में कब्ज का होना भी आम समस्या है। ऐसे में गर्भवती महिला को रेशेदार फल–सब्जियों और पेय पदार्थों का सेवन अधिक करना चाहिए।

थकान होनाः– गर्भवती महिलाएं सामान्यः थकी रहती हैं क्योंकि गर्भ में शिशु के बनने के लिए शरीर द्वारा अधिक ऊर्जा खर्च होती है। इस परेशानी से बचने के लिए पौष्टिक आहार के साथ–साथ रात्रि में 8 घंटे की नींद लें और दिन में भी डेढ़ घंटे से ढाई घंटे आराम अवश्य करें।

पेट दर्द होनाः– जिन गर्भवती महिलाओं को पेट दर्द की शिकायत रहती हो उन्हें आरामदेह स्थिति में बैठना और लेटना चाहिए। पेट दर्द होना वैसे तो अच्छा नहीं माना जाता पर जब गर्भ में बच्चा बढ़ता है तो कई बार कई गर्भवती महिलाओं को पेट दर्द की परेशानी रहती है। दवा का सेवन बिना डॉक्टर की सलाह के न करें।

पीठ दर्द होनाः– गर्भकाल में महिलाओं का वज़न बढ़ता है। उस बढ़ते वजन से कभी–कभी पीठ दर्द होता है। गर्भाकाल में अधिक झुकें नहीं, न ही झुक कर काम करें। भारी बोझ आदि उठाने से बचें। लगातार पीठ दर्द गर्भपात या जल्दी प्रसव का कारण भी बन सकता है। अपनी मर्जी या किसी की सलाह से कोई भी दर्द कम करने की दवा न लें। लगातार बने दर्द के लिए अपनी डॉक्टर से सलाह लें और उसके परामर्श अनुसार चलें।

चक्कर आनाः– कभी–कभी दिमाग में रक्त का संचार ठीक न होने से गर्भाकाल में गर्भवती महिला को चक्कर आ जाते हैं और कभी कभी बेहोशी सी भी हो जाती है।

दिलचस्प है होम्योपैथी की कहानी

'चिकित्सा जगत में प्रचलित विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों में सस्ती, सुलभ तथा स्थायी लाभप्रद पद्वति का नाम है–होम्योपैथी। आजकल प्रचलित विभिन्न पैथियों में सर्वाधिक लोकप्रिय पैथी, होम्योपैथी के जन्म की कहानी बहुत ही दिलचस्प है। बात सन् 1790 की है। हैनिमेन कॉलेज मैटेरिया मेडिका के अनुवाद का काम कर रहे थे। वैसे वह एक कुशल चिकित्सक थे किन्तु उन दिनों वह अनुवाद कार्य ही कर रहे थे। उनकी आजीविका का साधन यह अनुवाद कार्य ही बना हुआ था। उक्त पुस्तक में क्विनाइन के गुणों की चर्चा थी। हैनिमैन को वह वर्णन विश्वसनीय नहीं लगा। उन्होंने प्रत्यक्ष अनुभव करने का विचार किया। वह जानते थे कि यह दवा ज्वर में काम आती है किन्तु स्वस्थ मनुष्य पर इसका प्रभाव क्या पड़ेगा, वह इससे अनभिज्ञ थे। उन दिनों भी किसी दवाई का प्रयोग जानवरों पर ही करके देखा जाता था। जिज्ञासावश हैनिमैन ने स्वयं चार ड्राम (ड्राम दवा की मात्रा मापने की इकाई है यह मात्रा इम्पीरियल प्रणाली में था, मैट्रिक प्रणाली में नहीं) दवाई क्विनाइन ले ली। कुछ देर बाद उन्हें शीत ज्वर हो गया और उक्त रोग के सभी लक्षण उनमें प्रकट हो गये।

इस अनुभव ने उनके मन में वैचारिक तूफान खड़ा कर दिया। उनके मन में यह सवाल रह रहकर उठने लगा कि एक स्वस्थ मनुष्य के द्वारा किसी औषधि का सेवन करने पर शरीर में जो लक्षण या विकार उत्पन्न होते हैं, क्या वैसे ही लक्षणों वाले प्राकृतिक रोगों में उस औषधि का प्रयोग रोग को नष्ट करने में समर्थ हो सकता है?

हैनिमैन का अनुभव बता रहा था कि ऐसा ही होना चाहिए। यही अनुभव व विश्वास लेकर वह अपने प्रयोगों में जुट गए। इसके लिए उन्होंने स्वयं व मित्रों पर भी प्रयोग किये। क्रमशः एक एक औषधि का प्रयोग करके वह स्वयं उनकी क्रियाओं को देखने परखने लगे तथा परिणामों आदि को लिपिबद्ध भी करने लगे। इस प्रकार औषधियों की परीक्षा द्वारा उन्हें इस सत्य का साक्षात्कार हुआ कि जिस औषधि की अधिक मात्रा स्वस्थ शरीर में जो विकार उत्पन्न करती है, उसी दवाई की लघु मात्रा सम लक्षण वाले प्राकृतिक रोगों को नष्ट करती है। इसी सिद्धान्त के आधार पर उन्होंने अपनी नयी चिकित्सा प्रणाली का नाम होम्योपैथी रखा। हैनिमैन का जन्म अप्रैल 1755 में जर्मनी में मेसन नगर के एक चित्राकार के घर हुआ। पिता गरीब थे। मेधावी हैनिमैन 12 वर्ष की उम्र में ही ग्रीक भाषा पढ़ाने लगे थे। 20 वर्ष उम्र तक वह यह कार्य करते रहे, फिर मेसन नगर छोड़ लिपिजिंग गए।

उनका झुकाव चिकित्सा की ओर था, वे मनुष्य की सेवा करना चाहते थे। उन्हें एक सम्मानित व्यक्ति मिले जिनका नाम हार्बर ग्रेक पर्नर था। पर्नर का दिया एक सिफारशी पत्र लिपिजिंग में उनके बहुत काम आया। वह चिकित्सा कार्य में जुट गए किन्तु एलोपैथी से वह असंतुष्ट थे। वियना में भी वह रहे किन्तु संतुष्टि का भाव उनमें नहीं आया। टैनासिलेवेनिया के गवर्नर ने उन्हें अपने प्रान्त की विशाल लाइब्रेरी का अध्यक्ष मनोनीत किया। वहां उन्होंने उपलब्ध ग्रन्थों का अध्ययन किया। कई भाषाएं सीखी। फिर वहां से अवकाश ग्रहण किया। 24 वर्ष की आयु में एम. डी. की उपाधि प्राप्त कर चिकित्सा कार्य में जुट गए। वहां गोमर्न में सरकारी चिकित्सक पद पर रहे किन्तु असंतुष्ट रहते रहे।

अन्ततः उन्होंने त्याग पत्र दे डाला। त्याग पत्र में उन्होंने लिखा कि इस प्रकार की निराधार चिकित्सा प्रणाली के आधार पर चिकित्सा करने से बेहतर होगा कि इस कार्य को त्याग ही दिया जाए। इसके बाद कॉलेज कृत मैटेरिया मेडिका का अनुवाद करने के बीच होम्योपैथी को जन्म दिया। सन् 1805 में उन्होंने मेडिसन ऑफ एक्सपीरिएन्स नामक ग्रन्थ प्रकाशित कराया। इसके साथ ही अपनी पुस्तक मैटेरिया मेडिका तैयार करने का काम शुरू किया। यह पुस्तक 1811 में तैयार हुई। आज होम्योपैथी सर्वाधिक लोकप्रिय चिकित्सा पद्धति बन गई है।

बीस उपयोगी किचन टिप्स

दाल–चावल पकाने से पहले साफ पानी से धोकर आधा घंटा पहले भिगो कर रख दिए जाएं और उसी पानी में पकाया जाए तो खाना जल्दी पक जाता है और ईंधन की भी बचत होती है।

भटूरे के आटे में जल्दी खमीर उठाने के लिये ब्रेड के दो तीन स्लाइस चूरा करके मिलाएं।

दही खट्टा हो जाने पर उसे कपड़े में छानकर पानी निकाल लें। चाहें तो उसमें चीनी तथा सूखे मेवे बारीक काट कर हल्का सा फेंट लें और फ्रीज़र में रख दें। दो घंटे पश्चात श्रीखंड के रूप में खा सकते हैं। चाहें तो दही का पानी निकलने के बाद उसमें थोड़ा दूध मिलाकर रायता डाल सकती हैं।

यदि आप नौकरीपेशा हैं तो करी का मसाला मिक्सी में ज्यादा पीस कर मसाला भून कर फ्रिज़ में रख लें। रसेदार सब्जी बनाते समय तैयार मसाला प्रयोग में ला सकती है।

करी पत्ता और धनिए की पत्तियों को ताजा रखने के लिए उन्हें पतले कपड़े में लपेटकर फ्रिज में रखें।

दूध की मलाई को फूंक कर न हटाएं। फूंक के जरिए कीटाणु दूध में चले जाते हैं और दूध दूषित हो जाता है।

दूध को प्रयोग करने से पहले एक उबाल ज़रूर दिलवाएं ताकि कीटाणु समाप्त हो जाएं। दूध को अधिक देर न उबालें। इससे उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

दूध फट जाने की स्थिति में पानी और पनीर को अलग कर दें। पानी से आटा गूंथ सकते हैं या दाल–चावल उस पानी में पका लें। स्वाद के साथ पौष्टिकता भी बढ़ जाती है।

दूध में आटा गूंथ कर चपाती, परांठे या पूड़ी बना सकते हैं। अधिक खस्ता व स्वादिष्ट बनेंगे।

दो गिलास यदि एक दूसरे में फंस गए हों तो कटोरे में गर्म पानी डालकर उसमें गिलास रखें। अंदर वाले गिलास में ठंडा पानी भर दें। दोनों गिलास आसानी से अलग हो जाएंगे।

सर्दियों में आसानी से दही जमाने के लिए दही में जामन लगाने के बाद बर्तन को कैसरोल में रख दें या फ्रिज के ट्रांसफार्मर पर बर्तन को रख दें। दही आसानी से जम जाएगा।

बेसन के गट्टे सख्त नहीं बनें, इसके लिए बेसन गूंधते समय उसमें थोड़ा सा मोयन डालकर दही से बेसन को गूंधें।

किसी बोतल या स्टील के डिब्बे में सामान रखना हो और पहली चीज़ की गंध न जा रही हो तो उस धुली हुई बोतल में एक जलती हुई दियासिलाई की तीली डालकर ढक्कन बंद कर दें। ढक्कन खोलकर पुनः बोतल धो कर सुखा लें। गंध नहीं रहेगी।

स्टील के भिगोने में दूध उबालने पर दूध अक्सर नीचे लग जाता है। दूध उबालने से पहले पतीले में थोड़ा सा पानी डाल दें। पानी उबलने के बाद दूध डालकर उबालें।

सब्जियों को धोकर काटें। बाद में धोने से उसके खनिज व विटामिन नष्ट हो जाते हैं।

यदि दूध में खटास आने लगे और फटने का डर हो, तो उसमें एक चम्मच पानी में आधा चम्मच खाने का सोडा मिला दें। दूध फटने से बच जाएगा।

हरी मिर्च को अधिक समय तक ताजा रखने के लिए उनकी डण्डी तोड़कर रखें।

खाना पैक करने के लिए अल्यूमीनियम फॉयल इस्तेमाल करते हैं। उसे प्रयोग करने के बाद फेंकें नहीं। इससे अल्यूमीनियम के बर्तन साफ कर चमका सकते हैं।

मीठे बिस्कुटों का कुरकरापन बरकरार रखने के लिए कन्टेनर में एक चम्मच चीनी डालें और उसके ऊपर बिस्कुट डालें। बिस्कुट लम्बे समय तक कुरकुरे रहेंगे।

चाकू पर यदि जंग लग गया हो तो चाकू को प्याज में घोंप कर रखें। पन्द्रह बीस मिनट बाद निकाल कर धोएं। चाकू साफ हो जाएगा।

सम्राट विक्रमादित्य के गौरवशाली इतिहास को पुनर्जीवित करती मध्यप्रदेश सरकार

भारतीय इतिहास में अनेक प्रतापी शासक हुए हैं। ऐसे ही शासक थे सम्राट विक्रमादित्य। उन्होंने न्याय, शौर्य और कालगणना के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया। सम्राट विक्रमादित्य के सम्मान में इस वर्ष बहुआयामी प्रयास हुए हैं। कुछ वर्ष पहले वार्षिक विक्रमोत्सव प्रारंभ हुआ, फिर विक्रम विश्वविद्यालय का नाम संशोधित किया गया, जो विक्रम विश्वविद्यालय था। यह सम्राट विक्रमादित्य की प्रतिष्ठा के अनुकूल सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय हो गया है। ये सब मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से हुआ है। मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर राजधानी के नागरिक महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य देखेंगे। विक्रम संवत प्रारंभ करने वाले कल्याणकारी शासक रहे सम्राट विक्रमादित्य के सम्मान में महत्वपूर्ण कदम मध्यप्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री निवास के मुख्य द्वार पर विक्रमादित्य वैदिक घड़ी स्थापित की गई है। वार्षिक विक्रम उत्सव की शुरुआत कर राज्य सरकार ने सम्राट विक्रमादित्य को यथोचित सम्मान देने का कदम उठाया था। शासकीय कैलेंडर में विक्रम संवत का भी उल्लेख प्रारंभ किया गया है। इस क्रम में हाल ही में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का नई दिल्ली में अप्रैल– 2025 में मंचन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस महानाट्य के माध्यम से रंगमंच के महत्व से भी पूरे राष्ट्र को अवगत करवा दिया है। वैसे तो इस डिजिटल युग में सूचना और मनोरंजन के कई फॉर्मेट लोकप्रिय हो चुके हैं, लेकिन भारतीय नाट्यशास्त्र की सुदृढ़ और समृद्ध परंपरा से जन–जन को विशेष रूप से युवा वर्ग को परिचित करवाने के लिए नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य नाटक का निरंतर तीन दिन मंचन होना महत्व रखता है। मध्यप्रदेश से जो संदेश पूरे राष्ट्र में पहुंचा है वह यह है कि अभिनय, प्रकाश संयोजन, संगीत, वेशभूषा और विशाल मंच के माध्यम से हमारे पौराणिक चरित्रों का जीवन सामने आना चाहिए। हमारे वे आदर्श शासक और आराध्य जो युवा पीढ़ी द्वारा भुला दिए गए हैं उनकी जानकारी देकर युवा पीढ़ी को इस गौरवशाली अध्याय से अवगत करवाना सराहनीय है। युवाओं में सृजन की शक्ति है, जिज्ञासा का तत्व भी विद्यमान है तो फिर उन्हें इन राष्ट्र के आदर्श प्रतीकों की जानकारी से वंचित क्यों रखा जाए और बच्चे भी कलाओं के प्रति रुचि रखते हैं, वे भी इस विधा के लिए जिज्ञासु हो सकते हैं। उन्हें महान व्यक्तित्वों के बारे में ज्ञानवर्धक विवरण देने वाले नाटक मंचन से जोड़ा जाए, यह समय की मांग है।

'राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान': सम्राट विक्रमादित्य के गुणों के अनुकूल योगदान देने वाले व्यक्ति सम्मानित हों, इस उद्देश्य से जहां पांच–पांच लाख रूपए के तीन राज्य स्तरीय सम्मान देने का प्रावधान किया गया, वहीं 21 लाख रूपए के राष्ट्रीय सम्मान और एक करोड़ एक लाख रूपए सम्मान निधि के अंतर्राष्ट्रीय विक्रमादित्य सम्मान प्रारंभ करने की पहल की गई। निश्चित ही यह सम्मान और पुरस्कार सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन, साहस और भारतीय संस्कृति को पोषित करने की परम्पराओं को निरंतर बनाए रखने के लिए प्रेरक बनेंगे।

'प्रतापी शासक राजा भोज और अन्य सेनानियों की गाथा भी आएगी मंच पर' : भोपाल में कुछ वर्ष पूर्व लाल परेड मैदान पर "जाणता राजा" का हिंदी में मंचन हुआ, जिसमें शिवाजी महाराज के कृतित्व को दर्शाया गया था। (हालांकि जाणता राजा नाटक के हिंदी में कम ही मंचन हुए हैं ।) पर देश की राजधानी में लाल किले पर तीन दिन लगातार सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन मध्यप्रदेश के लिए गर्व की बात है। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का नवाचार है। हमारे ऐसे दानवीर शासक जिन्होंने वीरता और न्याय के क्षेत्र में भी दृष्टांत स्थापित किए, वे पाठ्य–पुस्तकों में तो आ गए लेकिन पाठ्य–पुस्तकों से बाहर मंच तक क्यों न पहुंचें। आखिर युवा पीढ़ी को उनकी विस्तार पूर्वक जानकारी क्यों नहीं दी जाना चाहिए? यह नवाचार अवश्य ही अन्य राज्यों तक जाएगा। सम्राट विक्रमादित्य के कार्यों की जानकारी देश भर के नागरिकों को मिलेगी। यही नहीं भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण, राजा भोज, सम्राट अशोक और स्वतंत्रता सेनानियों सहित भारत के अन्य गौरवशाली महापुरुषों के कृतित्व की गाथा बताने वाली नाट्य प्रस्तुतियां भी होंगी। नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य नाट्य मंचन सफल रहा है। हाथी, घोड़ों के उपयोग और बीसियों की संख्या में कलाकार दल के साथ इतिहास के उस दौर को जीवंत करना साधारण कार्य नहीं है। संस्कृति विभाग, विक्रमादित्य पीठ, सामाजिक संगठन और सांस्कृतिक संगठन इसके लिए एकजुट हुए। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने इन कार्यक्रमों के लिए जो समन्वय किया उसकी भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशंसा की है।

'प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प की भी पूर्ति': राज्यों में नाटक सहित लोक कलाओं के विकास के साथ भारतीय गौरव का स्मरण करते हुए देश की प्राचीन संस्कृति, भारतीय अस्मिता को सामने लाना आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिर्फ कहने के लिए "विरासत से विकास" की बात नहीं कही, वे चाहते हैं इसका दायरा विस्तृत हो। हमारे युवा हेरिटेज वॉक करें। वे किलों और स्मारकों को देखें। शौर्य और मेधा के धनी भारत के शासकों के योगदान से परिचित हों। भारतीय स्वाभिमान के प्रसंग चर्चा का विषय बनें। सिर्फ बंद कमरों में संगोष्ठियां न हों बल्कि भारत के ऐसे गौरवशाली व्यक्तित्व बच्चों के बीच भी जाने जाएं। स्कूली पाठ्यक्रम से लेकर विद्यालयों, महाविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में सगर्व उनका उल्लेख हो और नाट्य मंचन उस थ्योरी को प्रैक्टिकल रूप में रंगमंच पर प्रस्तुत करें। महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन युवाओं को रंगमंच विधा की ओर आकर्षित करने के लिए प्रेरित करेगा।

'रंगमंच कलाकार भी उत्साहित' : रंगमंच से जुड़े देश के हजारों कलाकारों का मन हर्षित है और वे मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार का भाव रखते हैं जो उन्होंने इस कला को महत्व और राज्याश्रय भी दिया। सैकड़ों कलाकारों को प्रोत्साहित किया। थिएटर की शक्ति सही दिशा में और सही विषय को लेकर दिखाई दी है। इस नाते मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर लाल परेड ग्राउंड भोपाल में दो और तीन नवम्बर को होने जा रहे नाटक विक्रमादित्य का मंचन दर्शकों द्वारा निश्चित ही पसंद किया जाएगा।

अशोक मनवानी

असरानी : अभिनेता जिसने पांच दशकों से अधिक समय तक भारतीय सिनेमा को रोशन किया

नयी दिल्ली, (भाषा) दिग्गज अभिनेता असरानी ने फिल्म जगत में पांच दशक से अधिक लंबे करियर और 300 फिल्मों में विविध भूमिकाओं के जरिये दर्शकों के बीच अपनी विशेष छाप छोड़ी। 'शोले', 'छोटी सी बात' और 'अभिमान' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवाने वाले मशहूर अभिनेता का सोमवार अपराह्न 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। यहां उनकी कुछ उल्लेखनीय भूमिकाओं की सूची दी गई है———

1) 'अभिमान': इस फिल्म का निर्देशन असरानी के गुरु कहे जाने वाले ऋषिकेश मुखर्जी ने किया था। फिल्म में अभिनेता ने अमिताभ बच्चन के साथ उनके सबसे अच्छे दोस्त की भूमिका निभाई थी। फिल्म में जया बच्चन ने भी अहम भूमिका निभाई थी। वर्ष 1973 में रिलीज हुई इस फिल्म ने व्यावसायिक रूप से सफलता हासिल की और इसे आलोचकों की भी प्रशंसा मिली।

2) 'नमक हराम' : वर्ष 1973 में आई ऋषिकेश मुखर्जी की इस फिल्म में असरानी ने रेखा के भाई धोंडू की भूमिका में एक और हास्यपूर्ण अभिनय किया। फिल्म में राजेश खन्ना, रेखा और अमिताभ बच्चन जैसे कलाकार अहम भूमिका में थे।

3) 'मेरे अपने': 1971 की इस फिल्म में दिवंगत अभिनेता ने छेनू के साथी रघुनाथ की भूमिका निभाई थी। मीना कुमारी, विनोद खन्ना और शत्रुघ्न सिन्हा अभिनीत इस फिल्म का निर्देशन गुलजार ने किया था।

4) 'शोले' : वर्ष 1975 की ब्लॉकबस्टर फिल्म में असरानी ने एक जेलर की भूमिका निभाई थी, जो चार्ली चैपलिन पर आधारित थी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र और संजीव कुमार मुख्य भूमिका में थे। असरानी को हमेशा फिल्म 'शोले' के जेलर के रूप में याद किया गया। उनका संवाद ''हम अंग्रेज़ों के ज़माने के जेलर हैं'' 50 साल बाद भी दोहराया जाता है।

5) 'आज की ताजा खबर' : वर्ष 1973 में आई राजेंद्र भाटिया की इस फिल्म में असरानी ने चंपक भूमिया उर्फ अमित देसाई का किरदार निभाया था। अपने दोस्त को बचाने के लिए वह काल्पनिक चंपक की भूमिका निभाते हैं। अभिनेता ने इस फिल्म में अपने हास्य अभिनय के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार जीता।

6) 'छोटी सी बात': वर्ष 1975 की रोमांटिक–कॉमेडी फिल्म में असरानी ने अमोल पालेकर के रोमांटिक प्रतिद्वंद्वी की भूमिका निभाई। फिल्म में दोनों ही विद्या सिन्हा द्वारा अभिनीत किरदार प्रभा के प्यार के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। फिल्म में इस भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए नामित किया गया था।

7) 'बालिका बधू' : वर्ष 1976 में बनी इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म इसी नाम के एक बंगाली उपन्यास पर आधारित है। यह फिल्म एक युवा जोड़े की कहानी है जो एक–दूसरे से प्यार करने लगते हैं। असरानी ने शरत की भूमिका निभाई है।

8) 'हेरा फेरी' : वर्ष 2000 में आई प्रियदर्शन की कॉमेडी फिल्म में असरानी ने बैंक मैनेजर की भूमिका निभाई थी, जो श्याम को बताता है कि उसे नौकरी नहीं मिलेगी। इसके साथ ही घटनाओं की श्रृंखला की शुरुआत होती है, जो हास्यपूर्ण तरीके से सामने आती है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल मुख्य भूमिकाओं में थे।

दिवाली पर दिखी राधिका मर्चेंट और अनंत अंबानी की रोमांटिक केमिस्ट्री, बच्चों के बीच बांटा प्यार, खास अंदाज में मनाया त्योहार

अंबानी फैमिली में हर त्योहार धूमधाम से सेलिब्रेट किया जाता है, फिर चाहे वो होली हो या दिवाली। इस साल का दिवाली सेलिब्रेशन भी काफी ग्रैंड रहा। पूरे परिवार ने एक साथ मिलकर सेलिब्रेशन किया। इसकी झलकियां भी अब सामने आने लगी हैं। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के लिए भी ये दिवाली खास रही। दोनों के बीच रोमांटिक केमिस्ट्री भी देखने को मिली। दोनों ने इस दिवाली को ट्रेडिशन स्टाइल में नहीं बल्कि एक मीनिंगफुल तरीके से सेलिब्रेट किया। दोनों की झलकियां सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं और इन्हें बार–बार देखा जा रहा है।

रोमांटिक हुए अनंत और राधिका : सामने आए वीडियो में राधिका मर्चेंट गाजरी रंग के अनारकल सूट में नजर आ रही हैं। उन्होंने कान में बड़े झुमके और बालों में गजरा कैरी किया है। वहीं अनंत अंबानी ने ब्लैक कलर का कुर्ता पजामा सेच कैरी किया है। वीडियो में दोनों हाथ थामे रोमांटिक जांस करते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा दोनों एक साथ बैठे भी दिख रहे हैं। इस दौरान भी दोनों एक दूसरे का हाथ थामे मुस्कुरा रहे हैं। दोनों के बीच का प्यार और रोमांस इन झलकियों में साफ नजर आ रहा है।

बच्चों संग मनाई दिवाली : इसके अलावा एक और वीडियो भी सामने आया है, ये वीडियो भी दिवाली सेलिब्रेशन का है। इस वीडियो में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट कई बच्चों के बीच नजर आ रहे हैं। दोनों बच्चों को अपने हाथों से चॉकलेट दे रहे हैं। इस दौरान राधिका मर्चेंट ने ब्लू शर्ट और बेज ट्राउजर कैरी की है। वहीं अनंत अंबानी ब्लू शर्ट और ब्लैक पैंट में दिख रहे हैं। दोनों ही बच्चों से बातें कर रहे हैं और उन्हें बेहद प्यार से ट्रीट दे रहे हैं। दोनों का बच्चों के लिए प्यार इन झलकियों में देखने को मिल रहा है।

दोनों ने मिलकर किया नेक काम : दोनों ने इस नेक कार्य के लिए एक ऑर्फनेज के बच्चों को चुना और दिवाली पर उनके चेहरे पर मुस्कान ला दी। दोनों का दिवाली सेलिब्रेशन बच्चों के बीच ही हुआ और इसके अलावा दोनों रिलाएंस के कर्मचारियों के साथ भी सेलिब्रेट करते नजर आए। ये कपल की एक साथ दूसरी दिवाली है।

'शोले' फिल्म में जेलर की भूमिका शायद असरानी के लिए ही थी: सिप्पी

मुंबई, (भाषा) निर्देशक रमेश सिप्पी ने कहा है कि दिग्गज अभिनेता असरानी को "शोले" फिल्म में सनकी जेलर की भूमिका निभाने के लिए हमेशा याद रखा जाएगा और ऐसा लगता है कि यह भूमिका केवल उन्हीं के लिए थी। सोमवार को 84 वर्ष की आयु में अभिनेता का निधन होने के बाद शोक व्यक्त करते हुए 'शोले' के निर्देशक सिप्पी ने कहा कि जब वे हाल ही में मिले थे, तो असरानी 'बिल्कुल ठीक' लग रहे थे। सिप्पी ने 'पीटीआई–भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, "यह (निधन) अचानक हुआ... उन्होंने बहुत काम किया, लेकिन यह ('शोले' में उनकी भूमिका) सबसे अलग थी। मैं उन्हें लंबे समय तक याद रखूंगा। यह किरदार केवल उन्हीं के लिए था।" इस फिल्म में असरानी का किरदार चार्ली चैपलिन की फिल्म "द ग्रेट डिक्टेटर" पर आधारित था, जो हिटलर पर कटाक्ष था।"शोले" फिल्म की कहानी सलीम खान और जावेद अख्तर ने लिखी थी। सिप्पी ने कहा कि उन्होंने पहली बार असरानी के साथ "सीता और गीता" में काम किया था और जिस तरह से अभिनेता ने अपने किरदार को निभाया, उससे वे बहुत प्रभावित हुए। सिप्पी ने याद करते हुए कहा, "फिर 'शोले' आई, जो सलीम–जावेद ने लिखी। उन्होंने मेरे साथ इस पर चर्चा की। हम सभी ने सोचा कि असरानी सही व्यक्ति होंगे। हमने उन्हें बुलाया, उनके साथ इस पर चर्चा की। वह यह भूमिका निभाने के लिए बहुत खुश थे।" फिल्म निर्माता ने जेलर का किरदार अत्यंत नैसर्गिक तरीके से निभाने के लिए असरानी की प्रशंसा की। सिप्पी ने कहा, "उन्होंने इसे नैसर्गिक रूप से निभाया; ऐसा लगा जैसे वह इस भूमिका के लिए ही बने हों। हिटलर एक ऐसा व्यक्ति है जिसके बारे में किताबें लिखी गई हैं, कहानियां सुनाई गई हैं, उसके आचरण और उसके द्वारा की गईं हत्याओं ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा।" सिप्पी (78) ने कहा, "लेकिन इस पर (हिटलर पर) एक हास्य किरदार एक बेहतरीन विचार था... उन्होंने (असरानी) इतना अच्छा काम किया कि लोग आज तक उन्हें याद करते हैं। इस किरदार को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा।"

'होमबाउंड' फिल्म के ऑस्कर में पहुंचने से विश्व पटल पर उभरा उत्तर प्रदेश का बस्ती जिला

बस्ती, (भाषा) नीरज घायवान की फिल्म 'होमबाउंड' ने उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के रहने वाले मोहम्मद सय्यूब और अमृत कुमार की दिल को झकझोर देने वाली कहानी को विश्व पटल पर पहुंच दिया जबकि कुमार के गांव के लोग अभी भी इस फिल्म को देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'होमबाउंड' का प्रीमियर मई में कान फिल्म महोत्सव में हुआ था और इस फिल्म को 2026 के अकादमी पुरस्कारों के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के तौर पर चुना गया है। पत्रकार बशारत पीर के 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' के लेख 'टेकिंग अमृत होम' से प्रेरित है। यह फिल्म पिछले महीने सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस लेख में बस्ती के देवरी गांव के एक प्रवासी मजदूर अमृत कुमार की सच्ची कहानी बताई गई है, जो कोविड–19 महामारी के दौरान सूरत से घर लौटते समय एक राजमार्ग पर लू लगने से गिर पड़ा था और उनके दोस्त मोहम्मद सय्यूब ने उनका साथ छोड़ने से इनकार कर दिया था। इस फिल्म को अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में खूब प्रशंसा मिली है लेकिन हैरानी की बात यह है कि देवरी के निवासियों ने अब तक यह फिल्म नहीं देखी है। सबसे नजदीकी सिनेमा हॉल लगभग 25 किलोमीटर दूर है, जहां तक जाने का खर्च बहुत कम ग्रामीण उठा सकते हैं। बहुत से लोगों को यह भी पता नहीं है कि करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह फिल्म थिएटर में दिखाई भी जा रही है या नहीं।

छठ पूजा को लेकर रांची में तैयारियां तेज, यातायात व्यवस्था में भी बदलाव

रांची, (भाषा) झारखंड की राजधानी रांची प्रशासन ने 25 अक्टूबर से शुरू हो रहे छठ पर्व के मद्देनजर घाटों पर तैयारियां तेज कर दी हैं। सुरक्षा, सफाई और प्रकाश व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। रांची के उपायुक्त (डीसी) मंजूनाथ भजंत्री और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन ने कांके बांध और राजभवन के पास स्थित हटनिया तालाब समेत शहर के कई प्रमुख छठ घाटों का निरीक्षण किया। भजंत्री ने बताया, "जिला प्रशासन ने छठ घाटों की सफाई तेज कर दी है। हम सुरक्षा व्यवस्था और अन्य तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं।" उन्होंने सभी छठ पूजा समितियों से पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवक उपलब्ध कराने की अपील की है ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। भजंत्री ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमें तैनात की जाएंगी। छठ पूजा के लिए तैयार किए गए घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के वास्ते किनारे से 3.5 फुट की दूरी तक अवरोधक लगाए जाएंगे। रांची नगर निगम (आरएमसी) के आयुक्त सुशांत गौरव ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, "हमने छठ पूजा के लिए तालाबों और नदियों सहित कम से कम 73 जलाशयों की पहचान की है। इसके अलावा, शहर में 50 अस्थायी छठ घाट भी बनाए जाएंगे ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो।" उन्होंने कहा कि घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की जाएगी और आपात स्थिति में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जनरेटर भी लगाए जाएंगे। गौरव ने बताया, "हमारा ध्यान सभी चिन्हित जलाशयों की सफाई और तालाबों की सीढ़ियों की मरम्मत पर है।" इसके साथ ही नगर निगम घाट क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने का काम कर रहा है।

उन्होंने कहा, "हमारी प्रवर्तन टीम को सभी छठ घाटों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। अतिक्रमण की कोशिश करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।" वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने कहा, "श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण देने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी।" इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि रांची यातायात पुलिस ने 27 और 28 अक्टूबर के लिए मार्ग परिवर्तन और वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध की घोषणा की है। अधिकारियों के अनुसार, यातायात मार्ग परिवर्तन 27 अक्टूबर को सुबह आठ बजे से 28 अक्टूबर को त्योहार की समाप्ति तक प्रभावी रहेगा। अधिकारियों ने बताया कि 27 अक्टूबर को सुबह आठ बजे से रात 11 बजे तक रांची में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। देर रात दो बजे से 28 अक्टूबर को सुबह 10 बजे तक प्रतिबंध लागू रहेंगे। इस दौरान भारी वाहनों को रिंग रोड से होकर गुजारा जाएगा। उन्होंने बताया कि सामान्य प्रवेश निषेध नियम लागू रहेंगे। अधिकारियों के अनुसार 27 अक्टूबर को अपराह्न दो बजे से रात आठ बजे तक छोटे मालवाहक वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। उस दिन अपराह्न तीन बजे से रात आठ बजे के बीच कांके के चांदनी चौक से राम मंदिर तक ऑटोरिक्शा और इलेक्ट्रिक रिक्शा की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी।

राजस्थान में आईपीएस फेरबदल के बीच सचिन मित्तल जयपुर के नए पुलिस आयुक्त नियुक्त

जयपुर, (भाषा) राजस्थान में बड़े प्रशासनिक फेरबदल के बीच वरिष्ठ आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी सचिन मित्तल को बुधवार को जयपुर का नया आयुक्त नियुक्त किया गया। राजस्थान सरकार ने बुधवार को 34 आईपीएस अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए, जिनमें महानिदेशक (डीजी) स्तर पर फेरबदल भी शामिल है। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी मित्तल ने बीजू जॉर्ज जोसेफ का स्थान लिया है, जिन्होंने अगस्त 2023 में कार्यभार संभाला था। मित्तल इससे पहले यहां मुख्यालय में पुलिस विभाग के एडीजी (कार्मिक) के पद पर तैनात थे। 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी जोसेफ को एडीजी (कार्मिक) नियुक्त किया गया है। इस बीच, संजय अग्रवाल को डीजी (खुफिया) के पद से डीजी (कानून–व्यवस्था) के पद पर स्थानांतरित किया गया है। एडीजी (कानून–व्यवस्था) विशाल बंसल को एडीजी (एसओजी) बनाया गया है, जबकि 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी गोविंद गुप्ता को डीजी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) नियुक्त किया गया है। अशोक राठौर को आईपीएस गुप्ता की जगह डीजी (जेल) नियुक्त किया गया है। सरकार ने 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी अनिल पालीवाल को डीजी (प्रशिक्षण एवं यातायात) नियुक्त किया है।

मुख्यमंत्री नायडू ने यूएई यात्रा के पहले दिन उद्योग जगत के दिग्गजों से मुलाकात की

अमरावती, फोकस न्यूज, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को अपनी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) यात्रा के पहले दिन राज्य को आगे बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने और नवंबर में होने वाले 'सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन' के लिए उद्योगपतियों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से कई उद्योगपतियों के साथ बैठकें कीं। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले शोभा समूह के संस्थापक पी.एन.सी. मेनन से मुलाकात की और उन्हें ग्रीनफील्ड राजधानी अमरावती के विकास के बारे में जानकारी दी। एक बयान में कहा गया, "नायडू ने आंध्र प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए अपने तीन दिवसीय यूएई दौरे के पहले दिन कई उद्योग दिग्गजों के साथ व्यक्तिगत बैठकों में भाग लिया।" पर्यटन, रियल एस्टेट और आतिथ्य क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर प्रकाश डालते हुए नायडू ने मेनन को बताया कि गूगल विशाखापत्तनम में एक एआई डेटा सेंटर स्थापित कर रहा है। उन्होंने शोभा समूह के संस्थापक को अमरावती में चल रही विकास परियोजनाओं को देखने के लिए आमंत्रित किया तथा राज्य को निवेश के लिए सर्वोत्तम गंतव्य बताया। बयान में कहा गया कि इसके जवाब में मेनन ने अमरावती में विश्वस्तरीय पुस्तकालय के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये के योगदान की घोषणा की। इससे पहले, दुबई हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री का महिलाओं और उद्यमियों सहित बड़ी संख्या में तेलुगु निवासियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। बाद में नायडू ने भारतीय दूतावास के प्रभारी ए अमरनाथ और दुबई के महावाणिज्य दूत सतीश सिवन से मुलाकात की।

सेना ने 380 इंफेंट्री बटालियनों को 'अश्नि' ड्रोन प्लाटून से लैस किया

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय सेना की 380 इंफेंट्री बटालियनों को ड्रोन प्लाटून से सुसज्जित किया गया है, जबकि उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर सेना की युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आधुनिकीकरण अभियान के तहत विशिष्ट कमांडो इकाइयों का गठन किया जा रहा है। इंफेंट्री के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार ने पैदल सेना इकाइयों की हमला करने की क्षमता बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि सेना इंफेंट्री आधुनिकीकरण योजना के तहत 2,770 करोड़ रुपये की लागत से 4.25 लाख युद्धक कार्बाइन भी खरीद रही है। लेफ्टिनेंट जनरल कुमार ने कहा कि 380 पैदल सेना बटालियनों में से प्रत्येक के पास अब एक अश्नि ड्रोन प्लाटून है जिसमें कम से कम चार निगरानी ड्रोन शामिल हैं और छह सशस्त्र श्रेणी के हैं। उन्होंने बताया कि सशस्त्र ड्रोनों में कामिकेज ड्रोन और सटीक गोला–बारूद गिराने वाले मानवरहित हवाई वाहन शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि किस प्रकार सेना इंफेंट्री बटालियनों की लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कदम उठा रही है। सेना ने पहले ही लगभग 250 सैनिकों वाली पांच उत्कृष्ट भैरव बटालियन गठित कर ली हैं तथा अगले छह महीनों में ऐसी कुल 25 बटालियन बनाने की योजना है। इन बटालियनों का गठन विशेष अभियानों के लिए किया जा रहा है और संभवतः ये नियमित पैदल सेना और विशिष्ट पैरा–स्पेशन बलों के बीच सेतु का काम करेंगी। महानिदेशक ने कहा, "भैरव की पांच बटालियनें पहले ही गठित की जा चुकी हैं। उन्हें पहले ही इच्छित अभियानों के क्षेत्र में तैनात किया जा चुका है और एक अक्टूबर से उनका प्रशिक्षण चल रहा है।" उन्होंने कहा कि पांचों बटालियनों का प्रशिक्षण 30 अक्टूबर को समाप्त होगा और उसके बाद वे पूरी तरह से क्रियाशील हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि चार और बटालियन बनाने की प्रक्रिया पूरी होने वाली है और अगले छह महीनों में हमारे पास ऐसी 25 बटालियन होंगी। लेफ्टिनेंट जनरल कुमार ने कहा कि भैरव बटालियनों के साथ–साथ विशेष बल बटालियनों में भी अश्नि ड्रोन प्लाटून होंगे। नये जमाने की कार्बाइनों की खरीद के बारे में उन्होंने कहा कि इनमें से 60 प्रतिशत की आपूर्ति भारत फोर्ज लिमिटेड द्वारा की जाएगी, जबकि शेष 40 प्रतिशत की आपूर्ति पीएलआर सिस्टम्स द्वारा की जाएगी। लेफ्टिनेंट जनरल कुमार ने कहा कि कार्बाइनों की आपूर्ति एक वर्ष के भीतर शुरू हो जाएगी और आपूर्ति दो वर्षों के भीतर पूरी कर ली जाएगी। जेवलिन एंटी टैंक मिसाइलों के प्रस्तावित भारत–अमेरिका सह–उत्पादन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि 104 मिसाइलों और जेवलिन के 12 लांचरों की खरीद पहले से ही प्रक्रिया में है। वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा कि सेना कई प्रकार की टैंक रोधी निर्देशित मिसाइलें खरीद रही है। लेफ्टिनेंट जनरल कुमार ने कहा कि सेना पैदल सैनिकों के लिए असॉल्ट राइफलों और हल्की मशीन गनों को 5.56 मिमी से 7.62 मिमी कैलिबर तक उन्नत कर रही है। पुरानी स्नाइपर राइफलों को भी .338 स्नाइपर राइफलों से बदला जा रहा है।

जम्मू–कश्मीरः कांग्रेस गठबंधन सहयोगियों की बैठक से दूर रही,उमर को राज्यसभा चुनाव में समर्थन का भरोसा

श्रीनगर, (भाषा) जम्मू–कश्मीर विधानसभा सत्र से पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सत्तारूढ़ गठबंधन सहयोगियों की बैठक में बुधवार को कांग्रेस की अनुपस्थिति को तवज्जो न देने का प्रयास करते हुए विश्वास जताया कि कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि राज्यसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उसके कदमों से कोई फायदा न हो। जम्मू–कश्मीर में राज्यसभा चुनाव के लिए सीट के बंटवारे को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हो गए हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने सहयोगी दलों के विधायकों को बैठक में आमंत्रित किया था लेकिन कांग्रेस की ओर से कोई नहीं आया। कांग्रेस ने अलग से विधायक दल की बैठक बुलाई थी। नेशनल कॉन्फ्रेंस और अन्य सहयोगी दलों के विधायकों की बैठक के बाद अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, "उनकी (कांग्रेस की) अपनी प्रक्रिया है। उनकी पार्टी और हमारी पार्टी में अंतर है। यहां उनके नेतृत्व को अपने आलाकमान के इशारे का इंतजार करना पड़ता है। हम अपने फैसले यहीं लेते हैं। यह कोई नयी बात नहीं है और किसी को भी इससे कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।" उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से हर सत्र से पहले विधायक दल की बैठक बुलाई जाती है जिसमें सरकार का समर्थन करने वाले निर्दलीय विधायकों को भी सत्र की रणनीति तैयार करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। उन्होंने कहा, "यह सत्र अन्य सत्रों से अलग है क्योंकि 10 साल बाद जम्मू–कश्मीर में राज्यसभा चुनाव हो रहे हैं। इस बैठक का महत्व इसलिए बढ़ गया क्योंकि इसमें चारों सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस की जीत सुनिश्चित करने की रणनीति पर विचार–विमर्श किया गया।" यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस के अनुपस्थित रहने से राज्यसभा चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवारों की संभावनाओं पर विपरीत असर पड़ेगा, अब्दुल्ला ने कहा कि राष्ट्रीय पार्टी नियमित रूप से कहती रही है कि वह भाजपा का समर्थन नहीं करेगी और उसे जीतने नहीं देगी। उन्होंने कहा, "तो उन्हें अपनी बैठकें करने दीजिए। किसी को भी इस पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। (कांग्रेस) आलाकमान का ऐसा कोई संकेत नहीं होगा जिससे भाजपा को मदद मिले।" अब्दुल्ला ने बैठक में शामिल होने के लिए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता एम वाई तारिगामी और निर्दलीय उम्मीदवारों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, "मैं अपने सदस्यों और हमारे साथ आए लोगों में जो उत्साह देख रहा हूं, उसे देखकर मुझे उम्मीद है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार चारों सीट पर विजयी होंगे।" यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्षी पीडीपी (पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी) नेकां उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए तैयार है, अब्दुल्ला ने कहा कि पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अभी तक कोई घोषणा नहीं की है,लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया है कि वह अपनी पार्टी के सहयोगियों से सलाह–मशविरा करने के बाद सही फैसला करेंगी। उन्होंने कहा, "हमारे एक उम्मीदवार शम्मी ओबेरॉय महबूबा मुफ्ती से मिले और पार्टी की ओर से उनसे अनुरोध किया कि वह हमारे उम्मीदवारों को जिताने के लिए नेकां के पक्ष में वोट दें।" उन्होंने कहा, "सबसे पहले हमारे अध्यक्ष ने महबूबा मुफ्ती से फोन पर बात की थी। पीडीपी ने अभी तक कोई घोषणा नहीं की है लेकिन उन्होंने उनसे और ओबेरॉय दोनों से कहा है कि वह अपनी पार्टी के सहयोगियों के साथ इस पर चर्चा करेंगी और सही फैसला लेंगी।" केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह किशोर की विवादास्पद टिप्पणी पर मुख्यमंत्री ने कहा, "अगर कोई केंद्रीय मंत्री ऐसा कुछ कहता है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है।" अब्दुल्ला ने कहा, "लेकिन इन लोगों को चुनावों में ऐसे बयान देने की आदत है क्योंकि उनके पास काम के नाम पर दिखाने के लिए कुछ नहीं है।

'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी के बेटे का आरोप –राहुल गांधी ने बिहार चुनाव में टिकट देने का वादा तोड़ा

पटना, 'माउंटेन मैन' के नाम से प्रसिद्ध दशरथ मांझी के बेटे भागीरथ मांझी ने बुधवार को आरोप लगाया कि उन्हें कांग्रेस की ओर से बिहार विधानसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं दिया गया, जबकि पार्टी नेता राहुल गांधी ने उन्हें इसका आश्वासन दिया था। भागीरथ मांझी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह चार दिनों तक दिल्ली में रुके, जहां उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और आवश्यक दस्तावेज जमा किए, लेकिन अंततः उन्हें टिकट नहीं मिला। उन्होंने कहा, "मैंने राहुल गांधी से विधानसभा चुनाव के लिए टिकट मांगा था। उन्होंने मुझे भरोसा दिलाया था कि मुझे टिकट मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैंने बाराचट्टी या बोधगया सीट से टिकट मांगा था। बाकी सभी लोगों को टिकट मिल गया, लेकिन मुझे नहीं मिला।"

राहुल गांधी ने इस साल जून में गया से करीब 40 किलोमीटर दूर स्थित गेहलौर गांव में दशरथ मांझी स्मारक का दौरा किया था और 'माउंटेन मैन' की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की थी। गांधी ने उस दौरान मांझी के परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की थी। उनकी यात्रा के कुछ दिन बाद ही कांग्रेस नेता ने मांझी परिवार के लिए गांव में एक पक्के मकान के निर्माण की व्यवस्था भी कराई थी।

भागीरथ मांझी ने पिछले वर्ष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जद(यू) छोड़ दी थी और इसी साल फरवरी में कांग्रेस में शामिल हुए थे। पार्टी में शामिल होने के तुरंत बाद उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा भी सार्वजनिक रूप से जताई थी। इस पूरे मामले पर टिप्पणी करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश ने कहा, "यह कांग्रेस नेताओं, विशेष रूप से राहुल गांधी की दलित विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। राहुल गांधी ने भागीरथ को टिकट देने का वादा किया था, लेकिन उसे निभाया नहीं।"

भारतीय वायुसेना निर्मलजीत सिंह सेखों को श्रद्धांजलि के रूप में मैराथन का आयोजन करेगी

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय वायुसेना ने बुधवार को कहा कि वह 1971 के युद्ध नायक और परमवीर चक्र से सम्मानित फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो नवंबर को दिल्ली और देश भर में 60 अन्य स्थानों पर मैराथन का आयोजन करेगी।

लुधियाना में जन्मे सेखों ने 1971 के भारत–पाक युद्ध के दौरान दिसंबर में श्रीनगर हवाई अड्डे पर हमला करने वाले पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों से मुकाबला करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। सेखों को उनकी वीरता और राष्ट्र सेवा के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। वह यह सम्मान पाने वाले भारतीय वायुसेना के एकमात्र अधिकारी हैं। वायुसेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "नभः स्पृशं दीप्तम् , भारतीय वायुसेना के इस प्रेरक आदर्श वाक्य के साथ हम गर्व से 'सेखों भारतीय वायुसेना मैराथन 2025' की घोषणा करते हैं।

यह दौड़ परमवीर चक्र से सम्मानित निर्मलजीत सिंह सेखों को समर्पित है, जिन्होंने हमारे देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।" दिल्ली में यह आयोजन स्थल जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) स्टेडियम होगा। इसके अलावा पूरे भारत में 60 स्थानों पर यह आयोजन होगा।

गोवा के मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय कैंसर सम्मेलन में एकीकृत उपचार और देखभाल सेवाओं की वकालत की

पणजी, (भाषा) गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कैंसर के उपचार में पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा को एकीकृत करने तथा देखभाल सेवाओं को मजबूत करने के महत्व को रेखांकित किया। पिछले सप्ताहांत आयोजित 'इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी' (आईएएसओ नैटकॉन 2025) के 38वें राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए सावंत ने कहा कि राज्य ने आयुर्वेद, योग और आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत ऑन्कोलॉजी में अग्रणी कदम उठाए हैं। पणजी के निकट गोकर्मा ऑन्कोलॉजी एसोसिएशन द्वारा आयोजित चार दिवसीय सम्मेलन का विषय था 'ऑन्कोवॉयजः समुद्र से शिखर तक, कैंसर सर्जरी की दिशा में आगे बढ़ना'। इस सम्मेलन में देश और विदेश के प्रमुख कैंसर रोग विशेषज्ञ, सर्जन, अनुसंधानकर्ता और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर एकत्रित हुए। सावंत ने कहा कि टाटा मेमोरियल सेंटर के एसीटीआरईसी (कैंसर उपचार, अनुसंधान और शिक्षा के लिए उन्नत केंद्र) के सहयोग से धारगल (उत्तरी गोवा) में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में स्थापित पहले संयुक्त एकीकृत ऑन्कोलॉजी क्लिनिक ने समग्र, रोगी–केंद्रित देखभाल में एक नया मानक स्थापित किया है। कैंसर के इलाज में देखभाल सुविधाओं के बढ़ते महत्व को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा जीवन को बढ़ाने में सफल रही है, लेकिन रोगियों के लिए जीवन की गरिमा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर भी समान ध्यान दिया जाना चाहिए। सावंत प्रशिक्षित आयुर्वेद चिकित्सक हैं। मुख्यमंत्री ने देखभाल सेवाओं में लगे स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और कोंकण क्षेत्र में कैंसर देखभाल के विकेंद्रीकरण के प्रयासों के लिए गोकर्मा ऑन्कोलॉजी एसोसिएशन की सराहना की। उद्घाटन समारोह में उपस्थित राज्यसभा सदस्य और भाजपा की गोवा इकाई के अध्यक्ष सदानंद शेट तानावडे ने कैंसर विशेषज्ञों की सेवा के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की और इसे "राष्ट्र निर्माण का एक सच्चा कार्य" बताया।

एआई–निर्मित सामग्री को दर्शाने से डिजिटल पारदर्शिता सुनिश्चित होगीः विशेषज्ञ

नयी दिल्ली, (भाषा) कृत्रिम मेधा (एआई) से तैयार सामग्री को स्पष्ट रूप से चिह्नित करने और बड़े सोशल मीडिया मंचों की जवाबदेही तय करने वाले प्रस्तावित सूचना प्रौद्योगिकी नियमों को विशेषज्ञों ने बुधवार को डिजिटल पारदर्शिता और भरोसे की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। विशेषज्ञों ने कहा कि नियमों में संशोधन होने पर एआई से तैयार सामग्री को चिह्नित करने और पहचान के निशान अनिवार्य करने से उपयोगकर्ताओं को कृत्रिम एवं वास्तविक सामग्री में फर्क करने में मदद मिलेगी। ईवाई इंडिया में साझीदार और प्रौद्योगिकी सलाहकार प्रमुख महेश मखीजा ने कहा, "ये कदम कारोबार जगत को नवाचार करने और एआई को जिम्मेदारी से अपनाने का भरोसा देंगे। इसका अगला चरण कार्यान्वयन के लिए स्पष्ट मानक तय करना और सरकार एवं उद्योग के बीच सहयोगी ढांचा विकसित करने का होना चाहिए।" ग्रांट थॉर्नटन भारत में साझीदार अक्षय गर्कल ने कहा कि यह संशोधन डीपफेक प्रौद्योगिकी के बेहद विश्वसनीय होते जाने के साथ समय पर उठाया गया और जरूरी कदम है। उन्होंने कहा, "यह देखकर अच्छा है कि सरकार और कानून–प्रवर्तन एजेंसियां इस खतरे को गंभीरता से ले रही हैं और इसे रोकने के लिए सक्रिय हैं।" केंद्र सरकार ने बुधवार को आईटी नियमों में संशोधन का प्रस्ताव पेश किया है। इसमें एआई से तैयार या फेरबदल की गई सामग्री को स्पष्ट रूप से दर्शाना अनिवार्य होगा। इसके साथ 50 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं वाले बड़े सोशल मीडिया मंचों पर कृत्रिम जानकारी को पहचानने और चिह्नित करने की जिम्मेदारी भी बढ़ाई जाएगी।

खाद्य तेल नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण अभियान चलाएगी सरकार

नयी दिल्ली, (भाषा) खाद्य सुरक्षा से जुड़े अहम क्षेत्र खाद्य तेल उद्योग में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए सरकार ने बुधवार को कहा कि वह नए नियामकीय आदेशों के अनुपालन की जांच के लिए देशभर में निरीक्षण अभियान शुरू करेगी। खाद्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि ये निरीक्षण जांच हाल ही में संशोधित एक आदेश के तहत की जाएंगी, जिसमें खाद्य तेल बनाने, प्रसंस्करण करने और बेचने वाली सभी इकाइयों को पंजीकरण कराना होगा और हर महीने उत्पादन का ब्योरा देना अनिवार्य किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि यह कदम नियमों का पालन नहीं करने वाली इकाइयों पर कार्रवाई के लिए है। इसका उद्देश्य अनुपालन की गंभीरता को सुदृढ़ करना और खाद्य तेल क्षेत्र के राष्ट्रीय डेटा तंत्र की विश्वसनीयता को बनाए रखना है। संशोधित 'वनस्पति तेल उत्पाद, उत्पादन एवं उपलब्धता (नियमन) आदेश, 2025' के तहत खाद्य तेल कंपनियों को राष्ट्रीय एकल खिड़की व्यवस्था (एनएसडब्ल्यूएस) पर अपना पंजीकरण कराना होगा और उन्हें एडिबलऑयलइंडिया.इन के पोर्टल पर मासिक रिपोर्ट भी जमा करनी होगी। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि इन प्रावधानों का पालन नहीं करने वाली खाद्य तेल कंपनियों के खिलाफ संशोधित आदेश और सांख्यिकी संकलन अधिनियम, 2008 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरकार का यह कदम ऐसे समय आया है जब भारत खाद्य तेल की अपनी घरेलू मांग पूरी करने के लिए आयात पर बहुत निर्भर है। देश हर साल 1.4 करोड़ टन से अधिक खाद्य तेल का आयात करता है, जिनमें प्रमुख रूप से इंडोनेशिया एवं मलेशिया से पाम तेल और अर्जेंटीना एवं ब्राजील से सोया तेल मंगाया जाता है। मंत्रालय ने बताया कि बड़ी संख्या में खाद्य तेल इकाइयों ने पहले ही पोर्टल पर पंजीकरण करा लिया है जिससे यह संकेत मिलता है कि उद्योग इस नियामकीय बदलाव में सहयोग कर रहा है। सरकार का कहना है कि यह व्यवस्था खाद्य तेल क्षेत्र में वास्तविक समय में निगरानी सुनिश्चित करेगी और नीतिगत हस्तक्षेप की क्षमता को बेहतर बनाएगी। मंत्रालय ने इसे भारत की खाद्य सुरक्षा अवसंरचना में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

एक गुर्दे के साथ पैदा हुए बच्चे उचित देखभाल से रह सकते हैं स्वस्थः विशेषज्ञ

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत में बाल स्वास्थ्य से जुड़े विशेषज्ञों ने लोगों में उम्मीद जगाते हुए कहा कि केवल एक गुर्दे के साथ जन्म लेने वाले बच्चे उचित देखभाल और नियमित निगरानी और माता–पिता के पूर्ण समर्थन से पूरी तरह स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। इस स्थिति को चिकित्सकीय भाषा में 'यूनिलेटरल रीनल एजेनेसिस' कहा जाता है। विश्व स्तर पर लगभग 1,000 में से एक शिशु केवल एक गुर्दे के साथ पैदा होता है जबकि 1,000 में से एक शिशु ऐसा भी जन्म लेता है, जिसके शरीर में होते दो गुर्दे हैं लेकिन केवल एक ही ठीक से काम कर रहा होता है। यह निदान हालांकि शुरू में चिंता का विषय हो सकता है लेकिन चिकित्सा पेशेवरों ने इस बात पर जोर दिया कि एक स्वस्थ गुर्दा, दो के मुकाबले भी सही से काम करने में सक्षम है। विशेषज्ञों ने बताया कि शरीर में काम रहा एक गुर्दा अक्सर क्षतिपूर्ति की बड़ी जिम्मेदारी संभालता है, जिसे 'कंपन्सेटरी हाइपरट्रॉफी' कहते हैं। गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में बाल शल्य चिकित्सा और बाल मूत्रविज्ञान विभाग के निदेशक डॉ. संदीप कुमार सिन्हा ने बताया, "जब माता–पिता को पता चलता है कि उनके बच्चे के शरीर में एक ही गुर्दा है, तो वे अक्सर चिंतित हो जाते हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि इनमें से अधिकांश बच्चे बिना किसी जटिलता के बड़े हो जाते हैं।" उन्होंने बताया, "नियमित जांच और जीवनशैली में कुछ सावधानियों के साथ वे अन्य बच्चों की तरह ही गतिविधियों और अवसरों का आनंद ले सकते हैं।" प्रसवपूर्व इमेजिंग के क्षेत्र में हुई प्रगति के कारण अब कई मामलों का पता बच्चे के जन्म से पहले ही चल जाता है, जिससे परिवार पहले दिन से ही उचित देखभाल के लिए तैयारी कर सकते हैं। बाल रोग विशेषज्ञ रक्तचाप और मूत्र प्रोटीन के स्तर की वार्षिक जांच की सलाह देते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि गुर्दा लंबे समय तक स्वस्थ रहे। ये जांचें किडनी पर पड़ने वाले तनाव के शुरुआती लक्षणों, जैसे प्रोटीन रिसाव या उच्च रक्तचाप, का पता लगाने में मदद करती हैं, जिनका समय पर पता चलने पर प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया जा सकता है। डॉ. सिन्हा ने बताया, "नियमित निगरानी जरूरी है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बच्चों को सावधानी नहीं बरतनी होगी।" एक गुर्दे वाले बच्चों को आमतौर पर विशेष आहार या प्रतिबंधों की आवश्यकता नहीं होती है। चिकित्सकों के अनुसार, अधिकांश खेल सुरक्षित हैं हालांकि मार्शल आर्ट जैसे खेलों में सुरक्षात्मक उपकरणों या चिकित्सा मार्गदर्शन की आवश्यकता हो सकती है। फुटबॉल, तैराकी और साइकिलिंग जैसी गतिविधियों को आम तौर पर प्रोत्साहित किया जाता है क्योंकि ये शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं।

इजराइल अमेरिका का कोई संरक्षित देश नहीं है: बेंजामिन नेतन्याहू

तेल अवीव, (एपी) अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ गाजा के संवेदनशील युद्धविराम समझौते की प्रगति पर चर्चा करने से पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को अपना रुख कड़ा करते हुए घोषणा की कि उनका देश अपनी सुरक्षा का स्वयं जिम्मेदार है और वह अमेरिका संरक्षित देश नहीं है। वेंस के साथ बैठक से पहले नेतन्याहू द्वारा की गयी टिप्पणी का उद्देश्य जनता की इस चिंता को कम करना प्रतीत होता है कि गाजा में एक अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की उपस्थिति, भविष्य के खतरों को विफल करने के लिए उस क्षेत्र में हमला करने की इजराइल की क्षमता को सीमित कर सकती है। बैठक में जाने से पहले नेतन्याहू ने अपने कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा, ''हम अमेरिका के संरक्षित देश नहीं हैं। अपनी सुरक्षा का फैसला इजराइल ही करेगा।'' बैठक शुरू होने से पहले पत्रकारों के साथ बाचतीत में वेंस ने माना कि शांति की राह में बड़ी बाधाएं हैं। हालांकि उन्होंने उस उत्साहपूर्ण लहजे को बनाए रखने की कोशिश की, जो उन्होंने मंगलवार को इजराइल पहुंचने पर व्यक्त किया था। वेंस ने कहा, ''हमारे सामने एक बहुत ही कठिन काम है: हमास को निरस्त्र करना और गाजा के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए गाजा का पुनर्निर्माण करना। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना कि हमास अब हमारे इजराइली दोस्तों के लिए खतरा न रहे। यह आसान नहीं है।'' अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा, ''अभी बहुत काम करना बाकी है, लेकिन मैं अपनी स्थिति को लेकर बहुत आशावादी हूं।'' वेंस बुधवार को इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्ज़ोग से भी मुलाकात करेंगे। उनके साथ पश्चिम एशिया के लिये अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर भी हैं। गाजा में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की तैनाती और उस क्षेत्र पर शासन कौन करेगा, इस पर अनिश्चितता बनी हुई है। वेंस ने मंगलवार को कहा कि अधिकारी सुरक्षा बल की संरचना पर विचार–विमर्श कर रहे हैं। उन्होंने तुर्की और इंडोनेशिया जैसे देशों से सैनिकों की तैनाती की उम्मीद जताई। इस बीच, इज़राइल ने कहा कि उसने दो और बंधकों के शवों की पहचान पूरी कर ली है, जिन्हें रेड क्रॉस ने मंगलवार को गाजा में इजराइली सेना को सौंप दिया था। अधिकारियों ने मृत बंधकों की पहचान एरी ज़लमानोविच और तामीर अदार के रूप में की, जो सात अक्टूबर, 2023 को हमास आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले के दौरान किबुत्ज़ नीर ओज़ में मारे गए थे । इस हमले के बाद दो साल का युद्ध शुरू हुआ था। दस अक्टूबर को युद्धविराम शुरू होने के बाद से, 15 बंधकों के अवशेष इज़राइल को लौटा दिए गए हैं। तेरह अन्य बंधकों को अब भी गाजा में बरामद करके उन्हें सौंपना बाकी है, जो युद्धविराम समझौते का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस बीच, गाजा के दीर अल बलाह स्थित एक कब्रिस्तान में बुधवार को 54 फलस्तीनियों को दफनाया जाएगा। दफनाने से पहले, खान यूनिस स्थित नासिर अस्पताल के बाहर शवों को प्रदर्शित किया गया।

रिजर्व बैंक का स्वर्ण भंडार सितंबर तक 880 टन के पार

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय रिजर्व बैंक का स्वर्ण भंडार वित्त वर्ष 2025–26 की पहली छमाही में 880 टन के स्तर को पार कर गया। इस भंडार में केंद्रीय बैंक ने सितंबर के अंतिम सप्ताह में 0.2 टन सोना जोड़ा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 26 सितंबर, 2025 तक सोने का कुल मूल्य 95 अरब डॉलर था। बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच, हाल के महीनों में सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने की मांग में वृद्धि हुई है। सितंबर में समाप्त छमाही में, रिजर्व बैंक ने 0.6 टन (600 किलोग्राम) सोना खरीदा। रिजर्व बैंक के नवीनतम बुलेटिन के अनुसार, सितंबर और जून में क्रमशः कुल 0.2 टन (200 किलोग्राम) और 0.4 टन (400 किलोग्राम) सोना खरीदा गया। रिजर्व बैंक के पास कुल स्वर्ण भंडार सितंबर के अंत तक बढ़कर 880.18 टन हो गया, जो वित्त वर्ष 2024–25 के अंत तक 879.58 टन था। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान, रिजर्व बैंक ने 54.13 टन सोना जोड़ा था। बुलेटिन में कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक और भू–राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमतों में वृद्धि हुई है, जिसने सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी को प्रोत्साहित किया और केंद्रीय बैंकों और निवेशकों द्वारा वित्तीय परिसंपत्ति के रूप में सोने की निरंतर मांग ने घरेलू कीमतों में वृद्धि को बढ़ावा दिया। बुलेटिन में यह भी कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर, केंद्रीय बैंकों ने आधिकारिक भंडार में 166 टन सोना जोड़ा, जिससे इसकी मांग में और वृद्धि हुई। तीसरी तिमाही में सोने की कीमतें ऊंची रहीं, सितंबर में सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गईं।

अमेरिका में एच1बी वीजाधारकों के 'स्टेटस' बदलवाने या प्रवास अवधि बढ़वाने पर नहीं लगेगा शुल्क

न्यूयॉर्क, (भाषा) अमेरिका में एच–1बी वीजा आवेदनों पर ट्रंप प्रशासन की ओर से लगाया गया एक लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क ऐसे आवेदकों पर लागू नहीं होगा, जो अपने 'स्टेटस' में बदलाव कराना चाहते हैं या फिर प्रवास की अवधि बढ़वाना चाहते हैं। नए दिशानिर्देशों में यह जानकारी दी गई है।अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) द्वारा सोमवार को जारी दिशानिर्देशों में 'कुछ गैर–आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 19 सितंबर के आदेश में दी गई छूट को स्पष्ट किया गया है। ट्रंप की घोषणा के तहत नए एच1–बी वीजा के लिए शुल्क बढ़कर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 88 लाख रुपये) हो जाएगा। यूएससीआईएस ने कहा, "यह आदेश पहले जारी किए गए और वर्तमान में मान्य एच–1बी वीजा, या 21 सितंबर, 2025 को रात 12:01 बजे से पहले जमा किए गए किसी भी आवेदन पर लागू नहीं होगा।" यूएससीआईएस ने यह भी बताया कि इस आदेश में किसी भी मौजूदा एच1–बी धारक के अमेरिका में आने–जाने पर रोक नहीं है। यूएससीआईएस ने कहा, "यह आदेश 21 सितंबर, 2025 को रात 12:01 बजे या उसके बाद किए गए उस आवेदन पर भी लागू नहीं होगा, जिसमें आवेदक ने अपने 'स्टेटस' में बदलाव कराने या फिर प्रवास की अवधि बढ़वाने की इच्छा जताई है।" यूएससीआईएस ने स्पष्ट किया कि यह शुल्क "स्टेटस में परिवर्तन" के मामलों पर लागू नहीं होता है, जहां व्यक्ति देश छोड़े बिना ही श्रेणी बदल लेता है, जैसे कि एफ–1 छात्र की स्थिति से एच–1बी की स्थिति में जाना। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित आदेश में एच1–बी वीजा के लिए शुल्क को बढ़ाकर प्रतिवर्ष 100,000 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया है, जिससे अमेरिका में वीजा प्राप्त भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। यूएससीआईएस के अनुसार, हाल के वर्षों में स्वीकृत सभी एच–1बी आवेदनों में से लगभग 71 प्रतिशत भारतीय हैं। कंपनियां एच–1बी आवेदकों को प्रायोजित करने के लिए भुगतान करती हैं। ये दिशानिर्देश अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा ट्रंप प्रशासन के शुल्क लगाने के निर्णय के विरुद्ध मुकदमा दायर करने के कुछ दिनों बाद जारी किए गए हैं। चैंबर ने इसे "भ्रामक नीति और स्पष्ट रूप से गैरकानूनी" कार्रवाई बताया है, जो अमेरिकी नवाचार और प्रतिस्पर्धा को कमजोर कर सकती है। कोलंबिया की एक अदालत में 16 अक्टूबर को दायर मुकदमे में इस आदेश को चुनौती दी गई और कहा गया कि यह राष्ट्रपति के वैध अधिकार का अतिक्रमण है।

यूको बैंक मार्च तक 150 और शाखाएं खोलेगा

नयी दिल्ली, (भाषा) सार्वजनिक क्षेत्र का यूको बैंक अपनी उपस्थिति और कारोबार का विस्तार करने के लिए अगले पांच माह में 150 और शाखाएं खोलने की योजना बना रहा है। वर्तमान में, कोलकाता स्थित इस ऋणदाता की देश भर में 3,322 शाखाएं हैं और 150 शाखाओं के जुड़ने से, चालू वित्त वर्ष के अंत तक इसका नेटवर्क बढ़कर 3,472 हो जाएगा। यूको बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अश्विनी कुमार ने दूसरी तिमाही के आंकड़ों की मंजूरी के बाद एक कॉल के दौरान कहा कि बोर्ड ने मार्च तक 150 और शाखाएं खोलने को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि बैंक, शाखाओं के माहौल को बेहतर बनाने पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि आईटी, डिजिटल और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में और अधिक कुशल कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी। सितंबर, 2025 तक, बैंक के कुल कर्मचारियों की संख्या 21,266 है। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त दूसरी तिमाही में, यूको बैंक ने शुद्ध लाभ में तीन प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो एक वर्ष पहले की समान तिमाही के 603 करोड़ रुपये के मुकाबले 620 करोड़ रुपये रहा। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की कुल आय 7,071 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,421 करोड़ रुपये हो गई। बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 6,537 करोड़ रुपये हो गई, जो एक वर्ष पहले इसी तिमाही में 6,078 करोड़ रुपये थी।

जेएलआर पर साइबर हमले से अब तक 1.9 अरब पाउंड का नुकसान: रिपोर्ट

लंदन, (भाषा) टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली लक्जरी कार कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) पर हाल में हुए साइबर हमले को ब्रिटेन का अब तक का सबसे नुकसानदेह साइबर हादसा माना जा रहा है। इस हमले से ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को करीब 1.9 अरब पाउंड का नुकसान हुआ जबकि 5,000 से अधिक व्यवसाय प्रभावित हुए थे। ब्रिटेन में साइबर घटनाओं का स्वतंत्र मूल्यांकन करने वाले साइबर मॉनिटरिंग सेंटर (सीएमसी) ने जेएलआर साइबर हमले को तीसरे दर्जे की प्रणालीगत घटना के रूप में वर्णित किया है। सीएमसी पांच अंक के पैमाने पर साइबर हमलों को परखती है। सीएमसी का कहना है कि इस हमले ने जेएलआर के विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला और वितरक नेटवर्क में भारी व्यवधान पैदा किया। जगुआर लैंड रोवर के उत्पादन संयंत्र पर हमला अगस्त के अंत में हुआ था और सितंबर के पूरे महीने में उत्पादन बंद रहा। जेएलआर ने सीएमसी के इस दावे पर कोई सीधी प्रतिक्रिया न करते हुए कहा कि वह चरणबद्ध तरीके से इसके संचालन को बहाल कर रही है। सीएमसी ने एक बयान में कहा, ''हमारे मूल्यांकन मॉडल से यह अनुमान लगता है कि इस हमले से जेएलआर को 1.6 अरब से 2.1 अरब पाउंड तक का नुकसान हुआ है। लेकिन यदि उत्पादन बहाली में ज्यादा देरी होती है या तकनीकी प्रणाली पर इस हमले का गहरा असर पड़ा है, तो यह नुकसान और भी बढ़ सकता है।'' इसके अलावा हमले का असर कंपनी के कर्मचारियों और कलपुर्जों की आपूर्ति करने वाली इकाइयों पर भी पड़ा है। कई आपूर्तिकर्ताओं ने तनख्वाह कम करने, काम के घंटे घटाने और कर्मचारियों को नौकरी से हटाने जैसे कदम उठाए। सीएमसी ने आशंका जताई है कि इन गतिविधियों से मानसिक और सामाजिक प्रभाव भी हो सकते हैं। उसने कहा कि यह विश्लेषण वित्तीय नुकसान के साथ साइबर हमले के समाज और अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर को भी उजागर करता है।

इस बार दिवाली पर बिजली खपत में कमी; पिछले साल की तुलना में अधिकतम मांग में गिरावट

नयी दिल्ली, (भाषा) देश में दिवाली के दिन बिजली की अधिकतम मांग या बिजली की सबसे ज़्यादा आपूर्ति इस बार पिछले साल की तुलना में थोड़ी कम रही, जिससे त्योहार के दौरान आम रुझान में गिरावट देखने को मिली। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को बिजली की अधिकतम मांग घटकर 180.14 गीगावाट रह गई, जो पिछले साल 31 अक्टूबर, 2024 को दिवाली के दिन अधिकतम मांग 182.87 गीगावाट थी। आमतौर पर, दिवाली पर घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं द्वारा लाइट और अन्य उपकरणों के अत्यधिक उपयोग के कारण बिजली की खपत के साथ–साथ मांग भी बढ़ जाती है क्योंकि लोग अपने घरों, दुकानों और कार्यालयों के हर कोने को सजाते हैं। इस बार पूरे देश में त्योहार अलग–अलग मनाया गया, उत्तरी क्षेत्र के लोगों ने सोमवार को और पश्चिमी और अन्य हिस्सों के लोगों ने मंगलवार को त्योहार मनाया। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को देश की कुल बिजली खपत घटकर 396.5 करोड़ यूनिट रह गई, जबकि एक साल पहले इसी दिन 406.2 करोड़ यूनिट बिजली की खपत दर्ज की गई थी। अधिकतम बिजली की मांग 176.50 गीगावाट दर्ज की गई, जबकि खपत 3,862 करोड़ यूनिट रही।

टाटा मोटर्स ने त्योहारों के दौरान एक लाख से अधिक यात्री वाहनों की आपूर्ति की

नयी दिल्ली, टाटा मोटर्स पैसेंजर वेहिकल्स लिमिटेड ने नवरात्रि से दिवाली तक 30 दिन में एक लाख से अधिक वाहनों की आपूर्ति की, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है। टाटा मोटर्स पैसेंजर वेहिकल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शैलेश चंद्रा ने बयान में कहा कि सबसे अधिक आपूर्ति एसयूवी की गई। साथ ही इलेक्ट्रिक वाहन खंड में भी मजबूती बनी रही। उन्होंने कहा, '' नवरात्रि से दिवाली तक 30 दिन की अवधि में हमने एक लाख से अधिक वाहनों की आपूर्ति (डिलिवरी) के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 33 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि को दर्शाता है।''

सरकार इस्पात आयात के मुद्दों पर चर्चा के लिए खुला सत्र आयोजित करेगी

नयी दिल्ली, (भाषा) सरकार ने इस्पात आयात से संबंधित मुद्दों पर उद्योग के हितधारकों के साथ चर्चा के लिए एक खुले सत्र का आयोजन करने की घोषणा की। इस्पात मंत्रालय ने बयान में कहा कि कंपनियां और संगठन राष्ट्रीय राजधानी में 27 अक्टूबर को होने वाले खुले सत्र में अपने मुद्दे प्रस्तुत कर सकते हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब घरेलू कंपनियां सस्ते आयात के कारण अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित होने की शिकायत कर रही हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने भी कहा है कि इस्पात आयात में वृद्धि हुई है, जिसका मुख्य कारण आयात कीमतें कम होना है। आरबीआई ने घरेलू इस्पात उत्पादन की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए नीतिगत समर्थन का भी आह्वान किया है। रिजर्व बैंक के अक्टूबर बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, "वैश्विक उत्पादकों द्वारा सस्ते इस्पात की डंपिंग से घरेलू इस्पात उत्पादन के लिए जोखिम पैदा हो सकता है, जिसे उपयुक्त नीतिगत उपायों के माध्यम से कम किया जा सकता है।"

एनएचएआई 23 राज्यों में फुटपाथ की स्थिति के बारे में आंकड़े जुटाने को सर्वे वाहन तैनात करेगा

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने बुधवार को कहा कि वह यात्रियों के सफर के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों के विभिन्न हिस्सों की सड़क सूची और फुटपाथ की स्थिति के आंकड़ों के संग्रह, प्रसंस्करण और विश्लेषण के लिए 23 राज्यों में 20,933 किलोमीटर की दूरी तय करने वाले नेटवर्क सर्वेक्षण वाहन (एनएसवी) तैनात करेगा। एक सरकारी बयान के अनुसार, एनएसवी सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़े सड़क की स्थिति में कमियों को उजागर करेंगे, जिससे एनएचएआई राष्ट्रीय राजमार्गों के बेहतर रखरखाव के लिए सुधारात्मक उपाय करने के लिए प्रेरित होगा। एनएसवी सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों को एनएचएआई के एआई–आधारित पोर्टल डेटा लेक पर अपलोड किया जाएगा, जहां एनएचएआई के विशेषज्ञों की एक समर्पित टीम द्वारा आंकड़ों को ज्ञान और बाद में कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि में बदलने के लिए इसका विश्लेषण किया जाएगा। अंततः, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार नियमित अंतराल पर एकत्र किए गए आंकड़ों को भविष्य के तकनीकी उद्देश्यों के लिए निर्धारित प्रारूपों में सड़क परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणाली में संरक्षित किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि एनएसवी के साथ 2/4/6 और आठ लेन वाली सभी परियोजनाओं के लिए काम शुरू होने से पहले और उसके बाद छह महीने के नियमित अंतराल पर डेटा एकत्र किया जाएगा।

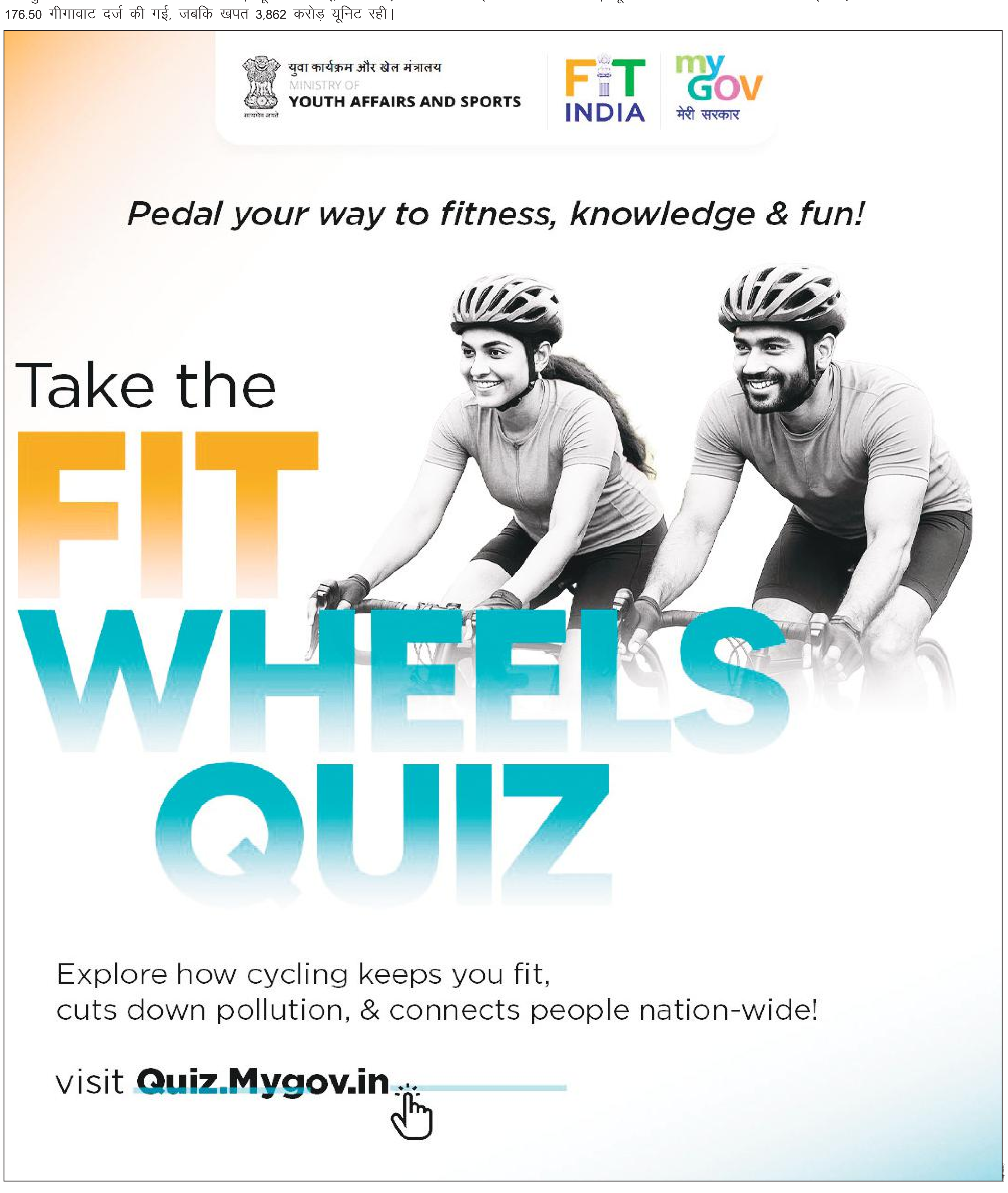

NESTS Showcases Educational and Cultural Innovations; GI-Tagged Painting Album and Academic Diaries Launched

New Delhi, Focus News: The National Education Society for Tribal Students (NESTS) organized a special event today, at its Headquarters in New Delhi, to showcase its Knowledge Management, Capacity Building, Educational and Cultural Initiatives. Shri Vibhu Nayar, Secretary, Ministry of Tribal Affairs, released GI-Tagged Tribal Painting Compilation along with the Diaries for Teachers/Students/Class Monitors and Compendiums of Circulars for Eklavya Model Residential Schools (EMRSs). In a unique initiative, EMRS students showcased their talent by bringing out to life, the GI tagged paintings. To commemorate this initiative, a GI-Tagged Painting Album — Canvas of Tribal Culture was released. An exhibition of these paintings is scheduled to be held in November 2025. NESTS is introducing diaries for streamlining the monitoring of Academic and other activities. Teacher Diary promotes reflective teaching, enabling educators to track progress, plan lessons effectively and strengthen professional growth. The Student Diary aims to cultivate the habit of recording daily academic and co-curricular activities, fostering reflection and self-discipline. The Class Monitor Diary encourages leadership, accountability and teamwork among students. NESTS have been issuing various circulars for school management, Administration, Academic, Construction etc. These circulars have been consolidated in the form of compendium in two different volumes; Volume I of Construction and Volume I of all other circulars. In addition, Sh Asad Ahmad, Principal EMRS Chhuri Kala, Chattisgarh was felicitated with National Recognition Certificate for 2024-25 as best teacher of EMRS. Shri Praveen Kumar Mishra, Principal of EMRS Butyagudam, the recipient of the cleanest residential school award under the Swachh Andhra–Swarn Andhra initiative, was felicitated for his achievement. A detailed presentation was made to Shri Vibhu Nayar, by Commissioner NESTS, highlighting NESTS' major initiatives including the introduction of skill-based subjects, the Tribal Corner initiative, student participation and selection in the Rashtriya Bal Vaigyanik Pradarshani and the INSPIRE–MANAK Scheme, and updates from the Finance & Civil Departments on construction progress and fund utilization. Addressing officers of NESTS, Shri Vibhu Nayar noted with satisfaction the innovative and culturally responsive initiatives, emphasizing that such efforts foster holistic education, nurture creativity, and instil pride in tribal heritage among students. He lauded the collaborative spirit of NESTS officials, EMRS Principals, and teachers for their continuous efforts in strengthening the educational foundation of tribal youth across the country.

Ministry of Steel to hold Open House on Steel Import Issues on 27th October

New Delhi, Focus News: Ministry of Steel will be conducting Open House to discuss issues related to import of steel on 27thOctober, 2025 in Steel Room, Udyog Bhavan, New Delhi. Companies and associations may present their issues related to above subjects in the Open House.To participate in the Open House e-mails may be sent on tech-steel[at]nic[dot]in for getting a confirmed time slot on above date. While sending the e-mail, following information may be included :

Name of the Company/Association

Issue is related to SIMS/NOC/QCO/others

Name and designation of the participant (third party representation not allowed)

Reference of SIMS/NOC application, if any

Type of industry and product – Auto/Aerospace/Telecom/ Defence, etc.

Issue in brief (maximum 50 words)

Contact details of the nodal person (mobile number and e-mail)

The Open House will be conducted from 12:00 noon to 6:00 pm and specific time slots will be indicated via e-mail. Walk-ins will not be possible due to logistic challenges and only one representative per organisation is permitted to ensure wider participation.

It is advised that any company or association having issues related to import of steel may send their request on the above e-mail to get confirmed time-slots by 11:00 am of 24thOctober, 2025.

INDEX OF EIGHT CORE INDUSTRIES (BASE YEAR: 2011-12=100) FOR SEPTEMBER, 2025

New Delhi, Focus News: The combined Index of Eight Core Industries (ICI) increased by 3.0 per cent (provisional) in September, 2025 as compared to the Index in September, 2024. The production of Steel, Cement, Electricity and Fertilizer recorded positive growth in September, 2025. The details of annual indices, monthly indices and growth rates are provided at Annex I and Annex II. The ICI measures the combined and individual performance of production of eight core industries viz. Coal, Crude Oil, Natural Gas, Refinery Products, Fertilizers, Steel, Cement and Electricity. The Eight Core Industries comprise 40.27 percent of the weight of items included in the Index of Industrial Production (IIP). The final growth rate of Index of Eight Core Industries for August 2025 was observed at 6.5 per cent. The cumulative growth rate of ICI during April to September, 2025-26 is 2.9 per cent (provisional) as compared to the corresponding period of last year. The summary of the Index of Eight Core Industries is given below: Coal - Coal production (weight: 10.33 per cent) declined by 1.2 per cent in September, 2025 over September, 2024. Its cumulative index declined by 0.7 per cent during April to September, 2025-26 over corresponding period of the previous year.

Crude Oil - Crude Oil production (weight: 8.98 per cent) declined by 1.3 per cent in September, 2025 over September, 2024. Its cumulative index declined by 1.1 per cent during April to September, 2025-26 over corresponding period of the previous year.

Natural Gas - Natural Gas production (weight: 6.88 per cent) declined by 3.8 per cent in September, 2025 over September, 2024. Its cumulative index declined by 2.9 per cent during April to September, 2025-26 over corresponding period of the previous year.

Petroleum Refinery Products - Petroleum Refinery production (weight: 28.04 per cent) declined by 3.7 per cent in September, 2025 over September, 2024. Its cumulative index declined by 0.3 per cent during April to September, 2025-26 over corresponding period of the previous year.

Fertilizers - Fertilizer production (weight: 2.63 per cent) increased by 1.6 per cent in September, 2025 over September, 2024. Its cumulative index declined by 0.4 per cent during April to September, 2025-26 over corresponding period of the previous year.

Steel - Steel production (weight: 17.92 per cent) increased by 14.1 per cent in September, 2025 over September, 2024. Its cumulative index increased by 11.0 per cent during April to September, 2025-26 over corresponding period of the previous year.

Cement - Cement production (weight: 5.37 per cent) increased by 5.3 per cent in September, 2025 over September, 2024. Its cumulative index increased by 7.7 per cent during April to September, 2025-26 over corresponding period of the previous year.

Electricity - Electricity generation (weight: 19.85 per cent) increased by 2.1 per cent in September, 2025 over September, 2024. Its cumulative index increased by 0.9 per cent during April to September, 2025-26 over corresponding period of the previous year.

Note 1: Data for August, 2025 is Final. Data for September, 2025 is Provisional. Index numbers of Core Industries are revised/finalized as per updated data from source agencies.

Note 2: Since April 2014, Electricity generation data from Renewable sources are also included.

Note 3: The industry-wise weights indicated above are individual industry weights derived from IIP and blown up on pro rata basis to a combined weight of ICI equal to 100.

Note 4: Since March 2019, a new steel product called Hot Rolled Pickled and Oiled (HRPO) under the item 'Cold Rolled (CR) coils' within the production of finished steel has also been included.

Note 5: Release of the index for October, 2025 will be on Thursday, 20th November, 2025.

MoCA celebrates 9th UDAN Anniversary

New Delhi, Focus News: Ministry of Civil Aviation is celebrating the 9th anniversary of the Regional Connectivity Scheme – UDAN (Ude Desh Ka Aam Nagrik). The main celebration was held in New Delhi, chaired by Secretary (Civil Aviation) and attended by Chairman, Airports Authority of India (AAI), Members, AAI and other senior officers of the Ministry. In his address, Civil Aviation Secretary Shri Samir Kumar Sinha, highlighted that the UDAN, launched on 21st October 2016 under the National Civil Aviation Policy, has been a transformational initiative aimed at making air travel affordable and accessible to the common citizen. The first UDAN flight, inaugurated by Prime Minister Shri Narendra Modi on 27th April 2017 between Shimla and Delhi, marked a new era in regional aviation connectivity. Under the scheme, 649 routes have been operationalized connecting 93 unserved and underserved airports, including 15 heliports and 2 water aerodromes, facilitating over 1.56 crore passengers through 3.23 lakh UDAN flights. To support airline operators and regional infrastructure, the Government has disbursed more than Rs. 4,300 crore as Viability Gap Funding (VGF) and invested Rs. 4,638 crore in airport development under RCS. A key recent initiative has been the introduction of Comprehensive Guidelines for Seaplane Operations in August 2024, and the launch of the UDAN 5.5, a special bidding round for seaplanes and helicopters. Under this round, Letters of Intent have been issued for 150 routes connecting 30 water aerodromes across various coastal and island regions. The Secretary reaffirmed the Ministry's commitment to continue the scheme beyond April 2027 through an Expanded UDAN Framework, focusing on connectivity with hilly, North-Eastern, and aspirational regions, and the development of around 120 new destinations. The UDAN is not just a scheme; it is a catalyst for change and a testament to India's commitment to making air travel inclusive, sustainable and an integral part of our development journey.

Coal India & IIT Madras Join Hands to Establish Centre for Sustainable Energy

New Delhi, Focus News: Coal India Limited (CIL), on Wednesday, signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Indian Institute of Technology Madras (IIT Madras) to establish the "Centre for Sustainable Energy" at the IIT Madras. The MoU was signed by Shri Achyut Ghatak, Director (Technical), CIL, and Shri V. Kamakoti, Director, IIT Madras, in the presence of Shri P.M. Prasad, Chairman, CIL, along with senior officials from both CIL and IIT Madras. The Centre will serve as a hub for cutting-edge R&D and capacity-building initiatives in sustainable energy technologies. Supported by CIL's funding and aligned with its strategic diversification goals, the Centre will focus on developing solutions for repurposing coal mines, creating low-carbon technologies, and reimagining coal as a valuable feedstock in India's clean energy future. This partnership underscores a shared commitment to leading India's energy transition through indigenous research, innovation, and technology development to achieve the nation's net-zero ambitions by 2070. Speaking on the occasion, Shri P.M. Prasad, Chairman, CIL, said that Coal India is transforming from being the nation's energy provider to becoming a key enabler of India's clean energy transition.

NHAI to Deploy Network Survey Vehicles across the country for over 20,000 km of National Highways

New Delhi, Focus News: To enhance the riding experience of the commuters on National Highways, NHAI will deploy Network Survey Vehicles (NSV) in 23 states covering 20,933 km for collection, processing and analysing Road inventory and Pavement condition data of National Highway stretches. The deployment of NSVs will enable NHAI to collect necessary data related to road inventory and pavement condition including all relevant road defects like surface cracking, potholes and patches etc. The data collected through NSV surveys will highlight deficiencies in road conditions, prompting NHAI to take corrective measures for better upkeep of National Highways. Data collected through NSV survey will be uploaded on NHAI's 'AI' based portal Data Lake, where it will be analysed by a dedicated team of experts at NHAI to transform data into knowledge and subsequent actionable insights. Finally, the data collected at regular intervals as per Government of India guidelines shall be preserved for future technical purposes in Road Asset Management system in prescribed formats.

PSA Prof. Ajay Kumar Sood launched 'AI Playbooks for Agriculture and SMEs' and 'AI Sandbox White Paper' to accelerate Responsible AI Adoption across India

New Delhi, Focus News: Prof. Ajay Kumar Sood, Principal Scientific Adviser (PSA) to the Government of India, released three publications under the AI for India 2030 initiative led by the Centre for the Fourth Industrial Revolution (C4IR) India, World Economic Forum (WEF). The release was announced in the presence of Shri S. Krishnan, Secretary, Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY), Shri S.C.L. Das, Secretary, Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), Dr. Parvinder Maini, Scientific Secretary, Office of the Principal Scientific Adviser (OPSA); and Mr. Anindya Banerjee, Advisor (Digital Infrastructure), Ministry of Agriculture. The three publications include:

'Future Farming in India: AI Playbook for Agriculture'

'Transforming Small Businesses: An AI Playbook for India's SMEs'

'Shaping the AI Sandbox Ecosystem for the Intelligent Age: White Paper'

Launched under the guidance of OPSA and MeitY, and driven by a multi-stakeholder Advisory Council, the AI for India 2030 initiative aims to develop frameworks with strategic and global relevance, placing responsible, inclusive, and scale-driven AI at the heart of India's digital economy. "India's AI journey is defined by transformation at the grassroots. These playbooks are timely and provide clear strategies for making AI inclusive and impactful, ensuring that technological advancements translate into real benefits for our farmers, entrepreneurs, and communities nationwide. I urge all stakeholders to work collectively in implementing these actionable roadmaps for the nation's growth. The convergence of multiple departments and initiatives reflected in these reports should translate into sustained momentum, and drive the wider adoption of AI across society," said PSA Prof. Sood.

The playbooks provide actionable roadmaps to deploy AI solutions for India's critical sectors, drawing on extensive field consultations, pilot projects, and input from government,

industry, start-ups, academic institutions, and farmer organisations. Each publication features a collaborative model that defines roles for government, industry and start-ups, and last-mile actors. Mr. Purushottam Kaushik, Head, C4IR India, WEF presented a brief summary and methodology of the released publications. "With these reports focusing on real sectors, we have a very good compendium that has come out through the participation of multiple stakeholders, showcasing a way forward. This playbook demonstrates how AI can be seamlessly woven into this transformation - unlocking new efficiencies, better decision-making, and greater prosperity for every farmer," added Shri Krishnan, Secretary, MeitY. The "Future Farming in India" playbook presents an outline to scale AI for millions of farmers, aiming to boost yields, manage risks, and improve market access. Its core is the IMPACT AI framework, which guides collaboration where governments enable through policy, industry creates solutions via sandboxes, and front-line workers deliver tools to farmers. Implementation leverages trusted local networks and regional languages to integrate AI advice seamlessly into daily farming decisions.

The "Transforming Small Businesses" playbook provides a strategic roadmap to help India's SMEs overcome challenges in productivity, credit access, and market reach by democratising AI. The IMPACT AI framework is also central to this approach, guiding businesses from Awareness through experience centres and sandboxes to Action with AI maturity index, AI marketplace, tools and financing, further leading to recognition by celebrating pioneers. This cluster-based approach aims to foster widespread, tangible AI adoption across the small business ecosystem. "The focus on MSMEs is both timely and strategic. AI use cases in these sectors are rapidly gaining momentum. Following these publications, we look forward to collaborating with industry partners and startups to translate these ideas into real-world implementations that directly benefit our small businesses," said Shri Das, Secretary, MSME.

"OPSA's Science and Technology (S&T) Clusters can play a pivotal role in advancing the implementation roadmap outlined in these reports. Leveraging their existing ecosystem, the clusters can support capacity building and knowledge dissemination, particularly in the early stages. Moreover, the upcoming International S&T Clusters Conference that is being organised by the Office in December 2025 could integrate a dedicated focus on AI to further drive convergence and collaboration in this domain," underlined Dr. Maini, Scientific Secretary, OPSA. "The potential of AI to transform agriculture is being widely accepted. We are exploring various AI applications in agriculture, including digital crop surveys where imaging and data can be integrated through AI to enhance accuracy and insights," said Mr. Banerjee. The AI Sandbox White Paper lays out strategic and operational frameworks for establishing controlled environments to test and scale AI, ensuring solutions are secure, reliable, and aligned to India's priorities.

Tribal Business Conclave 2025 to Empower Tribal Entrepreneurs and Drive Inclusive Growth

New Delhi, Focus News: Guided by the vision and inspiration of the Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi, who has consistently emphasized Janjatiya Gaurav and Vocal for Local as key pillars of India's development, the Tribal Business Conclave 2025 embodies the spirit of 'Sabka Saath, Sabka Vikas, Sabka Vishwas, aur Sabka Prayas.' On 17thOctober 2025, during the National Conclave on Adi Karmayogi Abhiyan, the Ministry of Tribal Affairs, in collaboration with the Ministry of Culture and Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT), announced the Tribal Business Conclave 2025, to be held on 12th November 2025 at Yashobhoomi, New Delhi.The event also witnessed the unveiling of the Conclave's logo, brochure, and digital assets, symbolizing the convergence of tradition, enterprise, and innovation. Anchored in the Prime Minister's vision of Aatmanirbhar Bharat and Viksit Bharat @2047, the Conclave aims to empower tribal entrepreneurs across India, fostering inclusive, innovation-led, and sustainable growth. It stands as a transformative milestone in India's development journey, where tribal entrepreneurship takes centre stage in the national growth narrative.

Commemorating the Legacy of Bhagwan Birsa Munda: The year 2025 marks the 150th birth anniversary of Bhagwan Birsa Munda, whose ideals of integrity, innovation, and self-reliance continue to inspire India's pursuit of justice and progress. The Conclave pays tribute to his enduring legacy and celebrates the synergy between traditional knowledge systems and modern entrepreneurial frameworks, supported by a series of year-long national initiatives.

A Whole-of-Government Approach : Jointly organized by the Ministry of Tribal Affairs, Ministry of Culture, and DPIIT, the Conclave epitomizes convergence and collaboration. It draws strength from the active participation of key ministries, MSME, Skill Development & Entrepreneurship, Textiles, DONER, MeitY, Food Processing Industries, Agriculture, and Rural Development, and is reinforced by the partnership of State Governments, playing a pivotal role in nurturing local entrepreneurial ecosystems. Key strategic partners include FICCI, PRAYOGI (PanIIT Alumni Reach for Gram Udyogi) Foundation, and Startup India, ensuring a strong platform for mentoring, investment, and incubation of tribal enterprises.

Key Highlights of the Conclave : Roots to Rise (Pitching Session): A unique platform for tribal entrepreneurs to pitch their business ideas to investors, CSR leaders, and government institutions for mentorship, funding, and incubation.

Knowledge Sessions: Engaging panels and masterclasses with industry leaders and policymakers on finance, branding, innovation, and capacity building.

CEO's Forum: A leadership dialogue on strategies for skilling, sustainability, innovation, and market access.

Exhibition & Pavilions: Showcasing over 100 tribal startups and micro-enterprises featuring crafts, agro-products, forest produce, and green technologies. Buyer–Seller Meets: Facilitating direct connections between tribal producers and corporate/government buyers to forge sustainable partnerships.

Empowering Tribal Entrepreneurs, Shaping the Future: The Tribal Business Conclave 2025 seeks to mainstream tribal entrepreneurship, expand branding and market access for indigenous products, and build capacities for sustainable enterprise development. It will catalyze smoother access to finance, strengthen market linkages, and open investment avenues for tribal communities. By bridging traditional wisdom with modern business practices and technology, the Conclave aims to connect grassroots innovation with national and global value chains, building sustainable, resource-efficient, and community-driven business models.

Towards Viksit Bharat @2047 : The Conclave echoes the Government of India's firm resolve that the story of Viksit Bharat @2047 will be complete only when grassroots innovators and entrepreneurs are at its core.It declares that Bharat is ready to lead, fueled by innovation rooted in identity, guided by the Hon'ble Prime Minister's vision of inclusive, sustainable, and self-reliant growth.

India moves up to 9th Position Globally in Forest Area; Continues to Rank 3rd in Annual Forest Gain

New Delhi, Focus News: India has achieved a significant milestone in global environmental conservation, moving up to the 9th position in terms of total forest area globally, as per the Global Forest Resources Assessment (GFRA) 2025, released by the Food and Agriculture Organization (FAO) in Bali. Union Minister for Environment, Forest and Climate Change, Shri Bhupender Yadav, informed about this development in a social media post on 'X'. In the previous assessment, India was ranked 10th. The country has also maintained its 3rd position worldwide in terms of annual forest area gain, reaffirming its commitment to sustainable forest management and ecological balance, the Minister informed. Yadav noted that this remarkable progress underscores the success of the Government of India's policies and programmes under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi, aimed at forest protection, afforestation, and community-led environmental action. The Prime Minister's call for 'Ek Ped Ma Ke Naam' and his continued emphasis on environmental consciousness have inspired people across the nation to participate actively in tree plantation and protection. This growing public participation is fostering a strong sense of collective responsibility towards a greener and sustainable future. The achievement comes on the back of Modi government's planning and policies for protection and enhancement of the forest and massive plantation efforts by State Governments, the Minister stated.

Raksha Mantri formally confers insignia of Honorary rank of Lieutenant Colonel in Territorial Army upon star javelin thrower Neeraj Chopra

New Delhi, Focus News: Raksha Mantri Rajnath Singh formally conferred the gleaming insignia of Honorary rank of Lieutenant Colonel in the Territorial Army upon star javelin thrower and two-time Olympic medalist Neeraj Chopra during the pipping ceremony in South Block, New Delhi on October 22, 2025. Interacting with Lt Col (Hony) Neeraj Chopra and his family members, Raksha Mantri described him as an epitome of perseverance, patriotism and the Indian spirit of striving for excellence. "Lt Col (Hony) Neeraj Chopra embodies the highest ideals of discipline, dedication and national pride, serving as an inspiration to generations within the sporting fraternity and the Armed Forces alike," said Shri Rajnath Singh. Chief of the Army Staff General Upendra Dwivedi and other senior officials of the Indian Army and Territorial Army were present on the occasion. Enrolled in the Indian Army in 2016, Lt Col (Hony) Neeraj Chopra has served with The Rajputana Rifles of the Indian Army. Born on 24 December 1997 in Khandra village, Panipat district, Haryana, he has brought immense pride to the Nation and the Armed Forces through his remarkable accomplishments in international athletics. The star javelin thrower created history by becoming the first Indian athlete to win an Olympic Gold Medal in track and field at the Tokyo Olympics in 2020. He continued his stellar performance by winning a Silver Medal at the Paris Olympics in 2024 and a Gold Medal at the World Athletics Championships in 2023. He has also secured multiple Gold Medals at the Asian Games, Commonwealth Games, and Diamond League events. His personal best throw of 90.23 metres (2025) stands as a milestone in Indian sporting history. In recognition of his outstanding achievements and exemplary service to the nation, Lt Col (Hony) Neeraj Chopra was granted Honorary commission in the Territorial Army by President Smt Droupadi Murmu on April 16, 2025. Earlier, he was conferred with the Padma Shri, Major Dhyan Chand Khel Ratna Award, Arjuna Award, Param Vishisht Seva Medal and Vishisht Seva Medal.

Piyush Goyal Leads India's Delegation at the XVIth Session of UNCTAD in Geneva

New Delhi, Focus News: Union Minister of Commerce and Industry, Shri Piyush Goyal, attended the XVIth Session of the United Nations Conference on Trade and Development (UNCTAD) in Geneva, where he delivered India's national statement and participated in key discussions. UNCTAD, established in 1964, plays a crucial role in promoting the integration of developing countries into the global economy through trade, investment, and sustainable development policies. In his address at the 16th Session of the United Nations Conference on Trade and Development (UNCTAD XVI), the Commerce and Industry Minister of India underscored India's transformation into one of the top five economies globally. India has been the fastest-growing large economy with over 7% average annual growth over last three years. The nation doubles its economy every eight years. Shri Goyal highlighted lifting millions of people out of poverty in the last decade. These individuals then join the middle class. They fuel rising incomes and demand. Goyal underlined India's sustainability leadership. Half its installed power capacity comes from renewables. Current clean energy stands at 250 GW with aim to install 500 GW by 2030. India is taking measures against climate change impacts. Yet it contributes only 3.5% to global emissions despite hosting 17% of the world's population. He noted that developed countries have not fulfilled Paris commitments including in providing $100 billion in low-cost, long-tenure finance and technology transfers.

Ministry of Earth Sciences (MoES) achieves significant interim progress during the Special Campaign for Disposal of Pending Matters (SCDPM) 5.0

New Delhi, Focus News: 22nd October, 2025: The Ministry of Earth Sciences (MoES) has achieved significant interim progress as part of the ongoing Special Campaign for Disposal of Pending Matters (SCDPM) 5.0. The SCDPM, now in its fifth edition in 2025, continues to focus on enhancing cleanliness, improving record management, and ensuring timely disposal of pending matters across all offices under the Government of India. The SCDPM 5.0, launched nationwide on October 02 this year, is set to maintain full fervour for the complete month of October, marking a tribute to the father of the nation, Mahatma Gandhi. The flagship campaign aimed to enhance administrative efficiency, transparency, and public service delivery, and is led by the DARPG (Department of Administrative Reforms and Public Grievances). Aligning with the Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi's vision of a 'Swachh Bharat', the Ministry of Earth Sciences, as part of the SCDPM 5.0 has conducted 54 impactful cleanliness campaigns, weeded out 192 files after a thorough meticulous review of more than 500 files and records, addressed 3 PMO References, 03 State Government References, 02 References from MPs, and 09 Public Grievances, and executed proper disposal of scrap (including e-waste) generating a revenue of over Rs 33.23 lakhs and freeing ~8,750 square feet of space.

ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत की, दिवाली की शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली/वाशिंगटन, फोकस न्यूज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर बातचीत के दौरान व्यापार मुद्दों पर चर्चा की। दोनों पक्षों द्वारा द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के प्रयासों के बीच यह बातचीत हुई। वाशिंगटन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी शुल्क लगाने के बाद संबंधों में तनाव आ गया है। मंगलवार को हुई बातचीत के बाद अपने वक्तव्य में ट्रंप ने भारत–अमेरिका संबंधों को ''प्रगाढ़'' बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप आपके फोन करने और दिवाली की शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद। रोशनी के इस पर्व पर दोनों महान लोकतंत्र दुनिया को आशा की किरण दिखाते रहें और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट रहें।'' ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने और मोदी ने व्यापार मुद्दों पर चर्चा की। ट्रंप ने अपना यह दावा दोहराया कि भारत ''रूस से ज्यादा तेल'' नहीं खरीदेगा। गत 16 सितम्बर के बाद से मोदी और ट्रंप के बीच यह तीसरी फोन कॉल थी। भारत की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि मोदी ने भारत–अमेरिका साझेदारी की स्थायी ताकत पर जोर दिया और आतंकवाद से लड़ने तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने ट्रंप को ''दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं और प्रकाश के त्योहार के अवसर पर फोन कॉल'' के लिए ''हार्दिक आभार'' व्यक्त किया। ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, ''हमने व्यापार के बारे में बात की, हमने कई चीजों के बारे में बात की, लेकिन मुख्य रूप से व्यापार की दुनिया के बारे में। वह इसमें बहुत रुचि रखते हैं। हालांकि हमने कुछ समय पहले इस बारे में बात की थी कि पाकिस्तान के साथ कोई युद्ध नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि इसमें व्यापार भी शामिल था, मैं उस समय इस बारे में बात कर पाया था और भारत और पाकिस्तान के बीच कोई युद्ध नहीं है। यह एक बहुत ही अच्छी बात है।''

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को रोजगार मेले के दौरान 51,000 नियुक्ति पत्र सौंपेंगे

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को 17वें रोजगार मेले के दौरान 51,000 से अधिक उम्मीदवारों को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। वह वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे और देश भर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित समारोहों में डाक विभाग तथा अन्य सरकारी विभागों के लिए नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। समारोह में केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्री जितेंद्र सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा भी उपस्थित रहेंगे। देश भर में रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक 10 लाख से अधिक भर्ती पत्र जारी किए जा चुके हैं।

छठ पर्व की तैयारियों को लेकर नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने की समीक्षा बैठक

लखनऊ, फोकस न्यूज, छठ को आस्था एवं जनभावना से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व बताते हुए उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बुधवार को कहा कि पर्व से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। शर्मा आगामी छठ पर्व की तैयारियों के दृष्टिगत बुधवार को अपने कैंप कार्यालय में नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की । एक बयान के मुताबिक, उन्होंने कहा कि छठ पर्व आस्था एवं जनभावना से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है, ऐसे में सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मंत्री ने सफाई व्यवस्था, फॉगिंग, कीटाणुनाशक दवा के छिड़काव, घाटों का समतलीकरण तथा प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर के प्रमुख मार्गों एवं घाटों तक जाने वाले रास्तों की मरम्मत एवं गड्ढों को भरने का काम तत्काल पूरा किया जाए। शर्मा ने यह भी कहा कि छठ पर्व के अवसर पर स्वच्छता एवं व्यवस्था ही सबसे बड़ा सेवा कार्य है, इसलिए सभी अधिकारी और कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ मैदान में उतरें। बैठक के दौरान मंत्री ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्व के दौरान किसी भी क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित न हो। उन्होंने कहा कि घाटों एवं पूजा स्थलों के आसपास विशेष रूप से अस्थायी प्रकाश व्यवस्था, 'हाईमास्ट लाइटों' की कार्यशीलता तथा विद्युत सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता दी जाए।

आपूर्ति श्रृंखला में जुझारूपन लाने के लिए अतिरिक्त खर्च करने को तैयारः गोयल

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार सभी क्षेत्रों की आपूर्ति श्रृंखला को जुझारू बनाने के लिए काम कर रही है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त खर्च करने के लिए भी तैयार है। गोयल ने यह बात 'संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन' (अंकटाड) की मंत्री–स्तरीय बैठक में कही। इस बैठक में 'जुझारू, टिकाऊ और समावेशी आपूर्ति श्रृंखला और व्यापार लॉजिस्टिक' पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सरकार ने देश की खुदरा और औद्योगिक क्षमता बढ़ाने के इरादे से 'आत्मनिर्भर भारत' पहल शुरू की है। गोयल ने कहा, ''हम प्रत्येक आपूर्ति श्रृंखला को उद्योग के हिसाब से देख रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि हम कहां कमजोर हैं और हमें कहां क्षमता विस्तार की जरूरत है। हम अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में जुझारू बनाने के लिए अतिरिक्त खर्च करने को तैयार हैं।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन' (पीएलआई) योजना और सेमीकंडक्टर उत्पादन बढ़ाने की नीति शुरू की है। साथ ही, ढांचागत विकास के लिए एक लाख करोड़ डॉलर का राष्ट्रीय मास्टर प्लान भी शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में भारत ने बंदरगाह क्षमता दोगुनी की है। इसके साथ हवाई अड्डों की संख्या 74 से 158 तक बढ़ाई और अगले 7–8 साल में इसे 225 तक ले जाने की योजना है। उन्होंने कहा कि रेल, सड़क और अंतर्देशीय जलमार्ग नेटवर्क के विकास में भी बड़े निवेश किए जा रहे हैं। गोयल ने कहा कि किसी भी क्षेत्र से उत्पादन या आपूर्ति पर निर्भरता ज्यादा होने पर आत्मनिर्भरता की तरफ ध्यान दिया जाता है। मसलन, इजराइल–हमास संघर्ष ने लाल सागर मार्ग से समुद्री व्यापार को प्रभावित किया, जिससे विविध स्रोतों की जरूरत महसूस हुई। गोयल ने कहा कि जब भी भारत दुनिया के बाकी देशों के साथ व्यापार करता है, तो वह विश्वसनीय और भरोसेमंद साझेदारों की तलाश करता है। उन्होंने बताया कि भारत को उपकरण और विभिन्न कलपुर्जों की जरूरत अभी भी विदेशों से पड़ती है। इसलिए सरकार ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और मित्र देशों के साथ व्यापार संबंधों का विस्तार किया है। इनका उद्देश्य केवल सस्ता सौदा करना नहीं, बल्कि भरोसा और भरोसेमंद आपूर्ति सुनिश्चित करना है। गोयल ने यह भी कहा कि कम विकसित और विकासशील देशों को मिलकर वैश्विक समस्याओं का समाधान करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत यूपीआई जैसी भुगतान प्रणाली अन्य देशों के साथ साझा करने के लिए तैयार है, जिससे लेन–देन एवं भुगतान की लागत कम हो सकती है।

भारत–जापान समुद्री युद्धाभ्यास में आईएनएस सह्याद्रि ने हिस्सा लिया

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत के स्वदेश निर्मित निर्देशित मिसाइल स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस सह्याद्रि ने जापान के साथ संयुक्त समुद्री अभ्यास में हिस्सा लिया है। यह जापान के साथ ''मजबूत और निरंतर प्रगाढ़' होते नौसेना संबंधों को रेखांकित करता है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बहु–भूमिका वाले स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस सह्याद्रि ने 16–18 अक्टूबर तक 'जेएआईएमईएक्स 25' – जापान भारत समुद्री युद्धाभ्यास – के समुद्री चरण में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि पोत ने बंदरगाह चरण के लिए मंगलवार को जापान के योकोसुका में लंगर डाला। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय नौसेना की हिंद–प्रशांत क्षेत्र में तैनाती के तहत पूर्वी बेड़े की शिवालिक श्रेणी के निर्देशित मिसाइल स्टेल्थ युद्धपोत ने द्विपक्षीय युद्धाभ्यास में हिस्सा लिया। भारतीय नौसेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के अपने हैंडल से एक पोस्ट में कहा, ''16 से 18 अक्टूबर तक जेएआईएमईएक्स 25 के समुद्री चरण में जापान समुद्री आत्मरक्षा बल (जेएमएसडीएफ) के पोत असाही, ओमी और पनडुब्बी जिनर्यू की भागीदारी के साथ पनडुब्बी रोधी युद्ध, मिसाइल रक्षा, उड़ान संचालन और चल रहे पुनःपूर्ति से संबंधित कई युद्धाभ्यास और अभ्यास शामिल थे।''

किरण मजूमदार–शॉ ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार से की मुलाकात

बेंगलुरु, फोकस न्यूज, बायोकॉन की प्रमुख किरण मजूमदार–शॉ ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से मुलाकात की और उन्हें दिवाली की शुभकामनाएं दीं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। शॉ अपने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से बेंगलुरु में बुनियादी संरचना संबंधी समस्याओं को उजागर करते हुए उनकी आलोचना करती रही हैं, तथा राज्य सरकार से हस्तक्षेप करने का लगातार आग्रह करती रही हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा, ''बायोकॉन प्रमुख किरण मजूमदार–शॉ कावेरी (मुख्यमंत्री का आधिकारिक आवास) गईं और मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधान परिषद के सभापति बसवराज होरट्टी भी मौजूद थे।'' उप मुख्यमंत्री के कार्यालय ने कहा कि शाह ने बेंगलुरु के सदाशिवनगर स्थित आवास पर शिवकुमार से मुलाकात की। राज्य सरकार पिछले कुछ समय से शहर में सड़कों की खराब स्थिति और यातायात संबंधी समस्याओं को लेकर आलोचनाओं के घेरे में है, तथा इंफोसिस के पूर्व सीएफओ मोहनदास पई और शॉ जैसे उद्योग जगत के दिग्गजों ने बार–बार खुले तौर पर राज्य सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया।